हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 11 जनवरी 2026

प्रदेश के कृषि उत्पादों की राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ेगी भागीदारी

कृषि वर्ष में मंडियों के आधुनिकीकरण के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। वर्ष 2025-26 में 20, वर्ष 2026-27 में 19 और वर्ष 2027-28 में 42 मंडियों को eNAM मंडियों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। उल्लेखनीय है कि eNAM या राष्ट्रीय कृषि बाजार भारत में कृषि वस्तुओं के लिए एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है। मंडियों के आधुनिकीकरण से साफ, ग्रेडेड और पैक्ड उपज के कारण उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा और प्रदेश के कृषि उत्पादों की राष्ट्रीय बाजारों में भागीदारी में बढ़ोत्तरी होगी। इससे किसानों को बेहतर एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य प्राप्त होंगे तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकेगी। मंडियों में पारदर्शी नीलामी, अनियमितताओं की रोकथाम, पुराने प्रांगणों को व्यवस्थित करने, अतिक्रमण से संभावित क्षति को रोकने और नवाचार करते हुए दक्षता संवर्धन के प्रयास किए जाएंगे। कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) योजना में भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश में फसलोत्तर प्रबंधन, अवसंरचनाओं और कृषि परिसंपत्तियों के निर्माण औरविगकास के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

किसान एवं कृषि से जुड़े उद्यामियों को देंगे नई दिशा और अवसर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 किसानों के कल्याण का साल है। इस दौरान हमारा पूरा फोकस किसानों पर ही रहेगा। इस साल हम कृषि आधारित उद्योगों के विकास पर विशेष ध्यान देंगे, जिससे

किसानों और कृषि से जुड़े उद्यमियों को नई दिशा और अवसर मिलेंगे। गेहूं की खरीदी पर हम किसानों को 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दे रहे हैं। हम किसानों की आय बढ़ायेंगे। किसानों को अन्नदाता से ऊर्जादाता बनायेंगे। इसके लिए प्रदेश के 32 लाख किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध करायेंगे। हर साल 10 लाख किसानों को सोलर पम्प दिए जाएंगे। इससे उन्हें बिजली बिल से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। किसान खुद बिजली उत्पन्न करके खेतों में सिंचाई, छोटा-मोटा व्यवसाय और निजी उपभोग भी कर सकेंगे। साथ ही सरप्लस बिजली बेचकर अतिरिक्त आयार्जन भी वे कर सकेंगे। राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

किसान-कल्याण सर्वोपरि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए हमने किसानों को प्राकृतिक आपदा से फसलों को हुए नुकसान के लिए लगभग 3 हजार करोड़ की राशि बांटी है। भावांतर योजना से प्रदेश के 6.50 लाख किसानों को 1300 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना (पीकेसी) के लिए हमारी सरकार ने राजस्थान के साथ सालों पुराने विवाद को खत्म किया। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 70 हजार करोड़ रुपए दिए। प्रदेश में अब तीन नदी जोड़ो अभियान पर कार्य निरंतर जारी है। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के 13 जिले के किसान लाभान्वित होंगे। मां नर्मदा के आशीर्वाद से मालवा-निमाड़ को पहले ही सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है।

हर एक संकल्प को पूरा करती मोहन सरकार

कृषि वर्ष-2026 में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को पूरा करेगी साकार

- *तीन साल का लक्ष्य निर्धारित कर गतिविधियां की जाएंगी संचालित*
- *कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित कर प्रदेश के उत्पादों की राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति की जाएगी सुनिश्चित*

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लिए गये निर्णय अनुसार वर्ष-2026 को प्रदेश में कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में विविध जलवायु जोन, पर्याप्त सिंचाई सुविधा, बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है। इसका लाभ लेकर किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन के उद्देश्य आधारित गतिविधियां संचालित कर प्रदेश में ₹समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश₹ के लक्ष्य को साकार किया जाएगा।

कृषि वर्ष-2026 में आरंभ की जा रही सभी गतिविधियां तीन साल का लक्ष्य निर्धारित कर संचालित की जाएंगी। किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए कृषि यंत्रीकरण, कृषकों के क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, उद्यानिकी विस्तार, एफपीओ निर्माण आधारित गतिविधियों को प्रमुखता दी जाएगी। इसके साथ ही सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए माइक्रो इरीगेशन, बेहतर बाजार नेटवर्क, किसानों को उनके उत्पाद का वाजिब मूल्य दिलवाने, पशुपालन तथा मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए कृषकों को प्रेरित करने जैसे प्रयास किए जाएंगे। कृषि वर्ष में जलवायु के अनुकूल कृषि प्रबंधन, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, श्रीअन्न उत्पादन के प्रोत्साहन और जैव विविधता तथा परम्परागत कृषि ज्ञान के संरक्षण और प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित कर उनकी राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों को कृषि में उन्नत राज्यों और देशों की यात्रा करायेंगे : कृषि वर्ष में कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में अन्य राज्यों में हो रहे सफल नवाचारों की जानकारी से किसानों को रू-ब-रू कराई जाएगी। इसके साथ ही किसानों को कृषि में उन्नत राज्यों और इजराइल तथा ब्राजील जैसे कृषि के क्षेत्र में नवाचार करने वाले देशों की यात्रा कराये। समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किसान कल्याण, सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास तथा सिंचाई विभाग परस्पर समन्वय से कार्य करेंगे।

प्रदेश के सभी जिलों में फूलों की खेती को करेंगे प्रोत्साहित

भोपाल में होने वाले गुलाब महोत्सव को पुष्प महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों में उत्पादित होने वाले अन्य फूलों को भी शामिल किया जाएगा तथा सभी जिलों में फूलों की खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा। वर्ष-2028 का ₹इंटरनेशनल रोज़ कॉम्पीटिशन₹ भोपाल में होना प्रस्तावित है। सिंहस्थ : 2028 को देखते हुए उज्जैन जिले के 100 एकड़ क्षेत्र में फूलों की खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में पराली निष्पादन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। एफपीओ को दुग्ध उत्पादन गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा।

सोयाबीन किसानों का सुरक्षा कवच : भावांतर योजना

- *प्रदेश के 6.25 लाख किसानों को 1300 करोड़ भावांतर राशि का भुगतान*

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर, केवल एक योजना नहीं किसानों के प्रति सरकार का श्रद्धाभाव है। भावांतर की राशि किसानों के अधिकार की राशि है। यह राशि किसानों की समृद्धि के प्रति सरकार के संकल्प का प्रतीक है। किसानों के कल्याण के लिए हम कभी भी पीछे नहीं रहेंगे। नए वर्ष 2026 को हमने अन्नदाताओं के कल्याण को ही समर्पित किया है। इस वर्ष हम कृषि उत्सव मनाएंगे। किसान भाइयों की समृद्धि का उल्लास मनाएंगे। आधुनिक तरीके से खेती, कृषि विस्तार सेवाएं और नई-नई तकनीकों को हम गांव-गांव तक पहुंचाएंगे, जिससे किसान भाई अपनी खेती-किसानी को और बेहतर बनाने के लिए सही समय पर सही निर्णय ले सकें। अन्नदाताओं के कल्याण को ही समर्पित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार अबतक प्रदेश के 6.25 लाख से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसानों को करीब 1300 करोड़ रुपए की भावांतर राशि का भुगतान कर चुकी है। भावांतर योजना प्रदेश के किसानों का सुरक्षा कवच बन गई है।

प्रदेश की सिंचाई क्षमता 100 लाख हैक्टयर तक बढ़ाएंगे

प्रदेश में दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टेयर सिंचाई क्षेत्र का विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गत दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टयर क्षेत्र में नई सिंचाई क्षमता विकसित हुई है। प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वर्ष 2026 तक 8.44 लाख हैक्टयर की वृद्धि होगी। प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र 100 लाख हैक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल का प्रयोग कर की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पार्वती-काली-सिंध और चम्बल अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना, केन-बेतवा अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना की स्वीकृति और केंद्र सरकार के सहयोग को राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए राज्य में भी विभिन्न नदियों को जोड़ने के लिए नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के निर्देश दिए। राज्य में नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत उज्जैन जिले में

कान्ह-गंभीर, मंदसौर, नीमच और उज्जैन में कालीसिंध-चंबल, सतना जिले में केन और मंदाकिनी, सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिले में शक्कर पेंच और दूधी तामिया, रायसेन जिले में जामनेर नेवन और नेवन-बीना नदियों का सर्वेक्षण किया गया है। इस सभी के क्रियान्वयन से कुल 5 लाख 97 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकेगी। इनकी अनुमानित लागत 9870 करोड़ रुपए होगी। सात जिलों के हजारों किसान इन योजनाओं से लाभान्वित होंगे।

राज्य की नदियों में बाढ़, जल प्रबंधन, जल के समुचित उपयोग नदी कछारों में पर्याप्त जल की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से राज्य की नदियों को आपस में जोड़ने के लिए तकनीकी दल का गठन 13 नवम्बर 2024 को किया गया था । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल की झील की प्राचीन तकनीक का अध्ययन कर इस तर्ज पर कम लागत में सुरक्षित जलाशय एवं बांध निर्माण की अवधारणा पर कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के इस मॉडल का प्रदर्शन करने के निर्देश भी विभाग को दिए।

राज्य में जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर किया जा रहा है। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना उज्जैन जिसकी लागत 614.53 करोड़ रुपए है। इसकी भौतिक प्रगति 48 प्रतिशत है। इसी तरह कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना उज्जैन की लागत 919.94 करोड़ है। इस परियोजना की भौतिक प्रगति 42 प्रतिशत है। सिंहस्थः 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट निर्माण एवं संबद्ध कार्य किए जा रहे हैं, जिनकी लागत 778.91 करोड़ है।

कार्यक्रम का समय और स्थान
जंबूरी मैदान, भोपाल

समयः मुख्य कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे से शुरू होगा।

मुख्य आकर्षणः मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे कोकता बायपास पर 1101 ट्रैक्टरों की मेगा रैली और कृषि रथ को हरी झंडी (फ्लैग ऑफ) दिखाकर रवाना करेंगे।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

कृषि वर्ष 2026 का शुभारंभः मुख्यमंत्री आधिकारिक तौर पर इस साल को किसानों के कल्याण के लिए समर्पित 'कृषि वर्ष' घोषित करेंगे।

किसानों की भागीदारी : इस सम्मेलन में प्रदेश भर से लगभग 30,000 किसानों के जुटने की उम्मीद है।

भावी योजनाएं: सीएम किसानों को आने वाले तीन सालों के रोडमैप के बारे में बताएंगे, जिसमें कृषि यंत्रीकरण, खाद्य प्रसंस्करण, और निर्यात को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियों पर जोर दिया जाएगा।

मप्र के अन्नदाता अब बनेंगे ऊर्जादाता, किसान करेंगे सूरज से खेती

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में किये जा रहे अनेक कल्याणकारी कार्यों से प्रदेश में अन्न उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है। किसानों को खेती के लिये खाद बीज की सहज उपलब्धता के साथ सिंचाई के संसाधन भी उपलब्ध कराये जा रहे है। इसी दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में 52 हजार किसानों के खेत में सोलर पंप स्थापित करने की योजना प्रारंभ की गई है। सोलर पंप स्थापित हो जाने से अब प्रदेश का किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनेगा। अब प्रदेश के किसान सूरज से खेती करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस अभिनव पहल के तहत 34 हजार 600 इकाइयों को लेटर ऑफ अवार्ड जारी कर 33 हजार कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। किसान के खेत में सोलर पम्प स्थापित होने से अब उन्हें विद्युत प्रदाय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। बिजली बिल पर व्यय होने वाली यह राशि अब उनके पास बचत के रूप में रहेगी। इसके अतिरिक्त सोलर पम्प से उत्पादित अतिरिक्त ऊर्जा को किसान सरकार को बेच कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकेंगे। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा लगातार किसानों को सोलर प्रोजेक्ट लगाने के लिए विभिन्न योजनाओं में लाभ प्रदान कर सक्षम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 52 हजार किसानों के खेतों में सोलर पम्प लगाने का अभिनव नवाचार किया है।

सोलर पंप के द्वारा निर्मित ऊर्जा के दैनिक उपयोग के बाद उत्पायदित अतिरिक्तत ऊर्जा के वैकल्पिक उपयोग के लिये भी किसानों को विकल्प दिया जा रहा है। इसका उपयोग नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देश अनुसार किया जा सकेगा। समान क्षमता के यू.एस.पी.सी. युक्त पंपों पर बिना यू.एस.पी.सी. (सामान्यग कन्ट्रो लर) के सोलर पंप पर देय अनुदान ही लागू होगा। स्थापित सोलर पम्पोंत के, 5 वर्ष तक रख-रखाव की जिम्मेरदारी, संबंधित स्थापनाकर्ता इकाई की है।

प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजनाः प्रदेश में प्रधानमंत्री कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थाान महाभियान) योजना के द्वारा किसानों के लिये ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। केन्द्र सरकार की इस योजना को प्रदेश में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजनाः के नाम से संचालित किया जा रहा है। इसमें (कुसुम-ब) कृषकों के यहां ऑफ ग्रिड सोलर पम्पों की स्थाापना की जाती है। योजना में किसानों को 1 एच.पी. से 7.5 एच.पी. तक क्षमता के पम्प पर 90 प्रतिशत सब्सिडी (अनुदान) दिये जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें सभी वर्ग को समान सब्सिडी (अनुदान) प्रदान की जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया स्वच्छ जल अभियान का आगाज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रांत व्यापी ₹स्वच्छ जल अभियान का आगाज हुआ। यह अभियान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ शुरू किया गया है। अभियान में नगरीय निकायों एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के राज्य एवं जिला स्तर के अधिकारी भी अभियान का हिस्सा बनाए गए हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल गुणवत्ता का व्यापक परीक्षण करना है।

साथ ही जल आपूर्ति प्रणाली में लीकेज, दूषित जल की पहचान कर समय पर सुधार करना, जिससे जल-जनित बीमारियों से बचाव हो सके। स्वच्छ जल के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित और जांच प्रक्रिया में सहभागिता के लिए जागरूक करना, जिससे आमजन स्वयं ही पानी की गुणवत्ता पर ध्यान दें और समय रहते प्रशासन को अवगत करा सकें।

D- 16140/25

काम पूरा होने से बढ़ेगी ट्रेनों की संख्या व 130 से 160 की स्पीड से दौड़ेंगी

इंदौर-बुदनी रेल लाइन का काम शुरू, इस रूट की कठिन सुरंग बनाने का युद्धस्तर पर चल रहा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

इंदौर-बुदनी रेल लाइन का कार्य प्रारंभ हो गया है। इस रूट पर रेलवे के लिए ब्रिज, अंडरपास तथा ट्रैक का निर्माण के बाद अब सबसे कठिन सुरंग का निर्माण किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार रेल विकास निगम लिमिटेड की ओर से इंदौर-बुदनी नई रेल लाइन परियोजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। आरवीएनएल की परियोजना कार्यान्वयन इकाई भोपाल द्वारा टनल-2 के पोर्टल-1 से मुख्य सुरंग की पहली 100 मीटर खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। यह 8.6 किलोमीटर लंबी टनल-2 के निर्माण की एक मजबूत शुरूआत है।

आरवीएनएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सलीम अहमद ने बताया कि इंदौर-बुधनी रेल कॉरिडोर है। इस रूट पर बनाई जा रही यह सुरंग मध्य प्रदेश के देवास जिले के बागली एवं कन्नौद तहसीलों के अंतर्गत आने वाले कमलापुर, थालघेवारिया एवं हटनौरा गांवों से होकर गुजरती है। यह माइलस्टोन लगभग दो महीनों की अवधि में प्राप्त किया गया, जबकि सुरंग का मार्ग रॉक क्लास वी आकार का है, जिसे टनल निर्माण अत्यंत चुनौतीपूर्ण काम है। इसके अलावा सुरंग के ऊपर स्थित दो सक्रिय नालों के नीचे से गुजरने के कारण भूजल प्रवेश एवं सतही अस्थिरता जैसी अतिरिक्त चुनौतियां भी हमारे सामने है।

काम पूरा होने से बढ़ेगी ट्रेनों की रफ्तार

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस लाइन का काम पूरा होने के बाद इस रूटों पर ट्रेनों की संख्या बढ़ सकेगी। तो वहीं ट्रेनों की स्पीड 100-120 से बढ़कर 130 से 160 की स्पीड से दौड़ सकेगी।

भोपाल, जबलपुर व कोटा मंडल ने किया अच्छा काम

रेल मंत्री ने पश्चिम मध्य रेल को दी ओवरऑल एफिशियंसी शील्ड एवं बिक्री प्रबंधन शील्ड

पुरस्कार प्रदान करते रेल मंत्री।

पुरस्कार प्रदान करते रेल मंत्री।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 के अंतर्गत इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पमरेर को ओवरऑल दक्षता शील्ड एवं बिक्री प्रबंधन शील्ड सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रदान की गई। पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय एवं महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री ने गोविन्द बल्लभ पंत शील्ड ग्रहण की और बिक्री प्रबंधन शील्ड महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता ने प्राप्त की। व्यक्तिगत श्रेणी में पश्चिम मध्य रेल से पीयूष शर्मा, सीनियर सेक्शन इंजीनियर को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

25 जनवरी को होगा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव

भोपाल। 25 जनवरी को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 10वां बौद्ध महोत्सव का अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित महोत्सव दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ, भोपाल के तत्वावधान में, विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से बुद्धभूमि महाविहार मोनेस्ट्री, चूना भट्टी, कोलार रोड, भोपाल में आयोजित होगा। यह महाविहार मध्यप्रदेश के बौद्ध समाज की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक चेतना का केंद्र माना जाता है और वर्षों से शांति, करुणा एवं सामाजिक न्याय के संदेश का संवाहक रहा है। इस आयोजन को लेकर शनिवार को भोपाल में 10वें अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, अंतरराष्ट्रीय अतिथियों के स्वागत, सुरक्षा, अनुशासन एवं जनसहभागिता पर विस्तृत चर्चा की गई।

तकनीकी संगोष्ठी में निटर को मिला प्रथम पुरस्कार

भोपाल। आईआईटी इंदौर, आईआईटी जोधपुर एवं सीएसआईआर-निस्पर नई दिल्ली द्वारा आईआईटी, इंदौर में दो दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें निटर भोपाल के प्रो. पीके पुरोहित-प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता विज्ञान ने आमंत्रित वक्ता के रूप में हिंदी में विज्ञान विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. पुरोहित ने विज्ञान को समझने में हिंदी की भूमिका और इसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की। संगोष्ठी में देशभर के शीर्ष संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से प्रतिभागियों ने पेपर प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में निटर भोपाल की बबली चतुर्वेदी द्वारा विषय भाषा से डिजिटल संवाद तकः राजभाषा और तकनीक का संगम पर आलेख प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया गया।

■ आईआईटी, इंदौर में आयोजित की गई राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी

एम्स भोपाल के चौथे रिसर्च डे प्रोग्राम में बोले आईसीएमआर महानिदेशक डॉ. बहल

एम्स भोपाल जैसा संस्थान 3 पीएचडी स्कॉलर तलाश नहीं कर पाया तो अन्य का क्या होगा?

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल लगातार रिसर्च कार्य कर रहा है

डॉ. बहल ने कहा कि एक संस्थान के लिए मिनिमम तीन सीट की स्वीकृति रखी हुई है

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल लगातार रिसर्च कार्य कर रहा है। बीते दो से तीन साल में कई रिसर्च पेपर प्रकाशित भी हुए हैं। लेकिन इसके विपरीत एक तस्वीर यह भी है कि एम्स भोपाल पीएचडी रिसर्च के लिए तीन प्रस्ताव भी आईसीएमआर के लिए नहीं भेजा सका, उसके द्वारा सिर्फ दो प्रस्ताव ही भेजे गए। यह बात आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने शनिवार को एम्स भोपाल के चौथे रिसर्च डे प्रोग्राम को संबोधित करते हुए कही। डॉ बहल ने कहा कि मैं बहुत निराश हूं, एम्स भोपाल जैसी संस्थान यदि कम से कम तीन पीएचडी स्कॉलर भी नहीं तलाश कर रही तो अन्य संस्थाओं का क्या होता होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमने एक संस्थान के लिए मिनिमम तीन सीट की स्वीकृति रखी हुई है। लेकिन एम्स द्वारा सिर्फ दो प्रस्ताव आना निराशाजनक है। रिसर्च डे कार्यक्रम में अतिथि एम्स के निदेशक डॉ. माधवानंद कर, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च के प्रधान संपादक डॉ. पीयूष गुप्ता, उप निदेशक एम्स प्रशासन संदेश कुमार जैन, डॉ. रजनीश जोशी, डॉ. रेहान उल हक, डॉ. विकास गुप्ता द्वारा ऐसे स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र दिया गया, जिन्होंने रिसर्च पेपर तैयार किए और उनके कार्य को विभिन्न मंचों पर सराहा गया।

शोध करने वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

एम्स भोपाल के चौथे रिसर्च डे प्रोग्राम का दृश्य।

एनआईआरएफ में सुधरी एम्स भोपाल की रैंक

एम्स भोपाल ने रिसर्च क्षेत्र में बीते कुछ सालों में बेहतर काम करते हुए एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) की रैंक में सुधार किया है। कुछ साल पहले तक इस सूची में भोपाल की रैंक 38 थी, जो पहले घटकर 27 हुई और वर्तमान में अब 25 है। यह रैंक रिसर्च के साथ साथ संस्था के एलुमनी सदस्य कहां क्या कार्य कर रहे हैं, यह भी देखा जाता है।

बजट का सिर्फ एक फीसदी हिस्सा ले रहा एम्स

आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ बहल ने बताया कि हमारे पास देश भर की संस्थाओं के लिए रिसर्च वर्क पर खर्च करने के लिए जितना कुल बजट है, भोपाल एम्स उसका सिर्फ एक फीसदी ही प्राप्त कर पा रहा है। जबकि दिल्ली एम्स की क्षमता 12 प्रतिशत से अधिक पहुंच गई है। यदि एम्स भोपाल अपने रिसर्च को और बढ़ाए, कुछ अच्छे प्रोजेक्ट लेकर आए और यह दो फीसदी फंड ले सके तो बहुत अच्छा होगा।

बीएमएचआरसी में तीन सुविधाओं का शुभारंभ

गैस पीड़ितों को विश्वस्तरीय और सुरक्षित इलाज देना आईसीएमआर की प्राथमिकताः डॉ. बहल

आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने बीएमएचआरसी में तीन अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का उद्घाटन किया। नई एनएएटी लैब से रक्त की हर यूनिट की शुरूआती स्तर पर संक्रमण जांच होगी, जबकि बॉडी प्लेथिस्मोग्राफी मशीन से फेफड़ों की सटीक जांच संभव होगी। वहीं इंटीग्रेटेड बायोकेमिस्ट्री व इम्यूनोअसे एनालाइजर से कैंसर, हार्मोन और संक्रमण से जुड़े टेस्ट तेज होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राजीव बहल ने कहा कि गैस पीड़ितों को विश्वस्तरीय और सुरक्षित उपचार देना आईसीएमआर की प्राथमिकता है और इसके लिए तकनीक व अनुसंधान दोनों को साथ लेकर चला जाएगा। डॉ. बहल ने बीएमएचआरसी की 25 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का विमोचन किया और चिकित्सकों व वैज्ञानिकों से संवाद किया।

बीएमएचआरसी में शुभारंभ कार्यक्रम।

संक्रमित रक्त का खतरा लगभग खत्म

बीएमएचआरसी के ब्लड सेंटर में शुरू की गई एनएएटी लैब अब हर रक्त यूनिट की अनिवार्य जांच करेगी। इस तकनीक से एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और सी जैसे संक्रमण बहुत शुरुआती अवस्था में भी पकड़ में आ जाएंगे, जो सामान्य जांच में संभव नहीं होता।

आईईएस में दीक्षांत समारोह का आयोजन

1500 से अधिक छात्रों को डिग्रियां एवं गोल्ड मेडल से किया सम्मानित

आईईएस में दीक्षांत समारोह का आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आईईएस यूनिवर्सिटी द्वारा छात्रों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन आईईएस कैम्पस में किया गया, जिसका शुभारंभ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, पशु पालन एवं डेयरी राज्य मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार) लाखन सिंह पटेल, पद्मश्री डॉ. पीटी उषा ने किया। आईईएस दीक्षांत समारोह के आरंभ में आईईएस यूनिवर्सिटी चांसलर इंजीनियर बीएस यादव ने छात्रों की डिग्री सम्पन्न करने किए बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भारतीय मूल्यों को बनाए रखने, माता-पिता और बड़ों का सम्मान करने और लगन से काम करने की सलाह दी। राज्य मंत्री लाखन सिंह पटेल ने युवा स्नातकों से राष्ट्र सेवा में काम करने का आग्रह किया।

मानद उपाधि से सम्मानित किया

आईईएस यूनिवर्सिटी ने देश एवं समाज में उत्कृष्ट कार्य के लिए पद्मश्री डॉ. पीटी उषा, गोविंद लालजी भाई ढोलकिया, पद्मश्री डॉ. जीवन, सिंह टिटियाल, पद्मश्री उमा शंकर पांडे, अरुण योगीराज, चंद्रकांत सीताराम पंडित को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। साथ ही आईईएस यूनिवर्सिटी ने 1500 से अधिक छात्रो को पीएचडी, पीजी और यूजी डिग्रियां एवं गोल्ड मेडल से नवाजा गया। समारोह में आईईएस यूनिवर्सिटी सीईओ देवांश सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

अचानक बडोरा मंडी पहुंचे बैतूल के प्रभारी मंत्री

किसानों को परेशान किया तो अधिकारियों पर गिरेगी गाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बैतूल के प्रभारी मंत्री और चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल अचानक बडोरा मंडी पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों और मंडी प्रबंधन को चेतावनी दी कि किसानों को कोई परेशानी हुई तो जिम्मेदारों पर तत्काल कार्रवाई होगी।

किसानों की शिकायत के बाद उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जो किसान को परेशान करेगा, उसकी नौकरी मुश्किल में पड़ जाएगी। निरीक्षण के दौरान मंत्री किसानों से सीधे मिले और उनकी समस्याएं सुनीं। एक किसान ने शिकायत की कि मंडी में उपज की तुलाई क्रम से नहीं हो रही है, जिस पर मंत्री नाराज हो गए। उन्होंने मंडी सचिव को निर्देश दिए कि उपज की तुलाई और नीलामी क्रमवार और पारदर्शी तरीके से हो। उन्होंने मौके पर ही मंडी निरीक्षक को सस्पेंड करने की चेतावनी दी।

भारतीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान के स्टूडेंट चैप्टर का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

समग्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने, प्रणालियों को अनुकूलित करने, उत्पादकता में सुधार करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने के उद्देश्य से सिस्टेक गांधी नगर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने शनिवार को भारतीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान के स्टूडेंट चैप्टर का गठन किया। आईआईआईई स्टूडेंट चैप्टर का उद्घाटन मुख्य अतिथि एमबी कुलकर्णी, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परिषद, योगेश एस. दीपनाइक, मानद सचिव राष्ट्रीय परिषद और टीआर गुलियानी, अध्यक्ष आईआईआईई ने किया। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. ज्योति देशमुख, प्रिंसिपल मनीष बिल्लोरे और वाइस प्रिंसिपल डॉ. स्वाति सक्सेना, सिस्टेक की उपस्थिति में किया गया। सागर ग्रुप के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ सुधीर अग्रवाल ने छात्र अध्याय के गठन के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग को बधाई दी और कहा कि आईआईआईई शिक्षाविदों और छात्रों को ज्ञान, कौशल विकास और उभरते औद्योगिक रुझानों से अवगत होने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

एसओएस बालग्राम में आईएमए के डॉक्टरों ने किया बच्चों के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

एसओएस बालग्राम में स्वास्थ्य शिविर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नव वर्ष के अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) भोपाल के डॉक्टरों द्वारा एसओएस बालग्राम खजूरी कला में रहने वाले बच्चों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर में आयोजित डॉक्टरों एक गेम शो का आयोजन कर खेल-खेल में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आईएमए के मीडिया प्रभारी डॉ आईके चुघ ने बताया कि एसओएस बालग्राम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आईएमए मप्र के पूर्व अध्यक्ष मेजर डॉ पीएस चंदेल के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ चुघ ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ वरुणा पाठक, डॉ अतुल गुप्ता, डॉ पीके चतुर्वेदी, डॉ एमएच मलिक, डॉ शिल्पा डोडानी, डॉ अश्वनी सियाल द्वारा 100 से अधिक बच्चों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया।

खंडेलवाल ने वीबी-जी रामजी योजना को लेकर की प्रेसवार्ता, आजीविका के स्थाई स्त्रोत किए जाएंगे विकसित

वीबी-जी रामजी योजना गांवों की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम करेगी : खंडेलवाल

रतलाम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की प्रेस कांफ्रेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को रतलाम के अतिथि गार्डन में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि यह योजना गांवों की तस्वीर और तकदीर बदलने का कार्य करेगी। इस योजना के जरिए राज्य सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों और गांवों में गरीबों, महिलाओं, युवाओं और मजदूरों की आजीविका के स्थायी स्रोत विकसित किए जाएंगे। इस योजना में ऐसा प्रावधान भी किया गया है कि फसलों की बुवाई-कटाई के समय खेती के लिए मजदूर मिल सकें। इसका फायदा मजदूरों को होगा। उन्हें 125 दिन रोजगार की गारंटी तो वीबी-जी रामजी योजना के तहत है ही, 60 दिन खेतों में मजदूरी के लिए भी मिल जाएंगे। ऐसे में देखा जाए तो मजदूरों को 185 दिन का रोजगार गांवों में ही मिल सकेगा। नई योजना में गांवों के विकास के हिसाब से योजना बनाकर भी कार्य किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस पर कार्य हो रहा है। इस योजना में तनिक भी भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महात्मा गांधी के विचारों को साकार करने का कार्य कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगा सीधा फायदा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में क्रांति लाएगी। योजना में रोजगार नहीं मिलने की स्थिति में मजदूरी भत्ते का भी प्रावधान किया गया है। नई योजना में ग्राम पंचायतों को परिवार का पंजीयन और रोजगार गारंटी का अधिकार दिया गया है। नई योजना में राज्यों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिसका सीधा फायदा ग्रामीण क्षेत्रों को होगा। ग्राम पंचायतों, गांवों में विकास के साथ निर्माण कार्य भी कराए जा सकेंगे। कई ऐसे कार्यों को नई योजना में शामिल किया गया है, जो पहले की योजना में नहीं थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने रतलाम में की बैठकें

बूथ स्तर तक योजना बनाकर संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना है: खंडेलवाल

पीसी करते खंडेलवाल।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को रतलाम के अतिथि गार्डन में पार्टी की जिला बैठक, वीबी-जी रामजी जनजागरण अभियान, छोटी टोली के साथ सोशल मीडिया, आईटी टोली और मन की बात टोली की बैठकों को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी मजबूती संगठन शक्ति है। हमें अपने संगठन को और मजबूत बनाने के लिए बूथ स्तर तक योजना बनाकर संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना है। मजबूत संगठन से ही सशक्त लोकतंत्र का निर्माण होता है। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की अटूट निष्ठा, अथक परिश्रम और वैचारिक प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष, त्याग और विचारधारा के कारण आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनकर देश और समाज का मार्गदर्शन कर रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं को खोज-खोजकर दायित्व देती है। पार्टी में किसी भी दायित्व के लिए किसी कार्यकर्ता को कहीं भटकने की आवश्यकता नहीं होती। कार्यकर्ता की सक्रियता ही अवसर बनकर सामने आती है। भाजपा में कोई भी कितना भी बड़े दायित्व पर क्यों न हो, उसके मन में सदैव कार्यकर्ता भाव बना रहना चाहिए। जनसंघ से लेकर आज भारतीय जनता पार्टी तक की यात्रा अत्यंत संघर्षपूर्ण, त्याग और समर्पण से भरी रही है।

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक

वीबी-जी रामजी योजना ग्रामीण भारत के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक पहलः यति

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में भाजपा किसान मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विकसित भारत, गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन, संगठनात्मक मजबूती तथा किसानों और ग्रामीण मजदूरों तक योजना की जानकारी पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श करना रहा। बैठक को भोपाल अध्यक्ष रविंद्र यति, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह एवं किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेश सिंह ने संबोधित किया।

रवींद्र यति (फाइल)

भोपाल
रविवार, 11 जनवरी 2026
माघ मास कृष्ण पक्ष-08
वर्ष : 12, अंक : 282
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 24
न्यून. 09

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अयोध्या : राम मंदिर की सुरक्षा में सेंध

सीता रसोई के पास ही नमाज पढ़ रहा था शख्स हिरासत में लिया गया

आरोपी अहमद शेख कश्मीर के शोपियां का रहने वाला

आरोपी के कब्जे से कुछ ड्राई फ्रूट्स और 2700 रु. मिले

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अहमद शेख

अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा में सेंध लगने का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह एक विशेष समुदाय के शख्स ने राम मंदिर परिसर में सीता रसोई के पास नमाज पढ़ने की कोशिश की। रोके जाने पर शख्स ने एक संप्रदाय विशेष के नारे लगाए। मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने शख्स को हिरासत में लिया है। शख्स राम मंदिर के गेट डी1 से घुसा था। सुरक्षा एजेंसियां आरोपी ▶▶शेष पेज 4 पर

नॉन-वेज खाने की डिलीवरी व शराब पर रोक

वहीं, अयोध्या प्रशासन ने राम मंदिर के 15 किलोमीटर के दायरे में नॉन-वेज खाने की डिलीवरी पर रोक लगा दी है। यह इलाका पांच कोसी परिक्रमा क्षेत्र में आता है। अयोध्या शहर के होटलों और होमस्टे को भी चेतावनी जारी की गई है, जो कथित तौर पर अपने मेहमानों को नॉन-वेज खाना और शराब परोस रहे थे।

रैली मिसरोद, सलैया, फंदा ब्लॉक, बैरसिया रोड, रातीबड़ और नीलबड़ से गुजरेगी

आज दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कोकता आरटीओ दफ्तर से इस रैली को हरी झंडी दिखाएंगे, मुख्य आयोजन जंबूरी मैदान में होगा

1101 ट्रैक्टरों की निकलेगी रैली, इसमें करीब '30 हजार' किसान होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

फाइल फोटो

- जनवरी में कृषि कौशल सम्मेलन नवंबर में होगा गन्ना महोत्सव
- किसानों की आमदनी बढ़ाने सरकार ने बनाया 3 साल का रोडमैप
- जून में कृषि निर्यात कार्यशाला अक्टूबर में होगा सब्जी महोत्सव

राजधानी में रविवार को जंबूरी मैदान पर एक बड़ा किसान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मोहन सरकार ने वर्ष-2026 को किसानों के नाम करने का फैसला लिया है। जिसके तहत जनवरी से लेकर दिसंबर तक किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेंडर तैयार किया है। प्रदेश के अलग-अलग ▶▶शेष पेज 4 पर

कब-कहां होंगे कार्यक्रम?

कृषि वर्ष के तहत जनवरी में नर्मदापुरम में कृषि कौशल सम्मेलन, मंदसौर में सोयाबीन भावांतर विस्तार और भोपाल में गुलाब महोत्सव होगा। फरवरी में डिंडोरी-मंडला में कोदा कुटकी मिलेट मेला, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन में एग्री प्रोसेसिंग और सहकारिता सम्मेलन, मार्च में भोपाल में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, ग्वालियर में दुग्ध ▶▶शेष पेज 4 पर, ▶▶पढ़ें पेज 03 भी

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सीएम बोले- छात्रा की पढ़ाई में मदद करेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीधी में थे। इसी दौरान छात्रा अनामिका बैगा उनसे मिलने

के लिए पहुंच गई। वहां मौजूद मीडिया के सामने उसने रोते-बिलखते कहा -मैं बैगा आदिवासी हूं, मुझे डॉक्टर बनना है। पापा के पास पैसा नहीं है। सीएम तक वीडियो पहुंचा उन्होंने कहा मदद करेंगे।

नूर होंगे भारत में अफगान के प्रमुख

नई दिल्ली। तालिबान के वरिष्ठ सदस्य मुफ्ती नूर अहमद नूर भारत की राजधानी नई दिल्ली पहुंचे हैं।

अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, नूर अफगानिस्तान दूतावास में चार्ज डी'अफेयर्स (सीडीए) का पद संभालेंगे। इससे पहले नूर अहमद अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय में रह चुके हैं।

हैक एंड मेक आज से सीएम करेंगे सम्मानित

भोपाल। भोपाल में 'हैक एंड मेक' 2026 का आयोजन भोपाल के जहांनुमा पैलेस होटल में 11-12

जनवरी को किया जाएगा। इस मौके पर सीएम डॉ.मोहन यादव प्रतिभाओं का सम्मान करेंगे। भारत की पहली राज्य-स्तरीय ट्राई-ट्रैक नवाचार एवं नए व्यापारिक समाधान होंगे।

रूस के तेल का दिया विकल्प : अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत यह बिक्री होगी

कम से कम 100 अरब डॉलर खर्च करेगी कंपनी

ट्रंप भारत को वेनेजुएला का तेल बेचने को तैयार, इस पर बात जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि अब वेनेजुएला के तेल पर वेनेजुएला का कोई हक नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि तेल कंपनियां सीधे अमेरिका से डील करेंगी, वेनेजुएला से नहीं। उन्होंने कहा कि वह तय करेंगे कि कौन सी तेल कंपनियां वेनेजुएला जाएंगी

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वो अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ठप पड़े व्यापार के फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ गई है।

जब पूछा गया कि क्या अमेरिका वेनेजुएला की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए भारत को वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करने की अनुमति देने के लिए तैयार है, तो जवाब स्पष्ट था। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया हां, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस पर अभी काम चल रहा है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस्टोफर राइट की हालिया टिप्पणियों का अधिकारी ने जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि वॉशिंगटन ▶▶शेष पेज 4 पर

अमेरिकी बैन से पहले भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में एक था

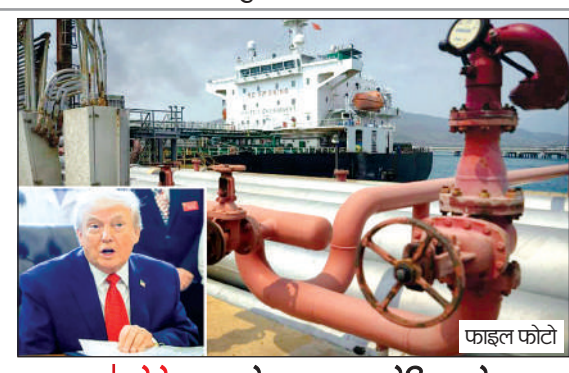
फाइल फोटो

दुनिया भर के देशों को कुल 5 करोड़ बैरल तेल बेचेगा

- *वेनेजुएला से अब तक अमेरिका को 3 करोड़ बैरल तेल मिला था*
- *दावा : भारत को एनर्जी इंपोर्ट में विविधता लाने में मदद मिल सकेगी*

भारत भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था

अमेरिकी बैन से पहले भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में एक था, जो उसकी जटिल रिफाइनरियों को चलाने के लिए भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था। ये दोबारा शुरू होने से भारत को एनर्जी इंपोर्ट में विविधता लाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि मांग लगातार बढ़ रही है। न्यूयॉर्क में एक एनर्जी कॉन्फ्रेंस ▶▶शेष पेज 4 पर

तेल की मार्केटिंग अमेरिकी सरकार करेगी

अमेरिका, वेनेजुएला के तेल को दोबारा वैश्विक बाजार में जाने की अनुमति दे रहा है, लेकिन यह सब कड़े नियंत्रण वाले ढांचे के तहत होगा। इसकी मार्केटिंग अमेरिकी सरकार करेगी। पैसा तय खातों में ही जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही एक डील करेंगे, जिसमें यह तय होगा कि कौन सी अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला जा सकती हैं और वहां के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को फिर से बना सकती हैं। अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला में कम से कम 100 अरब डॉलर खर्च करेंगी। ट्रंप ने कहा कि अगले हफ्ते तेल कंपनियों के साथ एक और मीटिंग की जाएगी।

ट्रंप ने बड़ी तेल कंपनियों के साथ बैठक की

इस बीच ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के बाद हुए नए समझौते के तहत अमेरिका वेनेजुएला के 5 करोड़ बैरल तक कच्चे तेल की बिक्री करेगा। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और दुनिया की कुछ सबसे बड़ी तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ एक बैठक में बोलते हुए ट्रंप ▶▶शेष पेज 4 पर

जॉय महापात्रो (मृतक)

बांग्लादेश में सड़क पर भीड़

बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यक्ति की हत्या

पहले बुरी तरह से पीटा फिर जहर खिलाकर ले ली जान

35 दिन में हिंदू समुदाय के 11 वें शख्स की हत्या

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हत्याओं के मामले रोज बढ़ रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक काफी डरे हुए हैं और लोगों में आक्रोश साफ दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश में एक और हिंदू समुदाय की हत्या कर दी गई।

गुरुवार को सुनामगंज जिले में जॉय महापात्रो नाम के एक हिंदू व्यक्ति को बुरी तरीके से पीटा गया। महापात्रो के परिवार के अनुसार उन्हें एक स्थानीय व्यक्ति ने बुरी तरीके से पीटा और फिर जहर दे दिया। हालत खराब होने पर महापात्रो को सिलहट एमएजी उस्मानी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां महापात्रों की आईसीयू में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू आबादी काफी डरी हुई है।

हिंदुओं पर ताबड़तोड़ हमले

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल के दौरान अल्पसंख्यकों पर हमले काफी बढ़ गए हैं। कुछ दिनों पहले ही बांग्लादेश के नरसिंगदी शहर में एक 40 वर्षीय हिंदू व्यक्ति की अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से वार करके हत्या कर दी थी। 5 जनवरी को जशोर के कोपलिया बाजार में हिंदू व्यापारी और पत्रकार राणा प्रताप की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ▶▶शेष पेज 4 पर

मुरम-गिट्टी का अवैध परिवहन रोकने पहुंचे थे

खनन कारोबारी का दुस्साहस देखिए कहा- तहसीलदार पर डंपर चढ़ा दो

> ड्राइवर से कहा-जो होगा देखा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

रोहित जैन (आरोपी)

जबलपुर के बरगी थाना क्षेत्र में खनन कारोबारी ने तहसीलदार पर डंपर चढ़ाने की धमकी दी। तहसीलदार रवींद्र पटेल और खनिज निरीक्षक विवेकानंद यादव टीम के साथ मानेगांव के पास मुरम-मिट्टी के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने पहुंचे थे। तहसीलदार पटेल ने तीन डंपरों को जांच के लिए रोका। उनसे रॉयल्टी दस्तावेज दिखाने को ▶▶शेष पेज 4 पर

खंडवा में फिल्मी स्टाइल में लूट

30 सेकंड में लूटी 2 करोड़ की ज्वेलरी, बाजार में की फायरिंग

> 7 बदमाशों ने व्यापारी पर हमला किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खंडवा

सीसीटीवी फुटेज में आरोपी

यहां एक सराफा कारोबारी पर जानलेवा हमला कर फिल्मी स्टाइल में करीब 2 करोड़ रुपए कीमत का सोने-चांदी का माल लूट लिया गया। 7 बदमाशों ने व्यापारी पर अचानक हमला कर घायल कर जेवर से भरा बैग छीन लिया। कुछ लोगों ने पीछा करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पुनासा ▶▶शेष पेज 4 पर

इंदौर में 7 वाहन टकराए, कार पर चढ़ी पिकअप

ट्रक अनियंत्रित हुआ और सामने वाले वाहन में घुस गया

महू। इंदौर के महू में 7 वाहन आपस में टकरा गए। ट्रक और गैस टैंकर कारों पर चढ़ गए। हादसा मानपुर भेरू घाट पर शनिवार सुबह हुआ। मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे बंद हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घाट सेक्शन में जहां हादसा हुआ, वहां ▶▶शेष पेज 4 पर

6 जिलों में 5 डिग्री तक पारा, विजिबिलिटी 1000 मीटर

शनिवार को प्रदेश के 6 जिलों में रात में तेज सर्दी। लेकिन कोहरे में कमी आई। दिन के तापमान में औसतन एक डिग्री की बढ़त रही। अधिकांश जिलों में दिन-रात का पारा सामान्य से अधिक रहा। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम पारा छतपुर 3.6, शिवपुरी 4, ▶▶शेष पेज 4 पर

चयनित प्रतिभागी 10 विषयगत ट्रैकों में प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी अंतिम प्रस्तुतियां देंगे,बड़ा आयोजन

कल होगा 'विकसित भारत युवा नेतृत्व' संवाद करीब 3000 युवाओं से बात करेंगे प्रधानमंत्री

इस संवाद में 9 जनवरी से अब तक 5 लाख युवाओं ने भाग लिया

स्वाभिमान पर्व : सोमनाथ मंदिर में ओम का जाप करते हुए पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को आयोजित होने वाले विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में 3,000 से अधिक युवाओं से सीधे बातचीत करेंगे। इस दौरान युवा विभिन्न राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार और सुझाव पीएम मोदी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के 2026 संस्करण के चयनित प्रतिभागी 10 विषयगत ट्रैकों में प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी अंतिम प्रस्तुतियां देंगे, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख ▶▶शेष पेज 4 पर

मोदी निबंध संकलन का करेंगे विमोचन

प्रधानमंत्री विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026 के लिए निबंध संकलन का विमोचन करेंगे, जिसमें भारत की विकासात्मक प्राथमिकताओं और दीर्घकालिक राष्ट्र निर्माण लक्ष्यों पर युवा प्रतिभागियों द्वारा लिखित चयनित निबंध शामिल हैं। विकसित भारत युवा नेता संवाद प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के उस आह्वान के अनुरूप है जिसमें 1 लाख युवाओं को बिना किसी राजनीतिक संबद्धता के राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के अपने विचारों को साकार करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की बात कही गई थी।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड में खुलेंगे समृद्धि के द्वार

500 करोड़ की लगात से बनाया जाएगा राहतगढ़, खुरई रोड

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया है। भावांतर योजना से किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम मिल रहा है और विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से किसानों को आने वाले भविष्य में सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 गायों के साथ डेयरी खोलने पर 40 लाख की योजना पर 10 लाख रुपए का अनुदान सरकार देगी।

मुख्यमंत्री शनिवार को सागर जिले के खुरई में विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा, महिला, गरीब, किसान के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। देश और प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को किसान सम्मान निधि के जरिए प्रत्येक किसान को 10 हजार रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बगिया मां के नाम योजना के माध्यम से एक एकड़ में बगिया लगाने पर सरकार के माध्यम से 2 लाख रुपए प्रदान किए जा रहे हैं।

किसान कल्याण वर्ष-2026 में कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए सरकार कर रही कार्य

मुख्यमंत्री ने खुरई विधानसभा क्षेत्र को दीं एक हजार करोड़ की सौगातें

लोकार्पण समारोह में मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

पुनरुद्धार के क्षेत्र में राज्य ने अभूतपूर्व प्रगति की है

खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि, नवाचार और सांस्कृतिक पुनरुद्धार के क्षेत्र में राज्य ने अभूतपूर्व प्रगति की है। सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विकास की मशाल जलाकर मप्र में सुशासन स्थापित कर रहे हैं। औद्योगिक क्रांति की शुरुआत करते हुए उन्होंने राज्य को एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब बनाने का जो मार्ग प्रशस्त किया।

सरकार ने 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक का लक्ष्य रखा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा है कि मप्र में खेती के साथ साथ पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मप्र में पशुपालन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गौशाला खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। खुरई में कृषि यंत्रों के निर्माण उद्योग को और आगे बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। वर्तमान में मप्र में 9 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन हो रहा है। सरकार ने इसे 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पाद को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। जिनसे से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

जोरदार उत्साह के लिए सीएम ने माना जनता का आभार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जनसमुदाय पर पुष्पवर्षा की एवं दोनों हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि पहली बार खुरई आकर प्रसन्नता हुई। जोरदार उत्साह के लिए मुख्यमंत्री ने खुरई की जनता का आभार माना। मुख्यमंत्री ने मंच से ही रिमोट से 312 करोड़ रुपए के 86 विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि बुंदेलखंड अब शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार प्रगति कर रहा है। रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव और औद्योगिक क्रांति से यह क्षेत्र समृद्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने की कई प्रमुख घोषणाएं

500 करोड़ की लगात से राहतगढ़, खुरई रोड बनाया जाएगा। 429 करोड़ की बीना नदी परियोजना के माध्यम से 90 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। इसे शीघ्र पूरा किया जाएगा। खुरई कृषि महाविद्यालय के भवन निर्माण एवं सुविधाओं के विकास के लिए 25 करोड़ दिए जाएंगे। खुरई में युवाओं को नवीन आईटीआई शुरू कर प्रशिक्षण दिया जाएगा। खुरई में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एथलेटिक ट्रैक लगाया जाएगा। मालथौन में मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। दो सांदीपनि विद्यालय खुलेंगे। रजवास में 133 केवी का विद्युत सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के खुरई आगमन पर उनका बुन्देली परंपरा के अनुसार भव्य एवं आत्मीय स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री के 6 किमी लंबे रोड शो में नगर सहित आसपास उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। नागरिकों ने अनोखे और आकर्षक तरीकों से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

लोकार्पण करते सीएम।

तय करिए किस अफसर पर चले केसः प्रियंक

भोपाल। शहर के स्लाटर हाउस में गो हत्या के मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि भोपाल में सरकारी पैसे से बने नगर निगम के स्लॉटर हाउस में गो-हत्या कर गोमांस को पैक कर के बेचने के मामले में पकड़ाए असलम चमड़ा के विरुद्ध शिकायत थी कि वो अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को भोपाल लाकर गौ कशी करवाता है। हमने पुलिस को जाँच के निर्देश दिए थे तत्पश्चात पुलिस ने असलम के बयान को सत्य मान कर हमको जो रिपोर्ट प्रेषित की थी उसके अनुसार तो नगर निगम ही इस कत्लखाने का संचालक है। तो अब तय करिए कि निगम के किस अफसर पर मुक़दमा बनना चाहिए? इसकी जड़ें गहरी हैं भोपाल के आदमपुर छावनी में मृत पशुओं के शव के निष्पादन के लिए 5 करोड़ की सरकारी लागत से बना रेंडरिंग प्लांट भी इसी असलम चमड़े के पास है। ये दोनों संयंत्र इस से वापस लेने होंगे और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की जाँच कर उन्हें भोपाल की पूज्य मातृ भूमि से बाहर खदेड़ना होगा।

लोक निर्माण विभाग अपने नाम के अनुरूप जन-जन की सेवा के संकल्प को कर रहा है साकार

ब्लैक स्पॉट अलर्ट और सड़क किनारे उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देगा लोकपथ एप 2.0

सीएम डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग अपने नाम के अनुरूप लोक अर्थात जनता और निर्माण अर्थात सृजन से राज्य के जन-जन की सेवा के संकल्प को साकार कर रहा है। लोक निर्माण विभाग में विकास कार्यों को नई ऊंचाइयां देने की क्षमता है। भगवान श्रीराम के काल में नल और नील ने समुद्र पर पुल निर्माण करने की तकनीक खोज ली थी। लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण पुष्पक विमान से अयोध्या आए थे।

भगवान विश्वकर्मा ने पुष्पक विमान बनाया, जिसमें सभी को समाहित करने की क्षमता थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को लोक निर्माण विभाग के नवाचारों, डिजिटल पहल और अभियंताओं की क्षमता निर्माण पर केंद्रित राज्य स्तरीय कार्यक्रम सह प्रशिक्षण-सत्र को रवींद्र भवन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी को विकास और कल्याण में साथ लेकर चलने के भाव की अभिव्यक्ति थी। वर्तमान में भी सभी की सुविधा और जीवन में सभी को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही निर्माण कार्य जारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकपथ एप का उन्नत संस्करण रूट प्लानिंग, ब्लैक स्पॉट अलर्ट और सड़क किनारे उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी देने में मदद करेगा।

खास बातें

- लोकपथ मोबाइल एप के उन्नत संस्करण लोकपथ 2.0 का हुआ लोकार्पण
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने रवींद्र भवन में चर्चा की अभियंताओं से

सह-प्रशिक्षण-सत्र में सीएम का उद्बोधन।

विकसित कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क 2026 का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग की ओर से अभियंताओं के प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन और आधुनिक परियोजना प्रबंधन में मार्गदर्शन के लिए विकसित कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क 2026 का विमोचन, लोकपथ मोबाइल ऐप के उन्नत संस्करण - लोकपथ 2.0 का लोकार्पण किया। यह एप सड़क रखरखाव की निगरानी, नागरिक शिकायतों के त्वरित निवारण, रूट प्लानिंग, ब्लैक स्पॉट अलर्ट, आपातकालीन एसओएस सुविधा तथा सड़क किनारे उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी जैसी सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को एक समग्र, उपयोगकर्ता-अनुकूल और आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा।

कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क में कॉन्ट्रेक्ट मैनेजमेंट भी शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग की ओर से पिछले 2 वर्षों में किए गए नवाचारों और सुधारात्मक प्रयासों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया। इसमें डिजिटल समाधान, गुणवत्ता नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण, नई निर्माण तकनीकों और आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों की झलक प्रस्तुत की गई है। कार्यक्रम में कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क, लोक पथ 2.0 एप और विभाग की गत 2 वर्ष की गतिविधियों पर केंद्रित पुस्तक पर लघु फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। मैनेजमेंट एक्सपर्ट डॉ. विक्रांत सिंह तोमर ने तकनीकी प्रशिक्षण, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, फाइनेंशियल मैनेजमेंट और कॉन्ट्रेक्ट मैनेजमेंट पर केन्द्रित कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क का प्रस्तुतिकरण दिया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग केवल सड़कें, पुल और भवनों का निर्माण करने वाला विभाग नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की गति, दिशा और विकास की रीढ़ है।

बाणगंगा क्षेत्र में गुमराह कर हो रहा सर्वेः शर्मा

भोपाल। बाणगंगा क्षेत्र में पांच से छह हजार मकान धारक करीब 50 से 60 सालों से अपने पक्के मकानों में रह रहे है। नगर निगम द्वारा गुमराह करके सर्वे कर हटाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार ने जिन बस्तियों को हटाया उन्हें आवास आवंटित नही किए। अगर लोगों को जबरदस्ती हटाया गया तो कोर्ट जाएंगे।

यह बात पूर्व विधायक पीसी शर्मा ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि रहवासियों के पास 1984 के 30-30 वर्ष के पट्टे हैं। मकान मालिकों के पास वर्ष 1974 का अलाटमेंट है और कुछ मकान धारकों के पास, लेंड लीज एवं रजिस्ट्री उपलब्ध है। भदभदा बस्ती के 400 परिवार 12 नं. बस्ती सहित अन्य कई ऐसी बस्तियां हैं जिन्हें आज तक एचएफए के तहत मकान आवंटित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि भीमनगर, वल्लभ नगर, ओम नगर बस्ती, अरेरा अरेरा हिल्स के झुग्गीयों के सर्वे हुए थे। एक साल पूर्व उनको पहले कहा गया कि वहीं अरेरा हिल्स पर मकान बनाकर देंगे, फिर कहा बाणगंगा में मकान बनाकर देगें, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 11 जनवरी 2026

7 कथा वाचक ने शिव भक्ति की महिमा का किया वर्णन...

8 45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी शुरू, गुलाब उद्यान...

3

अरवलिया गोशाला में 6 गायों की मौत पर हिंदूवादी संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अरवलिया स्थित नगर निगम की गोशाला में 6 गायों की मौत के बाद हंगामा खड़ा हो गया। हिंदूवादी संगठनों ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की। इस मामले की शिकायत थाना ईंटखेडी में दर्ज करवाई गई है। अरवलिया की गोशाला में गोवंश मृत मिलने से हिंदू संगठन मौके पर पहुंचे।

हिंदू संगठनों का कहना है कि गायें भूखी होने के कारण गोबर मिला चारा खा रही हैं। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। पदाधिकारियों ने निगम कर्मचारियों की लापरवाही से गायों की मौत होने की बात कही है।

ईंटखेडी थाने में शिकायतः क्षमता से अधिक पशुओं के कारण चारा-पानी की भारी कमी, देखभाल का अभाव और अव्यवस्थाएं, पूर्व में भी हो चुकी है शिकायत

गोशाला में पुलिस और हिंदूवादी संगठन को मृत गोवंश मिले, जिसकी शिकायत थाने में की गई।

चार गोवंश मिले गंभीर बीमार

हिंदूवादी संगठन शुक्रवार देर रात गोशाला पहुंचे थे। यहां मुख्य गेट पर ताला लगा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की मौजूदगी में नगर निगम के कुछ कर्मियों को बुलवाकर जब अंदर जाकर देखा तो 6 गोवंश मृत पाए गए। वहीं, 4 गंभीर बीमार स्थिति में थे। गोशाला प्रबंधन ने अंदर ही एक बड़ा गड्ढा खोदा था। आरोप है कि इसमें मृत गोवंश को चोरी-छिपे दफनाने की तैयारी थी। विरोध करते हुए हिंदूवादी संगठनों ने सद्बुद्धि के लिए श्री हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। तब जाकर निगम के एडीसी देर रात मौके पर पहुंचे और दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कही।

आवेदन देकर मृत गोवंश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

प्रदर्शन के दौरान प्रांत सह गोशाला संपर्क प्रमुख विनोद जोहरे समेत वीर सावरकर, नितिन साहू, राजेंद्र नामदेव, रवि कुशवाह, अभिषेक शर्मा, राकेश रायकवार, गौरव मिश्रा, अभिषेक कुशवाह, कैलाश कुशवाह आदि भी मौजूद थे। थाने में आवेदन देने के बाद मृत गोवंश के शव को पोस्टमार्टम के लिए पशु अस्पताल भिजवाया गया।

क्षमता से अधिक पशु रखे जाने का आरोप

अरवलिया की गोशाला में अधिकतम क्षमता 450 पशुओं की है, लेकिन यहां 600 से अधिक पशु रखे हैं। इसके चलते पशुओं के लिए चारा-पानी की कमी, बीमार पशुओं की उचित देखभाल का अभाव रहता है।

गोशाला में गोवंश की दयनीय स्थिति।

मीट की 200 से ज्यादा दुकानें बंद रहीं, जांच कमेटी का गठन

हिंदू संगठनों सहित कांग्रेस का विरोध तेज, जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग

स्लॉटर हाउस के बाहर पहरा, मवेशी बाजार को टीन शेड से करवाया कवर्ड

राजधानी के सुभाष नगर स्थित मेट्रो स्टेशन के पास 35 करोड़ रुपए से बना आधुनिक स्लॉटर हाउस में गोमांस मिलने की पुष्टि के बाद इसे सील कर दिया गया। यहां बीते दो दिन से पुलिस का पहरा है। हिंदू संगठनों सहित कांग्रेस में इस मामले को लेकर उग्र आंदोलन के मूड में है और इस मामले में लगातार नगर निगम को घेर रही है। हालांकि अभी जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और निगम प्रशासन रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रहा है।

मवेशी बाजार को टीन शेड से कवर्ड किया गया है।

रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई तय होगीः जैन

इस बीच शनिवार को शहरभर में 200 से ज्यादा मीट की दुकानें बंद रहीं। कारण स्लॉटर सील होना और पासिंग प्रक्रिया नहीं होना है। पूर्व पार्षद रफीक कुरैशी का कहना है कि शनिवार को मीट की दुकानें इसलिए बंद रहीं कि स्लाटर में पासिंग की प्रक्रिया नहीं हो पाई। इसके लिए जांच कमेटी का गठन किया गया है। स्लॉटर हाउस में फैक्ट्री को सील किया गया है। इधर, नगर निगम की आयुक्त संस्कृति जैन का कहना है कि अभी पुलिस इंक्वायरी चल रही है। रिपोर्ट आने के बाद के बाद ही कार्रवाई तय होगी।

खबर संक्षेप

शहर से निगम अमले ने 324 पानी के सैंपल लिए

भोपाल। इंदौर में दूषित पानी पीने से मौतों के बाद शहर में निगम ने पानी के सैंपल लेकर लगातार जांच में अमला जुटा है। अब तक निगम 2780 पानी के सैंपल की जांच कर चुका है, जिनमें से चार सैंपल फेल हुए हैं। इसके बाद सैंपल लेने की संख्या बढ़ा दी है। शनिवार को 324 स्थानों से पानी के नमूने लेकर परीक्षण किया गया। 42 स्थानों पर लीकेज सुधारे व 13 शिकायतों को किया निराकरण किया। महापौर मालती राय एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन के आदेश पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दल इस काम में जुटा है। अब तक 1180 स्थानों पर सीवेज चेम्बरों की सफाई भी कराई जा चुकी है।

पार्किंगः न्यूनतम वार्षिक ऑफसेट राशि तय की

भोपाल। नगर निगम ने शहरभर में पार्किंग के संचालन को लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन 22 प्रीमियम और सरफेस पार्किंग के लिए न्यूनतम वार्षिक आफसेट राशि तय की है उनमें न्यू मार्केट की पार्किंग सबसे महंगी है। इसकी न्यूनतम वार्षिक आफसेट राशि 52 लाख रुपए से ज्यादा है।
नगर निगम की शहर में 40 से ज्यादा पार्किंग हैं। पांच मल्टीलेवल पार्किंग और अन्य प्लेन पार्किंग हैं। अधिकांश प्लेन पार्किंग बंद हैं। दो-चार ही स्थानों पर इनका संचालन हो रहा है। अधिकांश बंद हैं। हालांकि इनका उपयोग आम लोग कर रहे हैं।

पांच-पांच हजार लीटर क्षमता की दो टंकियों से 70 घरों में होती है पानी की सप्लाई

ब्रिज विहार कॉलोनी में नगर निगम ने पानी सप्लाई बंद की, कनेक्शन काटा

रहवासी बोले- कनेक्शन क्यों काटे, पानी सप्लाई बंद कर दी, आखिर क्यों?

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पूरे क्षेत्र का भूजल दूषित और जहरीला कोर्ट के आदेश पर दो टंकियां रखी गई

निशातपुरा के बाद ब्रिज विहार कॉलोनी में नगर निगम ने शनिवार को मेन लाइन से कनेक्शन काट दिया और पानी की सप्लाई बंद कर दी। जबकि शुक्रवार को भी सुबह निगम का अमला घरों के कनेक्शन काटने पहुंचा था, लेकिन विरोध के चलते काम बंद कर दिया गया था। लोगों का कहना है कि कनेक्शन क्यों काटे और पानी सप्लाई क्यों बंद की गई इसका जवाब अधिकारियों के पास नहीं है।

हरिभूमि ने भी नगर निगम के अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ शर्मा व जल कार्य विभाग के सहायक यंत्री अजय सिंह सोलंकी से पानी सप्लाई बंद करने का कारण जानने मोबाइल पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल अटैंड नहीं हुआ। ब्रिज विहार कॉलोनी निवासी मयंक ने बताया कि कॉलोनी गैस पीड़ित बस्ती है। इस पूरे क्षेत्र का भू-जल दूषित है और जहरीला है। इसके कारण सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कॉलोनी में दो टंकियां रखी गई हैं। जिनके माध्यम से 70 घरों में पानी सप्लाई होता है। इसके लिए आधा इंच के कनेक्शन दिए गए हैं। शनिवार को निगम के अमले ने मेन लाइन बंद कर दी और यहां रखी पानी की टंकियों में पानी तक नहीं भरा। दिनभर यहां के रहवासी पानी के लिए तरसते रहे।

विरोध करते ब्रिज विहार कॉलोनी के रहवासी।

42 गैस प्रभावित बस्तियों में शामिल है यह कॉलोनी

ब्रिज विहार कॉलोनी उन 42 मोहल्लों में से एक है जहां यूनियन कार्बाइड के जहर की वजह से भूजल प्रदूषित है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निगरानी समिति के माध्ययम से जो टंकिया रखी गई थीं उनमें भी पानी नहीं भरा जा रहा है। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा का कहना है कि नगर निगम अकारण ही पानी सप्लाई रोक रहा है। ऐसे में क्या यहां रहने वाले दूषित पानी पिएंगे।

10 नंबर क्षेत्र में अमले ने पहुंचकर की मरम्मत, जल प्रदाय रोका

नर्मदा लाइन के वाल्व में लीकेज, 20 फीट उठा फव्वारा, सड़क बनी तालाब

शहर के 10 नंबर क्षेत्र में शनिवार को सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे अचानक नर्मदा जल के लिए वाल्व में लीकेज से हड़कंप मच गया। पानी का प्रेशर इतना तेज था कि 20 फीट तक फव्वारे के रूप में नजर आ रहा था। इस दौरान न सिर्फ सड़क पर जलभराव हुआ, बल्कि जाम के हालात भी बन गए। जिस वक्त वाल्व में लीकेज हुआ, वहां से गुजर रहे लोग फव्वारे को देखने के लिए रूक गए। मौके पर पहुंच जल कार्य के अमले ने जल प्रदाय बंद कर खराबी को दूर किया। करीब आधे घंटे बाद जल प्रदाय व्यवस्था सुचारू हो गई।

लाखों लीटर पानी बहा

लीकेज से लाखों लीटर पानी बह गया। सड़क और चौराहे पर जलभराव हुआ। शनिवार को सुबह भी पानी सप्लाई हो रहा था। तभी फ्रेक्चर अस्पताल के पास वाल्व में लीकेज हो गया और पानी का फव्वारा फूट पड़ा।

कृषि कल्याण वर्ष के कार्यक्रमों के चलते आज बदली रहेगी शहर की यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रविवार को दोपहर 10 बजे से शाम 4 बजे तक झीलों की नगरी भोपाल में दो बड़े कार्यक्रम किए जाएंगे। कृषि कल्याण वर्ष के शुभारंभ पर दोनों कार्यक्रमों में सीएम डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। पहला कार्यक्रम आरटीओ कार्यालय तिराहा, कोकता बायपास पर होगा। भोपाल से 601, विदिशा से 250 और रायसेन से 250 ट्रैक्टर रैली में शामिल होंगे। इसके चलते रविवार को कई सड़कें डायवर्ट रहेंगी।

भोपाल (मिसरोद-सलैया क्षेत्र): 11 मील बायपास रोड, खजूरी कला, पटेल नगर चौराहा, प्रेस्टीज कॉलेज के सामने लाइन अप।

भोपाल (फंदा ब्लॉक-बैरासिया रोड): खजूरी सड़क, मोबारकपुर बायपास, लांबाखेड़ा बायपास चौराहा , चोपड़ा कलां बायपास चौराहा, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के सामने लाइन अप। रायसेन और विदिशा से आने वाले ट्रैक्टर संबंधित मार्गों से प्रेस्टीज कॉलेज के सामने लाइन अप करेंगे।

दूसरा कार्यक्रमः कृषि कल्याण वर्ष का शुभारंभः आशिमा मॉल , बागसेवनिया चौराहा, आरआरएल तिराहा, एम्स रोड, बरखेड़ा पठानी, सेंट जेवियर स्कूल के पीछे पार्किंग। भोपाल (फंदा ब्लॉक-बैरासिया रोड) और सिहोर, विदिशा, राजगढ़, रायसेन, नर्मदापुरम क्षेत्रः विभिन्न निर्धारित मार्गों से होकर जम्बूरी मैदान पहुंचेंगे।

यातायात और ऑप्शनल मार्ग

- *बोर्ड ऑफिस, गोविन्दपुरा टर्निंग, अन्नानगर, सद्भावना चौराहा, महात्मा गांधी चौराहा, सेंट जेवियर स्कूल, अवधपुरी तिराहा तक मार्ग पर अत्यधिक यातायात रहेगा।*
- *पटेल नगर बायपास, आनंद नगर, रत्नागिरी तिराहा, पिपलानी पेट्रोल पंप तक मार्ग पर भी भारी दबाव रहेगा।*
- *परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए पिपलानी चौराहा से पटेल नगर चौराहा तक विशेष मार्ग व्यवस्था है।*
- *भारी वाहनों के लिए भोपाल-बायपास (खजूरी सड़क से 11 मील तक) पर डायवर्जन लागू होगा।*

जम्बूरी मैदान अन्य वाहन पार्किंग

जन सामान्य (जीप/कार/दो पहिया वाहन): *गोविन्दपुरा टर्निंग, महात्मा गांधी चौराहा, सेंट जेवियर स्कूल के सामने।*

वीआईपी वाहनः *गोविन्दपुरा टर्निंग, महात्मा गांधी चौराहा, अयप्पा मंदिर, गैस गोदाम, सेंट जेवियर स्कूल के सामने।*

मीडिया वाहनः *गोविन्दपुरा टर्निंग, महात्मा गांधी चौराहा, जम्बूरी मैदान पानी की टंकी के पास।*

विवाद के बाद वापस लौटी तहसील की टीम

ऑल सेंट कॉलेज के गेट पर तहसीलदार को रोका, सरकारी जमीन पर कब्जे पर विवाद

कॉलेज प्रबंधन और सरकारी अधिकारी चर्चा करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एयरपोर्ट रोड स्थित ऑल सेंट कॉलेज प्रबंधन द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर शनिवार को विवाद हो गया। बैरागढ़ तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह के साथ नायब तहसीलदार, आरआई, पटवारी और पुलिस के साथ सरकारी जमीन की जांच करने पहुंचे, तो प्रबंधन ने उन्हें गेट पर ही रोक दिया। जिसके बाद प्रबंधन ने आपत्ति जताते हुए नोटिस देकर सीमांकन करने की बात कही।

प्रबंधन ने कहा कि पिछले चालीस सालों से कॉलेज इसी 21 एकड़ परिसर में संचालित किया जा रहा है। तहसीलदार की टीम को देखकर प्रबंधन ने कहा कि बिना पूर्व अनुमति कॉलेज कैंपस में प्रवेश नहीं किया जा सकता। इस पर अफसरों ने कहा कि वे सरकारी जमीन से जुड़ी शिकायत की जांच के लिए आए हैं। शिकायत में दावा किया गया है कि कॉलेज कैंपस के भीतर 8 एकड़ से अधिक सरकारी जमीन पर कब्जा किया गया है।

करीब एक घंटे चली नोंकझोंक के बाद अफसर जमीन का मुआयना कर वापस लौट गए। मालूम हो कि पुरविया सामाजिक सोसाइटी के रामबख्श ने सरकारी जमीन कब्जा करने की शिकायत की थी।

प्रबंधन ने कहा कि इतने वर्षों बाद अचानक सरकारी जमीन कहां से निकल आई। इस पर तहसीलदार ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन को आपत्ति है तो वह अपने दस्तावेज जांच टीम के सामने पेश करे। करीब एक घंटे तक चली नोकझोंक के बाद प्रशासनिक टीम ने सरकारी दस्तावेजों के आधार पर जमीन का मौका मुआयना किया।

सरकारी जमीन जांचने के लिए होगा सीमांकन

शनिवार को जिला प्रशासन के 10 से ज्यादा अफसरों की टीम जमीन का मुआयना करने पहुंची थी। तहसीलदार ने बताया कि सरकारी जमीन की जांच के लिए सीमांकन कराया जाएगा। जिसके बाद प्रबंधन को भी अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। ऑल सेंट कॉलेज प्रबंधन के वकील राजकुमार शर्मा का कहना है कि बिना नोटिस दिए टीम यहां पर आई थी। लोग उनको पहचानते नहीं थे। इसलिए गेट पर रोक दिया था।

दो दिवसीय मप्र स्टार्टअप समिट-2026 आज से

भोपाल। मप्र स्टार्टअप समिट 2026 का आयोजन 11 एवं 12 जनवरी को रवींद्र भवन में होगा। यह दो दिवसीय स्टार्टअप समिट शिखर सम्मेलन देशभर के स्टार्टअप्स, निवेशकों, इनक्यूबेटर्स, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं, एफपीओ, एमएसएमई एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े साझेदारों को एक साझा मंच पर लाएगा।

बीएलओ एप में दोबारा खुला मैपिंग का ऑप्शन, नो मैपिंग वोटर्स को आसानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) के तहत नो मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई का काम जारी है। जिसके तहत तहसील और वार्ड दफ्तरों में ईआरओ एक लाख 16 हजार 925 मतदाताओं की सुनवाई कर रहे हैं। जिले की बैरसिया, उत्तर, नरेला, मध्य, दक्षिण पश्चिम, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा के आठ हजार 120 मतदाताओं ने सुनवाई में पहुंचकर दस्तावेज पेश कर दिए है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने कहा कि चुनाव आयोग ने बीएलओ एप में दोबारा से मैपिंग का ऑप्शन ओपन कर दिया है। ऐसे में अगर किसी मतदाता का खुद का या माता-पिता का वर्ष-2003 की वोटर में नाम मिल जाता है, तो बीएलओ उसे डायरेक्ट लिंक कर देगा। जिससे मतदाता को सुनवाई के लिए नहीं जाना पड़ेगा।

नरेला में बूथ पर मौजूद अधिकारी।

बाहर चली गई थी, नाम नो मैपिंग में डाला

दक्षिण-पश्चिम विस के शास्त्री नगर सामुदायिक भवन में नया बसेरा की रहने वाली महिला मतदाता सुनीता यादव ने बताया कि उनके पिता प्रयागराज में रहते हैं। एसआइआर दौरान वह बाहर चली गईं थी तो उनका नाम नो मैपिंग श्रेणी में डाल दिया गया।

जीआईएस मैप आधारित एप से होगी जल शोधन यंत्र और पेयजल टंकियों की निगरानी

दो चरणों में 31 मई तक निरंतर चलेगा अभियान

प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने मुख्यमंत्री ने किया स्वच्छ जल अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ जल पेयजल उपलब्ध करवाना नगरीय निकायों का दायित्व है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में स्वच्छ जलप्रदाय सुनिश्चित किया जाए। पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच हो, दूषित होने पर वैकल्पिक व्यवस्था करें। किसी भी स्थिति में दूषित पेयजल सप्लाई न हो। स्वच्छ पेयजल प्रदाय के कार्य में ढिलाई बरते जाने पर जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की शाम सागर जिले के प्रवास से लौटने के बाद राज्य विमानतल के सभा कक्ष में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रांतव्यापी स्वच्छ जल अभियान का शुभारंभ किया।

स्वच्छ पेयजल प्रदाय के कार्य में ढिलाई बरते जाने पर की जाएगी कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने वीसी से प्रदेश के स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों को दिए निर्देश

राज्य विमानतल के सभा कक्ष में बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते सीएम डॉ. मोहन।

शुद्ध पेयजल के लिए बेहतर प्रबंधन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में स्वच्छ जल अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। प्रथम चरण 10 जनवरी से 28 फरवरी और द्वितीय चरण एक मार्च से 31 मार्च के मध्य संचालित होगा। आम नागरिकों की पेयजल समस्या के लिए जल सुनवाई रखी गई है। अधिकारी जल सुनवाई को गंभीरता से लें। जीआईएस मैप आधारित एप से जल शोधन यंत्र और पेयजल टंकियों की निगरानी की जाएगी।

पेज एक का शेष....

1101 ट्रैक्टरों की...

शहरों में किसानों से जुड़े कार्यक्रम किए जाएंगे। इसके तहत जनवरी में कृषि कौशल सम्मेलन नर्मदापुरम में होगा, जबकि नवंबर में नरसिंहपुर में गन्ना महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सरकार ने किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए तीन साल का रोडमैप तैयार किया है। जिससे किसानों का फायदा होगा।
रविवार को दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 सौ एक टैक्टरों की रैली को कोकता आरटीओ दफ्तर से हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे जंबूरी मैदान पर किसानों से जुड़े कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाएगा। कार्यक्रम में तीस हजार से अधिक किसानों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम के लिए करीब सौ से ज्यादा अफसरों को तैनात किया गया है। जबकि ट्रैफिक का इंतजाम देखने के लिए करीब सौ जवान तैनात रहेंगे। इसके साथ पुलिस जवानों को भी लगाया गया है। रैली की शुरुआत कोकता आरटीओ दफ्तर से होगी, जो मिसरोद, सलैया, फंदा ब्लॉक, बैरसिया रोड, रातीबड़, नीलबड़ से गुजरेगी। इसके बाद जंबूरी मैदान पर कार्यक्रम का आयोजन होगा।
ब्राजील-इजराइल ट्रेनिंग लेने जाएंगे किसानः -किसानों की क्षमता बढ़ाने के लिए राज्य और संभाग स्तर पर ट्रेनिंग और एक्सपोजर विजिट कराई जाएंगी। सरकार किसानों को देश के उन्नत कृषि राज्यों के साथ-साथ इजराइल और ब्राजील जैसे देशों में आधुनिक खेती, पशुपालन और तकनीकी नवाचार देखने भेजेगी, जिससे किसान लौटकर यहां पर भी उन्नत खेती कर सकेंगे। खेती की लागत घटाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। माइक्रो इरिगेशन सिस्टम को प्रोत्साहित कर पानी की बचत के साथ उपज बढ़ाने की योजना है। किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने के लिए एग्री स्टेक और डिजिटल कृषि को जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा।

कब कहां होंगे ...

उत्पादन सम्मेलन, इंदौर में पशुपालन कार्यक्रम, अप्रैल में जबलपुर में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग समागम, मई में सिवनी में धान महोत्सव, इंदौर-जबलपुर में पोल्ट्री उद्योग सम्मेलन, जून में भोपाल में आम महोत्सव, सागर में सोया महोत्सव, ब्राजील भ्रमण सहित अन्य कार्यक्रमों को तैयार किया है।

सीता रसोई के ....

से पूछताछ कर रही हैं। आरोपी के कब्ज़े से कुछ ड्राई फ्रूट्स और 2700 रु. मिले हैं। आरोपी के पास से एक डायरी में कुछ फ़ोन नंबर मिले हैं।
आईबी की स्पेशल टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। कश्मीर पुलिस से भी जानकारी मांगी गयी है। आरोपी कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है और उसका नाम अहमद शेख (55) है। आरोपी क्यों आया था, उसका क्या इरादा था। अभी इसका खुलासा नहीं हुआ है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि युवक से पूछताछ की जा रही है। साथ ही वह कहां से और कैसे राम मंदिर में पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है।

ट्रंप भारत को ....

लगभग सभी देशों को वेनेजुएला का तेल बेचने के लिए तैयार होगा। राइट ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला से तेल निकालने की फिर से अनुमति दे रहा है, लेकिन केवल सख्त नियमों के तहत ही ऐसा होगा।

भारत भारी मात्रा ...

में बोलते हुए राइट ने कहा कि अमेरिका वर्तमान में वेनेजुएला के 30 से 50 मिलियन बैरल तेल को बेचने की योजना बना रहा है, जिसके बाद भविष्य के प्रोडक्शन की लगातार बिक्री होगी।

ट्रंप ने बड़ी ...

ने इस कदम को आर्थिक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला बहुत सफल होने जा रहा है। उन्होंने देश के तेल क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि हम वह वापस ले रहे हैं जो हमसे छीन लिया गया था।

हिंदुओं पर ताबड़तोड़...

पिछले महीने की 18 दिसंबर को मयमनसिंह में एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास की ईशनिंदा के आरोपों पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। बाद में उनके शव को एक पेड़ से बांधकर जला दिया गया था। मानवाधिकार समूहों और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों ने हिंदू लोगों की बार-बार हो रही हत्याओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि गिरफ्तारी में देरी और स्थानीय अधिकारियों की कमजोर कार्रवाई अपराधियों को बढ़ावा दे रही है और कमजोर समुदायों में भय बढ़ा रही है।

खनन कारोबारी ये ...

कहा। ड्राइवर ने खनन कारोबारी और वाहन मालिक रोहित जैन को मौके पर बुला लिया। इस दौरान रोहित जैन ने तहसीलदार को धमकाते हुए अपने ड्राइवर से कहा- डंपर चढ़ा दो, जो होगा देखा जाएगा। सूचना मिलते ही बरगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों डंपरों को जब्त कर लिया। तहसीलदार की शिकायत पर पुलिस ने रोहित जैन के खिलाफ मामला दर्ज कर किया।
आरोपी रोहित जैन को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। तहसीलदार रवींद्र पटेल की शिकायत पर रोहित जैन और उसके अन्य साथियों के खिलाफ धारा 126(2), 296(2),351(2), 132,221 के तहत मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

30 सेकंड में ....

कस्बे में शाम साप्ताहिक हाट और मेले की भीड़ का फायदा उठाकर 7 बेखौफ बदमाशों ने सराफा व्यापारी राकेश सोनी पर उस समय हमला कर दिया, जब वे दुकान बंद कर, बैग में सोने-चांदी का सामान रखकर घर जा रहे थे। बदमाशों के अचानक हुए हमले में वे संभल नहीं पाए। बैग में करीब 80 किलो चांदी और 900 ग्राम सोने के जेवर बताए जा रहे हैं।
सीसीटीवी में कैद घटना के अनुसार यह वारदात सोलंकी मार्केट स्थित कृष्णा ज्वेलर्स की है। लुटेरे पकड़े नहीं जा सके हैं।

6 जिलों में 5....

राजगढ़ 4.4, कल्याणुर (शहडोल), दतिया 4.6 और नौगांव में न्यूनतम पारा 5 डिग्री रहा है। इन जिलों में रात में तेज सर्दी रही, जबकि दिन के तापमान में बढ़ोतरी रही है। प्रदेशभर में कोहरे में तेजी से कमी आई। मौसम केंद्र के अनुसार प्रदेशभर में कोहरे में कमी आई।
सुबह 8:30 बजे विजिबिलिटी 1000 मीटर से अधिक रही है। आज भी मौसम ऐसा ही रहेगा। कुछ जिलों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं।

ट्रक अनियंत्रित हुआ....

करीब दो किलोमीटर तक की ढलान है। ढलान से एक तेज रफ्तार ट्रक गुजर रहा था, जो अनकंट्रोल हो गया और आगे चल रहे आयशर वाहन में जा घुसा। आयशर को टक्कर लगी तो वह आगे कार से भिड़ गया। फिर एक कार और पिकअप में टक्कर हो गई। मानपुर थाना प्रभारी लोकेंद्र हीहोर ने बताया कि वाहनों में टक्कर हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

कल होगा 'विकसित ...

क्षेत्रों पर युवाओं के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण और व्यावहारिक विचार साझा किए जाएंगे। स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री भारत मंडपम में आयोजित होने वाले विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026 के समापन सत्र में भाग लेंगे। 9 से 12 जनवरी तक आयोजित इस संवाद में देश भर के 5 लाख से अधिक युवाओं ने विभिन्न स्तरों पर भाग लिया है।
राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवा नेताओं का चयन एक कठोर, योग्यता-आधारित तीन-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है, जिसमें एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल प्रश्नोत्तरी, एक निबंध प्रतियोगिता और राज्य स्तरीय विजन प्रस्तुतियां शामिल हैं।

आरएसएस प्रमुख डॉ. भागवत की वृंदावन में दो टूक

हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा भारत, इसे कोई नहीं रोक सकता

हिंदुओं की एकता पर जोर दिया

भागवत में हिंदुओं की एकता पर जोर देते हुए कहा कि आरएसएस का कुटुंभ प्रबोधन यही हैं। हमने बलिदान देकर धर्म को बचा कर रखा है। आज दुनिया में सनातन का डंका बज रहा है। हम संघ कार्य में भक्ति से राष्ट्र सेवा करते हैं। शक्ति जागरण का कार्य हमको करना है भक्ति कार्य करने वाले संत हैं, इसलिए मैं ऐसे आयोजन में जाता हूं।

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ वृंदावन

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मथुरा के वृंदावन में के एक समारोह में दो टूक कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा और इसे कोई रोक नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले 20-30 वर्षों में भारत विश्वगुरु बनकर सुख-शांति भरा जीवन देने वाला राष्ट्र बनेगा। वृंदावन की सुदामा कुटी आश्रम के शताब्दी महोत्सव में भाग लेने पहुंचे मोहन भागवत ने सुदामा कुटी के महंत सुदीक्षक दास महाराज मनी ऋषि साध्वी ऋतंभरा मलूक पीठ राजेंद्र दास महाराज और अन्य संतों के सानिध्य में कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। उन्होने भक्ति को ही शक्ति बताया और कहा कि पश्चिम खुद को सृष्टि का स्वामी समझता है, जबकि हम सृष्टि के स्वामी नहीं हम सृष्टि के अंग हैं। उन्होने कहा कि हम भारत में रहने वाले सभी लोगों को हिंदू समझते हैं, लेकिन बाहरी लोग हमें अलग-अलग जातियों में देखते हैं। हमें एक होना होगा सभी हिंदू एक हो सभी के साथ बैठे हैं उठे खाएं बातचीत करें।

हिंदुओं को एक होने का दिया संदेश

भागवत ने साफ शब्दों में संदेश दिया कि अगर हिंदू एक रहेगा तो आने वाले 20 से 30 सालों में भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। मंच पर पीपा पीठाधीश्वर बलराम दास, कमल नयन दास महाराज, साध्वी ऋत्मभरा, ज्ञानानंद महाराज, गौरी शंकर दास महाराज, कुमार स्वामी, राजेंद्र दास महाराज, भूरी वाले बाबा, सुदर्शन दास महाराज, मनोज मोहन शास्त्री, विहिप के बड़े दिनेश जी भी मौजूद रहे।

हिंदू खड़े हो गए तो दुनिया में हमारे सामने कोई शक्ति नहीं टिक सकती

उन्होंने कहा कि हम खड़े हो गए तो दुनिया में हमारे सामने कोई शक्ति नहीं है जो टिक सके। संकट आते हैं धैर्य से सामना करने वालों के सामने नहीं टिकते। इस परिस्थिति को हमने पहले भी देखा है। जैसे हम सनातनी धार्मिक हिंदू एक होते जाएंगे। ये शक्तियां टूटती जाएंगी। हमें शक्ति के आधार पर चलना है, ऐसे आयोजनों में जाना संतों के उपदेश को पाना ऐसे सबको जोड़ने चलें।

नाम एवं जन्म तिथि संशोधन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं (Syed Mohammed Farhan Azam) आत्मज श्री सैयद मोहम्मद सलमान, आयु वयस्क निवासी-मकान नं. 07, पायगा स्ट्रीट बुधवारा, कोतवाली, भोपाल जिला-भोपाल (म.प्र.) यह कि मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम Syed Mohammed Farhan था, एवं जन्मतिथि 11/3/1974 अंकित थी जो कि गलत है। अतः मेरा सही नाम Syed Mohammed Farhan Azam है तथा जन्म तिथि 11/04/1974 है जोकि सही। अतः भविष्य में मुझे Syed Mohammed Farhan Azam के नाम से जाना-पहचाना एवं पढ़ा जावें।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम, भोपाल द्वारा नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के अंतर्गत पारित नामांतरण आदेश दिनांक 23-03-2025 के अनुसार रूही जैन, पिता/पति का नाम श्री प्रकाश चन्द्र जैन के नाम से संबंधित भवन/प्लॉट क्रमांक 241, S 03, 241, C इंद्रपुरी, खाता क्रमांक R-08012500025391, वार्ड क्रमांक 67, सोनागिरी, नियर जुबली गेट, भोपाल स्थित संपत्ति का नामांतरण नगर पालिक निगम, भोपाल के अभिलेखों में कर दिया गया है। यदि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को स्वामित्व, हिस्सेदारी, ऋण, बंधक, विवाद अथवा किसी प्रकार की आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर अपने समस्त वैध दस्तावेजों सहित नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में संपर्क कर सकता है। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह माना जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तथा भविष्य में कोई दावा मान्य नहीं होगा।

विकाश तिवारी एडवोकेट
म. नं. 04, बी-5, यूनि होम्स, कोलार रोड, भोपाल, म.प्र. मो.8109770096

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रा.नि.मं. 03 बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार जिला भोपाल म.प्र.

प्रकरण क्रमांक 0107/अ-6-अ/2013-14
ग्राम का नाम बैरागढ़ चीचली
प.ह.नं. 14, तहसील कोलार, जिला भोपाल
सूचना पत्र :-

प्रति,
01. श्रीमति निरूपम सिंह पत्नि श्री आर. बी. सिंह एवं अन्य सहखातेदार ग्राम-बैरागढ़ चीचली।, 02. श्री मन्नू लाल आ. श्री भगवानदास खातेदार निवासी ग्राम-बैरागढ़ चीचली भोपाल। ,03. श्री राजेश व्यास आ. श्री कस्तूचंद व्यास खातेदार ग्राम बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार।, 04. श्रीमती कृष्णा पाटीदार पुत्री श्री कैलाश नारायण नि. ग्राम बैरागढ़ चीचली कोलार भोपाल।, 05. श्रीमती शशि शर्मा पत्नि श्री एस एस शर्मा खातेदारग्राम बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार।, 06. मेसर्स स्वामी नारायण एसोसियस भोपाल द्वारा श्री चन्द्रशेखर चक्रवर्ती निवासी भोपाल।, 07. अरिंजय इफ्रां द्वारा प्रो श्री अजय त्रिपाठी आ. गणेश त्रिपाठी खातेदार निवासी भोपाल।, 08. डॉ. जी. एस. राजपूत आ. श्री सुदामा सिंह राजपूत ग्राम बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार।, 09. श्रीमती शारदा गर्ग अग्रवाल पत्नि श्री प्रेमप्रकाश अग्रवाल ग्राम बैरागढ़ चीचली कोलार।, 10. श्रीमती पार्वती बाई बेवा मूलचंद व सहखातेदार ग्राम बैरागढ़ चीचली कोलार भोपाल।, 11. मंजीत कौर मल्होत्रा एच यू एफ पत्नि श्री मनमोहन सिंह ग्राम बैरागढ़ चीचली कोलार।, 12. श्रीमति कुवंर बाई बेवा श्री भागचंद, यशवंत सिहं पिता भागचंद व सहखातेदार भोपाल।, 13. श्री उषा प्रभाकर कडक पत्नि श्री प्रभाकर कडक एवं श्रीमती पुष्पलता पत्नि डी. के. चौकसे खातेदार निवासी ग्राम बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार जिला भोपाल।, 14. आनंद एसोसियट द्वारा पार्टनर अंकित मंडलोई आ. श्री राजेन्द्र कुमार मंडलोई अन्य सहखातेदार ग्राम बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार जिला भोपाल।, 15. श्री अमरीक सिंह पिता श्री सुजान सिंह एवं श्री शरवन सिंह, नारायण सिंह ना. बा. पिता श्री अमरीक सिंह एवं श्री कैलाश पिता श्री हेमराज पता ग्राम बैरागढ़ चीचली कोलार।, 16. श्रीमती नीलम चौरसिया पत्नि श्री हरीओम चौरसिया नि.ग्राम बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार।, 17. श्री हरिराज सिंह यादव, कुसुम, रूकमणी कृष्णा यादव पुष्पा अन्य पिता श्री मोतिलाल यादव समस्त खातेदार ग्राम-बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार जिला भोपाल।, 18. श्री विकास शर्मा आ. श्री शशिशंकर शर्मा खातेदार ग्राम-बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार भोपाल।, 19. सर्व साधारण एवं अन्य खसरा क्रमांक 418, 449 से 453, 465 से 475, 483 से 488 तक के सभी, हितबद्ध भू-स्वामी / हितबद्ध पक्षकार, उपरोक्त ग्राम-बैरागढ़ चीचली स्थित भूमि खसरा क्रमांक के सभी भूमिस्वामीयों को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम बैरागढ़ चीचली के राजस्व प्रकरण 107/अ-6-अ/2013-14 के अभिलेख सुधार हेतु मौका जाँच किया जाना हैं। अतः सभी भूमिस्वामीयों को दिनांक 19/01/2026 को समय प्रातः 11.30 बजे उपरोक्त लिखित खसरे की भूमि पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

राजस्व निरीक्षक तहसील कोलार, भोपाल म.प्र

जाहिर सूचना

संपति/प्लॉट खसरा क्रमांक-342/2 जो की स्थित ग्राम बवाडिया कलां, तहसील कोलार, भोपाल, विकास खण्ड-फन्दा, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.) के संबंध में जाहिर सूचना सूचित हो।

मेरे द्वारा मेरे पक्षकार कैलाश पाटीदार आ. श्री मांगीलाल पाटीदार आयु वयस्क निवासी-373, जगजीवन राम नगर पटनीपुर, इंदौर हाल निवासी भोपाल (म.प्र.) की ओर से अधिकृत एवं निर्देशित होकर सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार द्वारा खसरा क्रमांक-342/2 कुल रकबा 0.028 हेक्टेयर जो की स्थित ग्राम बवाडिया कलां, तहसील कोलार, भोपाल, विकास खण्ड-फन्दा, तहसील-कोलार, जिला-भोपाल (म.प्र.) मेरे पक्षकार के पिताजी श्री मांगीलाल पाटीदार आ. श्री बालमुकुंद पाटीदार के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है यह की विषयान्तर्गत संपति/प्लॉट मेरे पक्षकार कि पेतृक संपति है जिस पर मेरे पक्षकार का भी अधिकार एवं उक्त वर्णित भूमि पर पारिवारिक विवाद चल रहा है। यह जानते हुए भी उपरोक्त संपत्ति का सहमति बिना मेरे पक्षकार के पिताजी द्वारा उक्त वर्णित संपति का विक्रय अनुबंध निष्पादित कर लिया गया है सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति फर्म या बैंक संस्था का उक्त भूमि को क्रय ना करें यदि बिना सहमति के क्रय करते है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी क्रेता की होगी एवं विक्रय पत्र शुन्य माना जावेंगा सूचित हो।

भवदीय **धीरज पाटीदार** अधिवक्ता
दुकान नंबर 2 दोराहा जोड़
एन.एच.46 सीहोर
मो. 8359084636,9691962813

आम सूचना

एक किता भूखण्ड क्रमांक 29, खसरा नम्बर 221/2/1 एवं 221/2/2 का अंश भाग है, स्थित नटराज गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित वार्ड क्रमांक 84 ग्राम रतनपुर सडक, तहसील हुजूर जिला भोपाल

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्रीमती पुष्पा मिश्रा पत्नी श्री प्रो. आर.पी. मिश्रा के स्वत्व, स्वामित्व एंव अधिपत्य का एक किता भूखण्ड क्रमांक 29, खसरा नम्बर 221/2/1 एवं 221/2/2 का अंश भाग है, स्थित नटराज गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित वार्ड क्रमांक 84 ग्राम रतनपुर सडक, तहसील हुजूर जिला भोपाल को क्रय करने की बयाना राशि अदा कर दी गई है उक्त विक्रय बाबत किसी व्यक्ति या परिवारीक सदस्य, संस्था, बैक, सोसायटी, निगम, शासकीय या अर्द्धशासकीय संस्था एंव निकाय को किसी भी तरह की आपत्ति, दावा, वाद आदि हो अथवा किसी भी प्रकार का लेना देना हो या उक्त सम्पत्ति बंधक, दान, गिरवी, अनुबंध, वसीयत, हिबा, हस्तांतरण आदि हो या किसी प्रकार की कोई कानूनन आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय मे लिखित रूप से दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति का सौदा पूर्ण कर रजिस्ट्री अपने पक्ष में करने के लिये स्वतंत्र होगें, समयावधि के उपरान्त कोई भी आपत्ति, दावा, वाद आदि मान्य नही होगी।

भवदीय **देवेन्द्र सिह परिहार** एडवोकेट
पता-ए-87, शाहपुरा कालोनी भोपाल
मो. नम्बर 9171556331,8120790333
9893204081

आम सूचना

एक किता फ्लेट क्रमांक एफ-01 (2बी.एच.के) भूखण्ड क्रमांक 49, खसरा नम्बर 221/2/1 एवं 221/2/2 का अंश भाग है, स्थित प्रथम तल, सेक्टर ए, वंश टॉवर, नटराज गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित वार्ड क्रमांक 84 ग्राम रतनपुर सडक, तहसील हुजूर जिला भोपाल

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्रीमती अंजली गुप्ता पत्नी श्री दुर्गेश गुप्ता एवं श्री दुर्गेश गुप्ता पुत्र श्री श्रीराम गुप्ता के स्वत्व, स्वामित्व एव अधिपत्य का एक किता फ्लेट क्रमांक एफ-01 (2बी.एच. के) भूखण्ड क्रमांक 49, खसरा नम्बर 221/2/1 एवं 221/2/2 का अंश भाग है, स्थित प्रथम तल, सेक्टर ए, वंश टॉवर, नटराज गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित वार्ड क्रमांक 84 ग्राम रतनपुर सडक, तहसील हुजूर जिला भोपाल को क्रय करने की बयाना राशि अदा कर दी गई है उक्त विक्रय बाबत किसी व्यक्ति या परिवारीक सदस्य, संस्था, बैक, सोसायटी, निगम, शासकीय या अर्द्धशासकीय संस्था एंव निकाय को किसी भी तरह की आपत्ति, दावा, वाद आदि हो अथवा किसी भी प्रकार का लेना देना हो या उक्त सम्पत्ति बंधक, दान, गिरवी, अनुबंध, वसीयत, हिबा, हस्तांतरण आदि हो या किसी प्रकार की कोई कानूनन आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय मे लिखित रूप से दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति का सौदा पूर्ण कर रजिस्ट्री अपने पक्ष मे करने के लिये स्वतंत्र होगें, समयावधि के उपरान्त कोई भी आपत्ति, दावा, वाद आदि मान्य नही होगी।

भवदीय **देवेन्द्र सिह परिहार** एडवोकेट
पता-ए-87, शाहपुरा कालोनी भोपाल
मो. नम्बर 9171556331,8120790333
9893204081

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
R- 04/12/25 to 17/01/26

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू

हरिभूमि भोपाल बाजार
समाचार ही नहीं, विचार भी
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्प्लेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यकता

एयरपोर्ट हेतु पक्की परमानेंट नौकरी बिना इंटरव्यू आठवीं पास_ ग्रेजुएट लड़के _ लड़कियां(22500_68500) महीना लोडर, चैकर, सुपरवाइजर, रहना -खाना, फंड -बोनस।-9953158238.
RAI- 08,09,10, 12/01/2026

CHANGE OF NAME

I, No. 15452741M-RANK-NK/LAB Name ROKADE SHARAD PANDIT S/o ROKADE PANDIT TRYAMBAK presently serving with MH, BHOPAL, my Army Service Record my father's name is mentioned as ROKADE PANDIT TRIMBAK According to Aadhar card & other record my father's name is mentioned as ROKADE PANDIT TRYMBAK which is correct & true. So these both names ROKADE PANDIT TRIMBAK and ROKADE PANDIT TRYMBAK is not two person it is the same person.AFFIDAVIT 29AA 377129

CHANGE OF NAME

I, No. 15452741M-RANK-NK/LAB Name - ROKADE SHARAD PANDIT So ROKADE PANDIT TRYAMBAK presently serving with MH, BHOPAL, my Army Service Record my mother's name is mentioned as LATA According to Aadhar card & other record my mother's name is mentioned as ROKADE LATABAI PANDIT which is correct & true. So these both names LATA and ROKADE LATABAI PANDIT is not two person it is the same person.AFFIDAVIT 29AA 377128

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 6105

बाएँ से दाएँ
1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे
1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली- 6104 का हल

सूडोकु नवताल- 6115

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6114 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

सिबिल स्कोर अच्छा होने के बावजूद क्रेडिट कार्ड क्यों हो जाता है रिजेक्ट

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुका है। लोग ऑनलाइन शॉपिंग, बिल पेमेंट, ट्रैवल और कैशलेस ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड का सहारा लेते हैं। आम धारणा यह है कि अगर आपका सिबिल स्कोर अच्छा है तो बैंक आसानी से आपका क्रेडिट कार्ड अप्रूव कर देगा, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हमेशा जरूरी नहीं है। कई बार सिबिल स्कोर मजबूत होने के बावजूद भी बैंक क्रेडिट कार्ड रिजेक्ट कर देते हैं।

कार्ड की कैटेगरी और इनकम का मेल जरूरी

जानकारों का कहना है कि क्रेडिट कार्ड रिजेक्शन का सबसे बड़ा कारण कार्ड की कैटेगरी और आवेदक की इनकम होती है। उन्होंने कहा, "जिस क्रेडिट कार्ड के लिए आप आवेदन कर रहे हैं, क्या आपकी सैलरी उस कार्ड के लिए तय मानकों के अनुरूप है?" कई बार लोग प्रीमियम या हाई-कैटेगरी कार्ड के लिए आवेदन कर देते हैं, जबकि उनकी इनकम उस स्तर के कार्ड के लिए पर्याप्त नहीं होती। ऐसे मामलों में बैंक अप्रूवल देने से बचता है।

नौकरी की स्थिरता की अहम भूमिका

क्रेडिट कार्ड अप्रूवल में नौकरी की प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। स्थायी नौकरी करने वाले कर्मचारियों को बैंक अपेक्षाकृत सुरक्षित मानते हैं। वहीं, कॉन्ट्रैक्ट या अस्थायी नौकरी करने वालों के प्रोफाइल को बैंक ज्यादा जोखिम भरा मान सकते हैं, जिससे कार्ड रिजेक्ट होने की संभावना बढ़ती है।

बार-बार आवेदन नुकसानदेह

कम समय में कई बैंकों से क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करना भी नेगेटिव सिग्नल माना जाता है। बार-बार आवेदन करने से क्रेडिट प्रोफाइल प्रभावित होती है और बैंक इसे वित्तीय दबाव का संकेत मान सकते हैं।

मौजूदा लोन व ईएमआई भी देखता है बैंक

अगर किसी व्यक्ति पर पहले से कई लोन या भारी ईएमआई का बोझ है, तो बैंक नए क्रेडिट कार्ड के लिए मंजूरी देने में हिचकिचाता है। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ग्राहक की आय और खर्चों में संतुलन बना हुआ हो।

खाते वाले बैंक से कार्ड लेना फायदेमंद

विशेषज्ञों की सलाह है कि क्रेडिट कार्ड के लिए सबसे पहले अपने मौजूदा बैंक को प्राथमिकता दें। जिस बैंक में आपका सेविंग अकाउंट है, वह आपके ट्रांजैक्शन पैटर्न और फाइनेंशियल बिहेवियर को बेहतर तरीके से समझता है, जिससे अप्रूवल के चांस बढ़ जाते हैं।

कम क्रेडिट कार्ड, ज्यादा भरोसेमंद प्रोफाइल

- अंत में विशेषज्ञों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक या दो क्रेडिट कार्ड तक ही सीमित रहना चाहिए।
- ज्यादा क्रेडिट कार्ड होने पर बैंक आपके प्रोफाइल को जोखिम भरा मान सकता है, जिससे नए आवेदन रिजेक्ट होने की आशंका बढ़ जाती है।

क्या है सिबिल स्कोर

सिबिल स्कोर एक 3-डिजिट का नंबर होता है जो आपकी क्रेडिट हिस्ट्री को दर्शाता है। यह नंबर 300 से 900 के बीच होता है, और यह आपकी क्रेडिटवर्थीनेस को मापता है। सिबिल स्कोर आपके लायन, क्रेडिट कार्ड, और अन्य क्रेडिट प्रोडक्ट्स के भुगतान इतिहास, क्रेडिट उपयोग, और अन्य कारकों के आधार पर गणना किया जाता है।

सिबिल स्कोर के फायदे

- लायन और क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने में मदद करता है
- कम ब्याज दर पर लायन प्राप्त करने में मदद करता है
- क्रेडिटवर्थीनेस को बढ़ाता है
- वित्तीय योजना बनाने में मदद करता है

निवेशक सोने और चांदी की तरफ कर रहे रुख, पोर्टफोलियो में बनाएं विविधता

अस्थिरता के दौर में गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ?

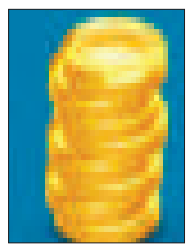

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी जोड़कर विविधता लाएं

सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं।

अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच, निवेशक तेजी से सोना और चांदी जैसे पारंपरिक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए मुख्य सवाल अब यह है कि क्या उन्हें गोल्ड ईटीएफ, सिल्वर ईटीएफ या दोनों का मिश्रण चुनना चाहिए? बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के दौरान पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए। क्योंकि सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है। सिल्वर ईटीएफ को कम अनुपात में रखा जा सकता है क्योंकि इनमें अधिक उतार-चढ़ाव होता है और इनकी मांग काफी हद तक औद्योगिक उपयोग पर निर्भर है।

अलग-अलग भूमिका है दोनों धातुओं की

दोनों धातुएं पारंपरिक रूप से अलग-अलग भूमिकाएं निभाती हैं। पोर्टफोलियो पोजिशनिंग के दृष्टिकोण से अधिकांश निवेशकों को दोनों में संतुलित निवेश रखना चाहिए। सोना प्राथमिक सुरक्षित-निवेश एंकर बना रहना चाहिए, जबकि चांदी पूरक भूमिका निभाते हुए कुछ चरणों में अधिक रिटर्न दे सकती है। निवेशक यह कभी न भूलें कि कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता। इसलिए इक्विटी और डेट सहित मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है।

मौजूदा समय में पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए

■

सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है

■

निवेशक ध्यान रखें कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता

नए निवेशक क्या करें?

इस सप्ताह सोना और चांदी मजबूत बढ़त के साथ खुले और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अनिश्चितता के इस दौर में यह सवाल भी उभरता है कि पहली बार निवेश करने वालों के लिए फोकस कहां होना चाहिए? ऐतिहासिक रूप से भू-राजनीतिक तनाव के समय सोना मजबूत सुरक्षित-निवेश माना गया है और केंद्रीय बैंकों की अधिक भागीदारी, व्यापक वैश्विक स्वीकार्यता और गहरी लिक्विडिटी के कारण सोना आमतौर पर संकट के समय बेहतर प्रदर्शन करता है। पहली बार निवेश करने वालों को सोने के ईटीएफ में मुख्य सुरक्षित-निवेश करना चाहिए, लेकिन पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी भी जोड़कर विविधता लाई जा सकती है।

मुद्रा विनिमय दर का भी होता है असर

मुद्रा विनिमय दरों का उतार-चढ़ाव भी सोना और चांदी ईटीएफ से मिलने वाले रिटर्न को प्रभावित करता है। सोना एक कीमती धातु के रूप में, आम तौर पर डॉलर और ब्याज दरों में बदलाव के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, जबकि चांदी मुद्रा उतार-चढ़ाव के अलावा वैश्विक वृद्धि की उम्मीदों पर भी प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष ने तेल की कीमतों और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। बढ़ती तेल कीमतें मुद्रास्फीति को ऊपर धकेल सकती हैं, जिससे आम तौर पर कीमती धातुओं को समर्थन मिलता है क्योंकि निवेशक बढ़ती लागत के खिलाफ हेज की तलाश करते हैं।

डॉलर की कीमत कैसे करेगी प्रभावित?

वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद दिए गए बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब हम वेनेजुएला को चलाने जा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका अन्य देशों को वेनेजुएला का काफी तेल बेचेगा।इन हालात में निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि डॉलर की मजबूती और मुद्रा-विनिमय उतार-चढ़ाव सोना और चांदी की कीमतों को कैसे प्रभावित करते हैं? असल में सोना और चांदी दोनों ही आम तौर पर डॉलर के विपरीत दिशा में चलते हैं। मजबूत डॉलर कीमतों पर दबाव डालता है, जबकि कमजोर डॉलर उन्हें सपोर्ट करता है। सोना मुद्रा और ब्याज-दर के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील है, जबकि चांदी पर आर्थिक और औद्योगिक गतिविधि का भी प्रभाव होता है।सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, चांदी के औद्योगिक उपयोग के कारण कमजोर डॉलर अक्सर इस कीमती धातु में तेज बढ़त को ट्रिगर करता है क्योंकि विदेशी विनिर्माण मांग बढ़ जाती है।

आक्रामक रणनीति नहीं रीबैलेंसिंग करें

एक सवाल यह भी है कि निवेशकों के लिए मौजूदा परिस्थिति में क्या यह समय एक्सपोजर बढ़ाने का है या सिर्फ मौजूदा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने का? दूसरी बात क्या बढ़ती मुद्रास्फीति या तेल कीमतें गोल्ड बनाम सिल्वर के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती हैं?

न्यायालय आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल
डी ब्लॉक, पुराना सचिवालय, भोपाल
अपील प्र. क्र. 0025/अपील/2025–26
भोपाल, दिनांकः– 02/01/2026
पक्षकारगणः– (1) एन.बी.फर्टिलाइजर एंड केमीकल लिमिटेड, एन.बी. प्लांटेशन लिमिटेड, एन.बी. टेक्नोल. जिस प्राईवेट लिमिटेड, अमरकंटक रियलेटर्स प्राईवेट लिमिटेड, द्वारा अधिकृत श्री आलोक रंजन राठी आ. श्री पी.डी. राठी, निवासी भोपाल म.प्र. एवं श्री विकास जैन आ. श्री एस. के. जैन, निवासी प्लाट नं. 270, थर्ड फ्लोर, शिवराज अपार्टमेंट, जोन 2, एम.पी. नगर, भोपाल, जिला भोपाल.....अपीलार्थी
बनाम
(1) श्री निहाल सिंह आ. सोमला, बगैरह निवासीगण – खांड़ाबड़, तहसील बुधनी, जिला सीहोर, म.प्र.....उत्तरवादीगण
आदेश – 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता
: सूचना पत्र : प्रति, (1) श्री निहाल सिंह आ. सोमला, (2) श्री शोभाराम आ. श्री भैरूसिंह, (3) श्री सुखराम आ. श्री जनपत, (4) श्री विश्राम आ. श्री जवाहर सिंह, (5) श्री लक्ष्मण आ. श्री राधेश्याम, (6) श्री जवाहर सिंह आ. श्री सोमला, (7) श्री देवीसिंह आ. श्री प्रताप, (8) श्री सारदा आ. श्री गोमा, (9) श्री अमन आ. श्री भैरूसिंह, (10) श्री कुबेरसिंह आ. श्री माधवसिंह, (11) श्री सरूप सिंह गुर्जर, (12) श्री बलराम आ. श्री शोभाराम, (13) श्री लक्ष्मण आ. श्री गनपत, (14) श्री गणेश आ. श्री गुलसिंह, (15) श्री सुखराम आ. श्री गनपत, (16) श्री फूलसिंह आ. श्री रायसिंह, (17) श्री रायसिंह आ. श्री नाहरसिंह, (18) लीलाबाई आ. श्री बलसिंह, (19) श्री ताराचंद्र आ. श्री गुलाबसिंह, (20) श्री जगदीश आ. श्री कलसिंह, (21) श्री झेतु आ. श्री भुवान, (22) श्री जतन आ. श्री हमीर सिंह, (23) श्री रामसिंह आ. श्री भगवानसिंह, (24) श्री अमरसिंह आ. श्री पन्नालाल, (25) श्री भोलाराम आ. श्री पन्नालाल, (26) श्री सुरेन्द्र आ. श्री धनीराम, (27) श्री जगदीश आ. श्री गनपत, (28) श्री सुंदरलाल आ. श्री जमता, निवासीगण खांड़ाबड़, तहसील बुधनी, जिला सीहोर, म.प्र.। एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी एन. बी. फर्टिलाइजर एंड केमीकल लिमिटेड, एन.बी. प्लांटेशन लिमिटेड, एन. बी. टेक्नोल, जिस प्राईवेट लिमिटेड, अमरकंटक रियलेटर्स प्राईवेट लिमिटेड, द्वारा अधिकृत श्री आलोक रंजन राठी आ. श्री पी.डी. राठी, निवासी भोपाल म.प्र. एवं श्री विकास जैन आ. श्री एस. के. जैन, निवासी प्लाट नं. 270, थर्ड फ्लोर, शिवराज अपार्टमेंट, जोन 2, एम.पी. नगर, भोपाल, जिला भोपाल ने न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, बुधनी, जिला सीहोर के राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 0171/अपील/2024–25 में पारित आदेश दिनांक 03/04/2025 से परिवेदित होकर म.प्र. भू–राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 (2) के अंतर्गत द्वितीय अपील प्रस्तुत की गई है, जिसमें न्यायालयीन सूचना पत्र के माध्यम से आपको सूचना दी जा रही है, किन्तु आपको सूचना पत्र तामील नहीं हो पा रहा है। इसलिये आपको इस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि अब यह प्रकरण में दिनांक 20/01/2026 (मंगलवार) को सुनवाई हेतु नियत है। यदि नियत दिनांक को शासकीय अवकाश होता है तो सुनवाई आगामी कार्य दिवस को होगी। अतः आप स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 20/01/2026 (मंगलवार) को सांय 4.00 बजे न्यायालय आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल, "डी" ब्लॉक, पुराना सचिवालय, भोपाल में पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हों। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्ध विधिवत् एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। सूचना पत्र आज दिनांक 02/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया। (न्यायालय आयुक्त द्वारा आदेशित)
(किरण गुप्ता),
उपायुक्त, राजस्व, भोपाल संभाग, भोपाल

नए साल में करें नई शुरुआत कुछ बातों पर रखें फोकस शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे

निवेश, बचत और वेल्थ बनाने के लिए तैयार करें बेहतर रणनीति

जानकारी | बिजनेस डेस्क

आज के समय में स्वास्थ्य का खर्च इतना ज्यादा हो गया है कि अगर आपको या परिवार के किसी सदस्य को अस्पताल में भर्ती होना पड़ जाए तो आपकी अच्छी खासी बचाई गई रकम इलाज और अस्पताल का बिल भरने में खर्च हो सकती है। इससे आपके निवेश की योजना और निवेश के लक्ष्यों के लिए कदम आगे बढ़ा पाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

नए साल पर सभी कुछ न कुछ संकल्प लेते हैं। इसलिए निवेश के क्षेत्र में भी यह समय कुछ न कुछ बेहतर रणनीति बनाने का है। नया साल 2026 शुरू हो गया है। कमाई, बचत और निवेश को लेकर भी नए साल में कुछ न कुछ रिजॉल्यूशन जरूर लें। नए निवेशक जहां नई शुरुआत के लिए विकल्प और तरीकों पर बात करेंगे, वहीं जो लोग पहले से निवेश कर रहे हैं, वो कुछ न कुछ बदलाव या डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोच रहे होंगे। हर कोई अपनी-अपनी समझ और तरीकों से अपनी फाइनेंशल प्लानिंग बनाता और उस पर आगे बढ़ता है। निवेश के तेजी से उभरते विकल्पों की बात करें तो शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नए साल की नई शुरुआत के बीच एक्सपर्ट के नजरिए से समझते हैं कि निवेशक को 2026 में किन बातों पर फोकस करना चाहिए, जिससे कि कमाई, बचत और निवेश का संतुलन बना रहे, वेल्थ बनता रहे और फाइनेंशियल लक्ष्यों को हासिल करना आसान रहे।

जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा लिया है?

निवेश की शुरुआत करने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना बेहद जरूरी है कि क्या आपने पर्याप्त जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा कवर लिया है या नहीं? अगर नहीं है या पर्याप्त नहीं है, तो 2026 में सबसे पहले आप ये दोनों कवर जरूर करा लें। जीवन बीमा आपके परिवार और आप पर निर्भर लोगों को उस समय आर्थिक मदद करता है, जब कोई अनहोनी होती है। इसी तरह, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा भी रखना जरूरी है।

क्या फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा की

नए साल में सबसे अहम बात कि अपने फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा करें। ऐसा इसलिए जरूरी है कि हर साल बाजार में उठापटक, रिस्क प्रोफाइल, इनकम और खर्चों में उतार-चढ़ाव है। ऐसे में इस बात का आकलन करना अहम हो जाता कि क्या आपने निवेश के जिन एसेट क्लास में पैसा लगाया है, उनकी परफार्मेंस कैसी चल रही है, जोखिम उठाने की क्षमता कम-ज्यादा हुई है या फिर आपके फाइनेंशियल लक्ष्य हासिल करने को लेकर कैसा संकेत है?

मार्केट साइकिल समझना क्यों जरूरी?

नए साल के साथ हमेशा यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बाजार में निवेश का साइकिल कैसा भी हो आपको धैर्य रखना चाहिए। मार्केट साइकिल में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक बात है। कभी बाजार तेजी में होता है तो कभी मंदी में, लेकिन ऐसे समय में निवेश बनाए रखना सबसे जरूरी होता है। घबराकर निवेश निकालने से नुकसान होने की आशंका बढ़ जाती है।

धैर्य रखें, लाभ जरूर मिलेगा

ऐसे में अगर पर धैर्य रखते हैं और लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें बाजार के पूरे साइकिल का लाभ भी आपको मिलेगा। नियमित निवेश, जैसे एसआईपी, बाजार की गिरावट में भी औसत लागत कम करने में मदद करता है। मार्केट साइकिल का इतिहास बताता है कि यह समय के साथ संभलता है और नया हाई बनाता है। इसलिए शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव में पैनिक होने की बजाय लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने पर फोकस करना चहिए।

एसआईपी शुरू करें या निवेश बढ़ाएं

कहा जाता है कि नई शुरुआत करने से ही नए मौके बनते हैं। इसलिए अगर म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं, तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश शुरू कर सकते हैं। वहीं अगर पहले से निवेश कर रहे हैं तो एसआईपी की राशि बढ़ा सकते हैं। एसआईपी शुरू करना या मौजूदा निवेश को बढ़ाना दोनों ही समझदारी भरे फैसले हो सकते हैं। एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करने से बाजार की गिरावट का फायदा मिलता है और औसत लागत कम होती है। वहीं, जिन निवेशकों की कमाई स्थिर है और वे अपने लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट हैं, वे अपने निवेश की राशि बढ़ाकर लंबे समय में बेहतर रिटर्न पा सकते हैं। निवेश हमेशा जोखिम उठाने की क्षमता और समय सीमा के अनुसार करना जरूरी है।

OFFICE OF THE COMMISSIONER, MUNICIPAL CORPORATION, GWALIOR (M.P.)
WATER SUPPLY DEPARTMENT
File No. 248/2025x9/1/WS/2026 Gwalior, Date : 08/01/26
जनसम्पर्क RO क्रमांक 23 Notice Inviting Tender दिनांक 09-01-2026
Online tender are invited on behalf of Gwalior Municipal Corporation

Name of Work	Probable Amount of Contract	Tender ID no.	Date Of release of Tender	Last date of purchase online tender dated
Estimate of Laying and fixing of 150 mm. & 100 mm. da DI Pipe Line at No. 57 & 58 in Gwalior East Vidhansabha.	2,03,74,229.00	2025_UAD_471569_1	29-12-2025	29-01-2026

Further details can be seen at http://mptenders.gov.in
Executive Engineer, Water Supply, Gwalior Municipal Corporation, Gwalior

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 6% घटा, पर फ्लेक्सी-कैप ने बनाया

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड पर भी दिखा

रिपोर्ट | बिजनेस डेस्क

दिसंबर में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड निवेश पर भी साफ नजर आया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 6% घटकर 28,054 करोड़ रुपये रह गया। जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 29,911 करोड़ रुपये था। अगर साल-दर-साल के आधार पर तुलना करें, तो गिरावट और भी साफ दिखती है। दिसंबर 2024 के मुकाबले दिसंबर 2025 में इक्विटी फंड्स में निवेश 32% कम रहा। पिछले साल दिसंबर में इक्विटी फंड्स में 41,155 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। हालांकि पूरे कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 3.03 लाख करोड़ रुपये लगाए।

फ्लेक्सी-कैप फंड्स पर निवेशकों का भरोसा बरकरार

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की कुल 11 कैटेगरी में से 9 में दिसंबर के दौरान निवेश आया। सिर्फ डिविडेंड यील्ड फंड और ईएलएसएस फंड्स से पैसा निकला। इन सभी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे आगे रहे। इस कैटेगरी में दिसंबर के दौरान 10,019 करोड़ रुपये का नेट निवेश हुआ, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। निवेशक में इस बात पर ज्यादा भरोसा नजर आया कि फ्लेक्सी-कैप फंड्स के मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयर्स में निवेश को एडजस्ट कर सकते हैं।

मिडकैप और लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी चर्चा में

फ्लेक्सी-कैप के बाद मिडकैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। दिसंबर में इन फंड्स में 4,175 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं लार्ज एंड मिडकैप फंड्स में 4,093 करोड़ रुपये की आमद दर्ज की गई। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक अभी भी ग्रोथ की संभावनाओं वाले शेयरों में रुचि बनाए हुए हैं।

सेक्टोरल और स्मॉलकैप फंड्स में गिरावट

सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स के लिए दिसंबर थोड़ा फीका रहा. इन फंड्स में निवेश महीने-दर-महीने आधार पर 49% घटकर 945 करोड़ रुपये रह गया। नवंबर में यह आंकड़ा 1,864 करोड़ रुपये था। स्मॉलकैप फंड्स में भी 13% की गिरावट देखने को मिली. दिसंबर में इन फंड्स में 3,823 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। बाजार की वैल्यूएशन और अस्थिरता को देखते हुए निवेशक स्मॉलकैप से थोड़ा सतर्क नजर आए।

ईएलएसएस और डिविडेंड यील्ड फंड्स से पैसा निकला

दिसंबर में टैक्स सेविंग ईएलएसएस फंड्स से 717 करोड़ की निकासी हुई। वहीं, डिविडेंड यील्ड फंड्स से 254 करोड़ बाहर चले गए। निवेशकों की बदली प्राथमिकताओं का असर यहां साफ दिखा।

पूरे साल 2025 में कौन सी इक्विटी कैटेगरी रही आगे

कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो फ्लेक्सी-कैप फंड्स पूरे साल निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस कैटेगरी में साल भर में 80,978 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 52,321 करोड़ रुपये और मिडकैप फंड्स में 49,939 करोड़ की नेट इनफ्लो दर्ज की गई।

डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर निकाले गए पैसे

जहां इक्विटी में निवेश धीमा पड़ा, वहीं डेट म्यूचुअल फंड्स में दिसंबर के दौरान भारी निकासी देखने को मिली। इस महीने डेट फंड्स से कुल 1.32 लाख करोड़ रुपये बाहर निकल गए। नवंबर में यह निकासी 25,692 करोड़ रुपये थी। दिलचस्प बात यह है कि दिसंबर 2024 में भी डेट फंड्स से करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

16 में से 14 डेट फंड कैटेगरी में आउटफ्लो

डेट फंड्स की 16 कैटेगरी में से सिर्फ ओवरनाइट फंड्स और फ्लोटर फंड्स में निवेश आया। बाकी 14 कैटेगरी में पैसा निकला। लिक्विड फंड्स से सबसे ज्यादा 47,307 करोड़ रुपये की निकासी हुई। इसके बाद मनी मार्केट फंड्स से 40,464 करोड़ रुपये बाहर निकले।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला डिण्डौरी, (म.प्र.)
दूरभाष क्र/ फैक्स क्र. 0761-2678279 ई-मेल eepwdbrijbp@nic-in
एनआईटी नं.- 32/2025/ केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/मु.अ. (भ.) जबलपुर दिनांक 31.12.2025
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेण्डर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWPIU_469808_1	डिग्री कालेज गाडासरई में बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	डिण्डौरी	29.12	50000.00	5000.00	03 माह वर्षाऋतु सहित
2	2026_PWPIU_473980_1	डिग्री कालेज गाडासरई में पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	डिण्डौरी	198.81	198810.00	12500.00	08 माह वर्षाऋतु सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट https://mpeproc.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन लाईन दिनांक 07.01.2026 समय 18:00 से दिनांक 17.01.2026 समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
कार्य यंत्री (भवन)
जी - 24223/25 स्वच्छता ही सेवा लोक निर्माण विभाग डिण्डौरी, (म.प्र.)

तीन जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकास से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है, ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? इस मुद्दे पर एक तरफ़ कई देश अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन भी कर रहा है। दूसरी तरफ इस मुद्दे पर भारत ने कहा कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को आखिरकार अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ट्रंप के बयानों से ग्रीनलैंड में बढ़ी गर्मी

विश्लेषण

सेंट्रल डेस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ग्रीनलैंड में डेनमार्क की डॉग-स्लेज टीमों का मजाक उड़ाने के बाद ट्रंप ने यहां घूम रहे रहस्यमय चीनी और रूसी जहाजों को लेकर भी तंज कसा है। वह इस विचार पर आगे बढ़ते हुए दिख रहे हैं कि अमेरिका को इस विशाल बर्फीले द्वीप पर नियंत्रण कर लेना चाहिए। एक अधिकारी का कहना है कि राष्ट्रपति इसे खरीदना चाहते हैं और दूसरे ने सुझाव दिया कि अमेरिका इसे जबरन कब्जा भी सकता है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें?

कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यह समझौता उसे पूरे ग्रीनलैंड में सैन्य अड्डे स्थापित और संचालित करने, कर्मचारियों को ठहराने और जहाजों, विमानों तथा जलयान के लैंडिंग, टेक-ऑफ, एंकरिंग, मूवमेंट और संचालन को नियंत्रित करने का अधिकार देता है। डेनमार्क ने 300 वर्षों से अधिक समय पहले ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया था और आज भी इसके कुछ मामलों पर नियंत्रण रखता है। डेनिश इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज, कोपेनहेगन के शोधकर्ता मिकेल रुंगे ओलेसेन कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड में इतनी छूट है कि वह लगभग हर वह काम कर सकता है जो वह चाहता है। ग्रीनलैंड को खरीदना ट्रंप की नई योजना है। यह अलग बात है ग्रीनलैंड बिकना नहीं चाहता. विशेषकर अमेरिका को तो बिल्कुल नहीं। डेनमार्क के पास इसे बेचने का अधिकार भी नहीं है। उनके अनुसार यह असंभव है। अतीत में फैसला डेनमार्क करता था। 1946 में उसने ट्रूमैन प्रशासन का 10 करोड़ डॉलर (सोने में) का प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

जनमत संग्रह का हक

आज परिस्थितियां अलग हैं। ग्रीनलैंडवासियों के पास अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह कराने का अधिकार है और डेनमार्क ने कहा है कि द्वीप के 57,000 निवासियों पर उनका भविष्य निर्भर करता है। पिछले वर्ष हुए एक सर्वेक्षण में 85% निवासियों ने अमेरिकी नियंत्रण के विचार का विरोध किया था। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन ने कहा कि हमारा देश बिक्री के लिए नहीं है। अमेरिका और डेनमार्क के बीच रक्षा समझौता 2004 में अपडेट किया गया, ताकि ग्रीनलैंड की अर्ध-स्वायत्त सरकार को भी उसमें शामिल किया जा सके और स्थानीय आबादी पर पड़ने वाले प्रभाव पर उसे राय देने का अधिकार मिले। इसकी जड़ें द्वितीय विश्व युद्ध के समय के सहयोग में हैं। तब डेनमार्क पर नाजियों का कब्जा था।

वाशिंगटन में उसके दूतावास ने कोपेनहेगन से संपर्क टूटने पर स्वयं ही अमेरिका के साथ ग्रीनलैंड के लिए रक्षा समझौता किया। डर था कि नाजी ग्रीनलैंड को अमेरिका पर हमला करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। अंततः अमेरिकी सैनिकों ने उन्हें बाहर निकाला और वहां दर्जनों ठिकाने स्थापित किए, रनवे बनाए और हजारों सैनिक तैनात किए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भी अमेरिका कई बेस और शुरुआती चेतावनी रडार साइटें चलाता रहा। शीत युद्ध के अंत में उसने सभी को बंद कर दिया सिवाय एक के। अब इसे पिटुफिक स्पेस बेस कहा जाता है और यह उत्तरी ध्रुव के ऊपर से गुजरने वाली मिसाइलों पर नजर रखता है।

एक नजर

1721	डेनमार्क ने ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया
1916	अमेरिका ने यहां डेनमार्क की संप्रभुता को औपचारिक मंजूरी दी
1951	अमेरिका और डेनमार्क के बीच समझौता हुआ
1979	ग्रीनलैंड को स्वायत्त शासन की अनुमति मिली
2004	अमेरिका व डेनमार्क ने ग्रीनलैंड समझौते को संशोधित किया

क्या अगला कदम ग्रीनलैंड है?

पिछले सप्ताह अमेरिकी विशेष बलों द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके सुरक्षित ठिकाने से पकड़ने के बाद ट्रंप और भी उत्साहित दिख रहे हैं। उनके शीर्ष सलाहकार स्टीफन मिलर ने दावा किया कि ग्रीनलैंड संयुक्त राज्य का होना चाहिए और कोई भी अमेरिका से लड़ने नहीं आएगा। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलने का अनुरोध किया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बैठक कब होगी या नहीं भी होगी। ट्रंप और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेते फ्रेडरिक्सन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ग्रीनलैंड को पाने की बात करते रहते हैं और फ्रेडरिक्सन झुकने से इनकार कर रही हैं। कुछ दिन पहले फ्रेडरिक्सन ने 1951 के समझौते का हवाला देते हुए कहा कि हमारे पास पहले से ही एक रक्षा समझौता है, जो अमेरिका को ग्रीनलैंड में व्यापक पहुंच देता है। उन्होंने अमेरिका से धमकियां बंद करने का आग्रह किया और कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी हमला अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का अंत होगा। अब यदि अमेरिका इस रक्षा समझौते का बहाना बनाकर भारी संख्या में सैनिक भेजने या ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश करे तो वह भी गैरकानूनी होगा।

ग्रीनलैंड डेनिश का हिस्सा

2004 के संशोधन के अनुसार अमेरिका को ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य गतिविधियों में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव से पहले डेनमार्क और ग्रीनलैंड से परामर्श करना होगा। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल द्वारा हस्ताक्षरित यह समझौता ग्रीनलैंड को डेनमार्क के साम्राज्य का समान हिस्सा मानता है। डेनिश रक्षा विश्लेषक पीटर एर्स्टवेड रासमुसेन कहते हैं कि व्यावहारिक रूप से यदि अमेरिका उचित अनुरोध करता है तो उसे हमेशा हां ही मिलती है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रंप की रुचि खनिजों में भी

ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति ही उन्हें आकर्षित नहीं कर रही। इस विशाल द्वीप का एक और बड़ा आकर्षण है महत्वपूर्ण खनिज, जो बर्फ के नीचे विशाल मात्रा में दबे हुए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इन्हें पाने के लिए भी अमेरिका को ग्रीनलैंड पर अधिकार करने की आवश्यकता नहीं है। ग्रीनलैंडवासियों ने कहा है कि वे कारोबार के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी कार्रवाई पर भारत की चुप्पी क्यों

मुद्दा

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की कार्रवाई ने वैश्विक राजनीति को दो धुवों में बांट दिया है। एक तरफ़ कई देश ऐसे रहे, जो अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं, तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन कर रहा है। मगर भारत दोनों में से किसी खेमे में नहीं है। भारत ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर जरूर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि भारत, वेनेजुएला की स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। भारत ने कहा है कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

साफ है, भारत के बयान में किसी का विरोध या समर्थन जैसा भाव नहीं है। मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने हमले पर खुलकर वेनेजुएला के प्रति एकजुटता दिखाई और अमेरिकी कार्रवाई का कड़े शब्दों में विरोध किया। सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा। यह वही संतुलन है जो भारत अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान-अमेरिका तनाव, इजराइल-फिलस्तीन संघर्ष में अपनाता आया है। भारत के किसी एक गुट के साथ न दिखने की ये नीति हाल की नहीं है। भारत की तटस्थता की जड़ें उसकी गुटनिरपेक्ष नीति में हैं, जिसकी नींव जवाहरलाल नेहरू ने रखी थी। उसके बाद की जितनी सरकारें आईं, सबने इस नीति का पालन अपने-अपने हिसाब से किया है। नेहरू का मानना था कि निंदा से ज़्यादा जरूरी है संवाद और समाधान। यही कारण है कि 1956 के हंगरी संकट से लेकर 2003 के इराक़ युद्ध और 2022 के यूक्रेन युद्ध तक, भारत ने अक्सर सार्वजनिक निंदा से दूरी बनाए रखी। यह नीति भारत को उन स्थितियों में लचीलापन देती है, जहां उसके साझेदार आपस में टकराव में हों। वेनेजुएला के मामले में भी भारत उसी ऐतिहासिक निरंतरता का पालन करता दिख रहा है। हालांकि, भारत की चुप्पी की एक वजह और भी है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुका है। इसमें रूस से तेल खरीदने को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। भारत का मानना है कि इस मामले में उसे अलग तरह से निशाना बनाया गया, क्योंकि चीन और यूरोप भी रूस से तेल खरीदते रहे हैं, लेकिन उन पर वैसी कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में वेनेजुएला मुद्दे पर भारत के लिए अमेरिका के खिलाफ खुलकर बोलना आसान नहीं है।

> *सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा।*

बहरहाल, लैटिन अमेरिका के देश वेनेजुएला में अमेरिका के हमलों ने सिर्फ़ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति को भी चिंता में डाल दिया है। इस संकट का असर उन देशों पर भी पड़ेगा, जिनके वेनेजुएला से रणनीतिक रिश्ते रहे हैं। तेल और व्यापार इसमें अहम है। अब सवाल यह है कि अगर अमेरिका-वेनेजुएला टकराव लंबा और हिंसक होता है तो भारत-वेनेजुएला संबंधों पर इसका क्या असर पड़ेगा? आर्थिक नजरिए से देखें तो भारत और वेनेजुएला के रिश्ते अब बहुत बड़े नहीं रह गए हैं। हालांकि, एक समय ऐसा था जब वेनेजुएला भारत के लिए तेल का बड़ा स्रोत था। भारत लंबे समय तक वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने आधिकारिक रूप से तेल आयात काफी हद तक घटा दिया, लेकिन ऊर्जा साझेदारी पूरी तरह खत्म नहीं हुई। दरअसल, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। भारत और वेनेजुएला के राजनीतिक संबंधों का सबसे मजबूत दौर 2005 में देखा गया, जब राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज भारत आए और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से बातचीत हुई। इसके बाद 2012 में निकोलस मादुरो, तब वेनेजुएला के विदेश मंत्री के रूप में, भारत आए थे। शावेज के निधन के बाद भी भारत ने शोक संदेश दिया और उनके अंतिम संस्कार में प्रतिनिधि भेजा। संभावना यही है कि भारत जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया जाहिर किए बिना सही समय पर कूटनीतिक भाषा में अपनी चिंता जाहिर करेगा, ताकि न तो अमेरिका के साथ रिश्ते बिगड़े और न ही सिद्धांतों के मोर्चे पर उसकी स्थिति कमजोर हो।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व एकजुट हो

रणनीति

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा है, "सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीवे चीजें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतरराष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी जरूरत।" तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी रही है। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है।

हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो धुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी के साथ नाटो देश सक्रिय थे।

> *ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे।*

इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे। अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं, रूस से तेल खरीदने के आरोप की आड़ में वे तीनों देशों पर अब 25 प्रतिशत की बजाय पांच सौ प्रतिशत टैरिफ थोपने की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप की फितरत को देखते हुए उनसे कोई सकारात्मक उम्मीद रखना बेमानी ही है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रुकवाने को लेकर उनका कल्पित दावा हो या फिर ग्रीनलैंड, कोलंबिया, ईरान, मैक्सिको और क्यूबा को लेकर दी गई धमकी, सभी अमेरिकी दादागिरी का ही उदाहरण हैं। ट्रंप पहले ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कर चुके हैं और इस तरह अपने पड़ोसियों और यूरोप के अपने पारंपरिक सहयोगियों को ना सिर्फ आशंकित, बल्कि नाराज भी कर चुके हैं। अमेरिकी दादागिरी पूरी दुनिया देखती और समझती रही है। एक साथ इतने मोर्चे खोल देने की ट्रंप की नीति के खिलाफ अमेरिका में ही आवाजें उठने लगी हैं। ट्रंप की मनमानी नहीं रुकी, अमेरिकी दादागिरी का ऐसा ही दौर उन्होंने जारी रखा तो आने वाले दिन दुनिया के लिए भले ही चुनौतीपूर्ण होंगे,अमेरिका भी कई तरह की चुनौतियों और वैश्विक प्रतिरोध को झेलने के लिए अभिशप्त हो जाएगा। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी।

वेनेजुएला मामले में रूस-चीन की सिर्फ बातें, कोई एक्शन नहीं

कूटनीति

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

बीती 3 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने एक स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। ये एक तरह से सैन्य हमला था, जिसमें कुछ मौतें भी हुईं, और अब अमेरिका वहां तेल टैंकरों पर कब्जा कर रहा है। पूरी दुनिया में हंगामा मच गया, लेकिन रूस और चीन ने बस सांकेतिक निंदा की। ज्यादा कुछ किया नहीं। अब सवाल ये है कि इतने बड़े मसले पर ये दोनों सुपरपावर इतने हल्के क्यों रहे? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? सबसे पहले तो ये समझ लें कि रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। मादुरो की सरकार को उन्होंने हमेशा सपोर्ट किया है। रूस ने तो वेनेजुएला में अरबों डॉलर का निवेश किया है, खासकर तेल और हथियारों में। चीन का भी वहां बड़ा खेल है। उसने उसे करीब 10-12 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है, और उससे तेल आयात करता है। जब अमेरिका ने हमला किया तो रूस ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, आक्रामकता है। चीन ने भी कहा कि वो सदमे में हैं। चीन ने मादुरो को फौरन रिलीज करने की मांग भी की। ईरान, क्यूबा, साउथ अफ्रीका जैसे देशों ने भी निंदा की। नोटिस करें, ये सब बस बातें हैं – कोई सैन्य मदद नहीं, कोई बड़ा एक्शन नहीं, कोई जंग की धमकी नहीं। असली कारण क्या हैं? चलो, एक-एक करके देखते हैं।

रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है।

कमजोरियां और व्यस्तताएं : रूस तो अभी यूक्रेन युद्ध में फंसा हुआ है। जंग 2022 से चल रही है। जंग के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है। अगर वो वेनेजुएला में कूदता, तो अमेरिका के साथ सीधा टकराव होने का खतरा है। वो अपना यूरोपियन फ्रंट संभाल रहा है, जहां यूक्रेन के जरिए नाटो से लड़ रहा है। वेनेजुएला दूर है, लॉजिस्टिक्स मुश्किल है। वहीं, चीन साउथ चाइना सी और ताइवान पर फोकस्ड है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर चल रहा है, इकोनॉमी स्लो हो रही है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन अपने को कूटनीतिक विरोध जताने तक ही सीमित रखेगा।

आर्थिक हित : दोनों देशों के पास वेनेजुएला में निवेश हैं। चीन का तेल आयात वेनेजुएला से है, लेकिन वो सऊदी अरब, रूस और अन्य जगहों से भी लेता है। अगर अमेरिका वेनेजुएला का तेल कंट्रोल करता है, तो चीन को नुकसान होगा, लेकिन वो नए विकल्प ढूंढ लेगा। रूस भी वेनेजुएला को हथियार बेचता है, लेकिन उसकी मुख्य कमाई यूरोप और एशिया से है। अब अगर वो ज्यादा विरोध करता है,तो अमेरिका उनके निवेशों को टारगेट कर सकता था।

वैश्विक रणनीति : दोनों देश अमेरिका को चैलेंज करना चाहते हैं स्मार्ट तरीके से। वो अमेरिका की डॉलर डोमिनेंस को कम करना चाहते हैं,लेकिन सीधी जंग से नहीं। अगर एक्शन लेते हैं, तो तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ सकता है। रूस और चीन जानते हैं कि अमेरिका की आर्मी अभी सबसे मजबूत है

इंटरनेशनल लॉ : यूएन में निंदा करके वो दिखा रहे हैं कि अमेरिका बिगडैल देश है, अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ रहा है। रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है। अब देखना ये है कि आगे क्या होता है – क्या मादुरो रिलीज होगा, या अमेरिका वहां स्थायी अड्डा बना लेगा?

अकूत तेल की अतृप्त ललक में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

दृष्टिकोण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभर कर आया है कि आखिरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण अंजाम देने और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण करने के पीछे वास्तविक मकसद क्या है? क्या वास्तव में ड्रग तस्करों के सरगना होने के संगीन इल्जाम में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अमेरिका द्वारा अपहरण किया गया है? अथवा इसके पीछे क्या अन्य विशिष्ट कारण विद्यमान रहे हैं? तकरीबन साढ़े तीन करोड़ आबादी वाले वेनेजुएला में भारी तेल के अकूत भंडार मौजूद हैं। तेल संपदा के अतिरिक्त रेयर मिनरल्स का भी विराट भंडार वेनेजुएला में विद्यमान है, जिसमें कॉपर, चांदी, सोना, आदि शामिल हैं। वेनेजुएला का तेल वस्तुत भारी किस्म का तेल माना जाता है। अमेरिका की सरजमीं में जो तेल विद्यमान है, वह तो बहुत हल्के किस्म का तेल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून का घनघोर उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु राष्ट्र वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का आक्रामक तौर पर अपहरण अंजाम दिया गया।

वेनेजुएला में अमेरिकन तेल कंपनियों ने बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश किया और वेनेजुएला के तेल भंडारों से तेल का बड़ी मात्रा में दोहन भी किया। 1976 को कार्लोस आंद्रेस पेरेज नामक राष्ट्रपति वेनेजुएला में सत्तानशीन हुआ, जिसके द्वारा तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इसके बावजूद अनेक अमेरिकन तेल कंपनियां वेनेजुएला में तेल का दोहन निरंतर करती रहीं। 1999 ह्यूगो शावेज नामक एक साम्यवादी फितरत का राष्ट्रपति वेनेजुएला की राजसत्ता पर आसीन हुआ और उसके द्वारा अमेरिकन तेल कंपनियां को वेनेजुएला से निकाल बाहर किया गया। राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की अत्यधिक निकटता साम्यवादी क्यूबा और चीन जैसे वामपंथी मुल्कों के साथ अत्यंत घनिष्ठता के साथ स्थापित हो गई। 2013 में ह्यूगो शावेज की मृत्यु हो गई और उसके उत्तराधिकारी के तौर पर निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो द्वारा भी ह्यूगो शावेज की कठोर वामपंथी नीतियों का बाकायदा अनुसरण जारी रखा गया। साम्यवादी क्यूबा की तरह वेनेजुएला भी अमेरिका की आंखों का विकट कांटा बन गया और वेनेजुएला पर भी अमेरिकन हुकूमत द्वारा कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयद कर दिए गए। अमेरिका व्यावहारिक तौर पर समस्त लैटिन अमेरिका को अपने प्रभाव क्षेत्र वाला गलियारा मानता है। आज के दौर में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा वेनेजुएला में सैन्य दखल दोते हुए साम्राज्यवाद विरोधी मुनरो डॉक्ट्रिन का हवाला दिया जाना, वस्तुत नव- साम्राज्यवादी व्यवहार करते हुए एक विद्रुपता के अलावा कुछ भी नहीं है। वेनेजुएला पर आक्रमण के पीछे वस्तुतः एक टायकून बिजनेसमैन की पृष्ठभूमि से दूसरी दफा अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए डोनाल्ड ट्रंप का वास्तविक मकसद वेनेजुएला के अकूत तेल भंडार को सैन्य शक्ति के बल पर हथियाना है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में दूरदर्शी राजनीति निहित नहीं है ना ही कुशल कूटनीति निहित है, डोनाल्ड ट्रंप की नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुलंद किए गए अमेरिका ग्रेट अगेन निर्मित करने के मकसद के पीछे केवल अमेरिका को और अधिक दौलतमंद बनाना है।

राष्ट्रपति ट्रंप की सोच में दूरदर्शी राजनीति या कूटनीति निहित नहीं है, उनकी नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण के पश्चात उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। वेनेजुएला की संसद में डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा है कि हम ऊर्जा क्षेत्र की महाशक्ति हैं। इसी कारण से हमको बहुत सारी समस्याओं का सामना करना है। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिका का ऊर्जा लालच हमारे देश के संसाधनों पर कब्जा करना चाहता है। वेनेजुएला की हुकूमत पर मादक पदार्थ तस्करी और लोकतंत्र मानव अधिकार से जुड़े हुए सभी झूठे दावों का उन्होंने खंडन किया। वेनेजुएला ऐसे तमाम ऊर्जा संबंधों के लिए खुला है, जहां सभी पक्षों को फायदा हो और यही हमारे ऊर्जा संबंधों की विविधता भी है।

डोनाल्ड ट्रंप का आर्थिक लोभ लालच आखिरकार अमेरिका के लिए खतरनाक भी सिद्ध हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्तावे पेट्रो को भी परिणाम भुगतने की चेतावनी दी तो फिर गुस्ताव पेट्रो ने पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिकन राष्ट्रपति को जान लेना चाहिए कि लैटिन अमेरिका साम्राज्यवाद के विरुद्ध बहुत लंबी लड़ाई लड़कर आजाद हुआ है। लैटिन अमेरिकन देश अमेरिकन नव साम्राज्यवाद के विरुद्ध भी छापामार युद्ध के लिए मजबूर हो जाएंगे।

अलग-अलग राज्यों की पुलिस कर रही थी तलाश, साढ़ू भाई के घर ले रखी थी शरण

कुख्यात बदमाश आबिद अली उर्फ राजू ईरानी को सूरत क्राइम ब्रांच ने लालगेट क्षेत्र से गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सूरत क्राइम ब्रांच टीम की गिरफ्त में आरोपी आबिद अली उर्फ राजू उर्फ रहमान।

निशातपुरा ईरानी डेरे का कुख्यात बदमाश आबिद अली उर्फ राजू उर्फ रहमान को सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने लालगेट क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। वह अपने साढ़ू के घर के घर रहकर फरारी काट रहा था। राजू की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग राज्यों की पुलिस प्रयास कर रही थी। वह अक्सर अपराध करने के बाद शरण लेने सूरत चला जाता था। उसपर 20 से अधिक संगीन अपराध हैं।

उल्लेखनीय है कि 28 दिसंबर को भोपाल पुलिस ने ईरानी डेरा पर छापामार कार्रवाई की थी। इस दौरान पुलिस पार्टी पर पथराव कर दिया गया। पथराव और हंगामे के बीच राजू ईरानी भागकर सूरत पहुंच गया। सूरत क्राइम ब्रांच ने सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया। राजू ईरानी के खिलाफ भोपाल, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और कोलकाता सहित कई राज्यों में दर्ज मामले हैं, जिनमें उसकी गिरफ्तारी होगी। वह नकली पहचान पत्र और ठिकाना बदलकर लंबे समय से फरार था। पुलिस के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी से अंतरराज्यीय अपराधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। भोपाल पुलिस की विशेष टीम सूरत रवाना हो चुकी है, जो आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरफ्तारी से अंतरराज्यीय लूट, चोरी और ईरानी गिरोह के पूरे नेटवर्क से जुड़े बड़े खुलासे होंगे।

नए-नए तरीके से करता है वारदात

बदमाश राजू इरानी भीड़भाड़ वाले इलाकों या बैंकों के बाहर ध्यान भटकाने के लिए केमिकल का भी इस्तेमाल किया जाता है, ताकि साथी आरोपी कीमती सामान लेकर फरार हो सकें। राजू के गिरोह के सदस्य कई बार ज्योतिषी या धार्मिक साधु का वेश धारण कर घरों में प्रवेश करता है और पूजा-पाठ के बहाने सोना साफ कर देते हैं। कुछ मामलों में हाईवे या सुनसान सड़कों पर नकली पुलिस बैरिकेड लगाकर यात्रियों से लूट की जाती है। राजू वर्ष 2006 से अपराध में एक्टिव है। बदमाश आबिद अली उर्फ राजू उर्फ रहमान डकैत फर्जी पासपोर्ट के माध्यम से विदेश यात्रा करने की जानकारी सामने आई है। सोशल मीडिया और प्रारंभिक जांच में दावा किया गया कि राजू ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए ईरान की यात्रा की थी।

वर्ष 2022 से भूमिगत

राजू ईरानी वर्ष 2022 से फरार था। उसे अलग-अलग राज्यों की पुलिस तलाशने भोपाल पहुंची थी, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक ईरानी गिरोह अपनी बेहद संगठित अपराध पद्धतियों के लिए कुख्यात है। गिरोह के सदस्य अक्सर सीबीआई या पुलिस अधिकारी बनकर, सफारी सूट पहनकर बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। चैकिंग चल रही है या हाल ही में लूट हुई है जैसी झूठी बातें कहकर डराते हैं और गहनों को दिखाने के बहाने ध्यान भटकाकर ठगी करते हैं।

कॉलेज की छात्रा के साथ सरेराह सहपाठियों ने की अश्लील हरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को कॉलेज की छात्रा से तीन सहपाठियों ने सरेराह अश्लील हरकत कर दी। आरोपी पिछले कई महीनों से छात्रा को परेशान कर रहे थे, लेकिन वह उनकी बातों पर ध्यान नहीं दे रही थी। शुक्रवार को रास्ता रोककर तीनों ने हरकत की। पीड़िता छात्रा ने थाने जाकर शिकायत कर दी।

जानकारी के अनुसार मूलतः जबलपुर निवासी 21 वर्षीय युवती कोलार इलाके में रहती है और निजी कॉलेज से पढ़ाई कर रही है। उसी कालेज में पढ़ने वाला सौरभ नामक छात्र पिछले साल अगस्त महीने से उसे परेशान कर रहा था। वह छात्रा पर दोस्ती करने और साथ घूमने-फिरने का दबाव बना रहा था। छात्रा ने जब उसकी बात नहीं मानी तो वह अपने दोस्तों के साथ छात्रा को लेकर अश्लील बातें करने लगा। उसके बाद सौरभ के दोस्त ओमप्रकाश और रवि भी छात्रा पर अश्लील कमेंट्स करने लगे। शुक्रवार को पीड़िता अपनी एक सहेली के साथ स्कूटर पर बैठकर काम से एमपी नगर जा रही थी। चूनाभट्टी स्थित स्वर्ण जयंती पार्क के पास तीनों लड़कों ने उसे रोक लिया और अश्लील बातचीत करने लगे। परेशान होकर पीड़ित छात्रा ने थाने जाकर तीनों के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

खबर संक्षेप

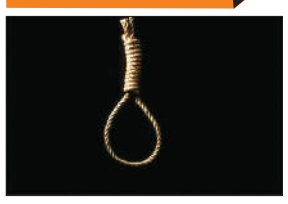

दुष्कर्म पीड़िता ने लगाई थी फांसी, अज्ञात पर केस दर्ज

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित बंजारी इलाके में गत 17 अगस्त 2025 की शाम 17 साल की नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया था। पुलिस पीएम को पीएम रिपोर्ट का इंतजार था। पीएम रिपोर्ट मिलने पर पता चला कि नाबालिग के साथ दुष्कर्म हुआ ाि। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात आरोपी पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 17 साल की नाबालिग बंजारी इलाके में रहती थी। उसकी मां बंगलों पर काम करती थी, जबकि बड़ा भाई प्राइवेट जॉब करता है। गत 17 अगस्त को तबीयत खराब होने के करण मां बेटे को लेकर अस्पताल गई थी। अस्पताल से लौटी तो घर में बेटी की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चुरी भेज दी। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने वेजाइनल स्लाइड बनवाई थी। स्लाइड से जांच में पता चला कि नाबालिग से दुष्कर्म हुआ था। अनुमान है कि दुष्कर्म की घटना से दुखी होकर उसने आत्महत्या की थी।

पटवा ने दी यादव को जन्मदिन की बधाई

औबेदुल्लागंज। वरिष्ठ अधिकारी हरिनारायण यादव के जन्म दिवस पर विधायक सुरेन्द्र पटवा, ओपी मीणा, कन्हैया नंदवंशी, डॉ. भूपेंद्र नागर, वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन, दीपू परमार, जीतू नंदवंशी, सुजीत चौहान सहित अन्य लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

शुभांक			
कल्याणः	1736		
दिनः	278	74	680
रातः	370	08	477
ताराः			
दिनः	330	67	278
रातः	240	69	270

भूमि स्टे होम से छात्रा के गिरने का मामला

पुलिस जांच में खुलासा, दोस्त ने युवती को छत से दिया धक्का... हत्या का मामला दर्ज

दो घंटे से चल रहा था विवाद, साढ़े तीन फीट की दीवार से पांच फीट की प्रिया का बैलेंस बिगड़ना नामुकिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

संदेह के आधार पर चल रही थी जांच

प्रिया मेहरा, मृतक

पुलिस की टीम तुषार कपिल की तलाश कर रही थी, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस को उस पर संदेह था। दरअसल, छत से जमीन तक की ऊंचाई करीब तीस फीट है। प्रिया यदि कूदती तो उसके पैरों पर भी चोट होती और फैक्चर होता, लेकिन उसे सिर्फ मुंह के पास चोट थी। प्रिया के पिता कैलाश मेहरा पुताई का काम करते हैं। काफी समय पूर्व उनके बेटे की मौत नर्मदा में डूबने से हो गई थी।

परिजन ने किया था चक्काजाम परिजन ने तुषार कपिल पर हत्या के आरोप लगाए थे। गुरुवार 8 जनवरी को उन्होंने शव यात्रा के दौरान दानिश नगर चौराहा पर चक्काजाम करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की थी।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित पारिका सोसाइटी, भूमि होम स्टे में 7 जनवरी बुधवार दोपहर छत से गिरने वाली छात्रा के दोस्त पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि आरोपी अब तक पुलिस गिरफ्त से दूर है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि छत पर साढ़े तीन फीट की बाउंड्री थी। प्रिया की ऊंचाई पांच फीट थी। इस स्थिति में वह बैलेंस बिगड़ने से नहीं गिर सकती है। इसके अलावा आसपास के लोगों प्रिया को उसके दोस्त के साथ छत पर विवाद करते हुए देखा था। यह विवाद करीब दो घंटे से चल रहा था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। अलग-अलग टीम उसकी तलाश कर रही है।

उल्लेखनीय है कि प्रिया पिता कैलाश मेहरा (22) ईश्वर नगर, बावड़िया कला में रहती थी और नूतन कॉलेज में पढ़ती थी। बुधवार सुबह वह कॉलेज जाने का कहकर घर से निकली थी, लेकिन वह कॉलेज नहीं पहुंची। वह सीधे अपने दोस्त तुषार कपिल के पास पारिक सोसाइटी के अंदर भूमि होम स्टे पहुंची। तुषार कपिल भूमि होम स्टे में केयर टेकर का काम करता था और वहीं रहता था। दोनों के बीच छत पर विवाद होता आसपास लोगों ने देखा था। बाद में पता चला कि प्रिया छत से नीचे गिर गई है। जांच में यह बात सामने आई कि विवाद के बाद तुषार कपिल ने उसे छत से धक्का दे दिया था और वह नीचे गिर गई थी।

घटना को हादसा बताने के इरादे से तुषार कपिल खुद प्रिया को लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंचा था। वहां प्रिया की मौत होने के बाद वह उसकी लाश छोड़कर फरार हो गया। तुषार कपिल पहले प्रिया के मोहल्ले में रहता था, तभी से प्रिया से उसकी दोस्ती थी।

कॉलेज से लौटी युवती ने अपने कमरे में लगाई फांसी, मौत

नहीं मिला सुसाइड नोट, परिजन फंदे से उतारकर ले गए

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित कृषक नगर करोंद में शुक्रवार शाम बीबीए की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। वैशाली ठाकुर पिता ओमप्रकाश ठाकुर (19) थाने के पीछे कृषक नगर करोंद में रहती थी और निजी कॉलेज से बीबीए फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। उसके पिता मेडिकल स्टोर्स का संचालन करते हैं। शुक्रवार शाम ओमकार सिंह ठाकुर और उनका बेटा मेडिकल स्टोर्स पर था। रोज की तरह वैशाली कॉलेज से आई और अपने कमरे में सोने के लिए चली गई। शाम सात बजे मां उसे उठाने के लिए कमरे के बाहर पहुंची। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी वैशाली ने कमरा नहीं खोला। अनहोनी की अशंका होने पर मां ने पति और बेटे को मेडिकल से घर बुलाया। वे घर पहुंचे और दरवाजा तोड़ा गया। दरवाजा तोड़ने पर वैशाली फांसी के फंदे पर लटकी मिली। परिजन उसे फंदे से उतारकर हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर वैशाली को मृत घोषित कर दिया।

पढ़ाई को लेकर तनाव में रहती थी वैशाली

अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। परिजन से प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि वैशाली के फर्स्ट सेमेस्टर में कम अंक आए थे। उसे अच्छे अंक मिलने की उम्मीद थी। अनुमान है कि उसने पढ़ाई के तनाव में यह कदम उठाया है।

पुलिस ने किया पंद्रह लाख का माल जब्त

रिटायर्ड कर्मचारी के सूने मकान से चोरी, 3 नकबजन गिरफ्तार

जगन्नाथपुरी घूमने गया था परिवार, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए आरोपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मिसरोद पुलिस ने लिबर्टी कॉलोनी में रिटायर्ड कर्मचारी के सूने मकान से जेवर चुराने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीनों बदमाश मंडीदीप और औबेदुल्लागंज के हैं। उनके खिलाफ दर्जनभर नकबजनी और चोरी के अपराध है।

पुलिस के अनुसार लिबर्टी कॉलोनी निवासी स्वावलंबन पाठक एजुकेशन डिपार्टमेंट से रिटायर्ड है। नव वर्ष में वह परिवार के साथ जगन्नाथपुरी धाम यात्रा पर मय परिवार गए थे। उनका बेटा नागपुर में जॉब करता है। गत 3 जनवरी को बेटा नागपुर से भोपाल लौटा तो घर का ताला टूटा हुआ था। अलमारी का सामान विखरा हुआ था। चेक करने पर पता चला कि पुराने इस्तेमाली सोने की अंगूठी, सोने की चेन, चांदी की पायल, चांदी की चेन, सोने की 4 चूड़ियां, सोने का पेंडल वाला मंगलसूत्र, सहित पंद्रह लाख रुपए का सामान चोरी हो चुका था। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए। इस दौरान तीन संदिग्ध सीसीसीटीवी कैमरे में नजर आए। इनमें एक की पहचान पुलिस ने कर ली। एक कही पहचान होने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और उनसे चुराया गए जेवरात बरामद कर लिए।

हार्ड कोर क्रिमिनल है आरोपी

पुलिस ने उक्त मामले में आकाश कुमरे उर्फ कोबरा पिता रमेश कुमरे (22) ग्राम मुरारी चोपड़ा, थाना औबेदुल्लागंज रायसेन गोलू उर्फ फूलसिंह पिता गया प्रसाद मांझी (24) वार्ड नंबर-16, राजस्थानी मोहल्ला, सतलापुर, रायसेन और सचिन पटवा उर्फ सच्चू उर्फ रावण पिता देवी प्रसाद पटवा (22) वार्ड नंबर-10, मंडीदीप, रायसेन को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी पुराने नकबजन है और उन पर दर्जनभर गंभीर अपराध दर्ज है। आरोपी हार्ड कोर क्रिमिनल है।

संगीतमय शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु।

शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन उमड़े श्रद्धालु

कथा वाचक ने शिव भक्ति की महिमा का किया वर्णन

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

अर्जुन नगर स्थित शिव मंदिर परिषर में चल रही संगीतमय शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन शनिवार को कथावाचक पं. राजेंद्र शास्त्री ने शिव भक्ति की महिमा उससे मिलने वाले पुण्य, लाभ मोक्ष का वर्णन किया। पीड़ा को समझना और सहायता करना सच्चा धर्म है।

कथा में मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, कोमल चौहान, भोजपुर नारी शक्ति अध्यक्ष आरती यादव, अनिता पांडे, निर्मला शर्मा, कुसुम शर्मा, सुनीता सेनी, राजबाई, मल्होत्रा यादव, बबली शर्मा, मंजू साहू, अनीता योगी, प्रियंका गुप्ता, सुनील सेरिया, वचन लोधी, इंग्लैंश यादव, राकेश यादव, धनु चौरसिया आदि लोग मौजूद थे।

हिंदू सम्मेलन आज, दस हजार से ज्यादा लोगों के पहुंचने की संभावना

घर-घर जाकर लोगों को दे रहे आमंत्रण पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

नगर के दशहरा मैदान मैं विशाल हिंदू सम्मेलन रविवार को आयोजित होगा, जिसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सम्मेलन में शामिल होने के लिए हिंदू सम्मेलन के कार्यकर्ता स्थानीय रहवासियों के घर-घर जाकर पीले चावल देकर आमंत्रित कर रहे हैं। वहीं सुबह 5 बजे महिलाएं प्रभात फेरी निकालकर पूरे परिवार के साथ हिंदू सम्मेलन आने का आमंत्रण दे रहीं हैं। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील कर रहे हैं।

आयोजनकर्ताओं ने बताया कि लगभग 10,000 महिला, पुरुष और बच्चों के आने की संभावना है। औबेदुल्लागंज के आसपास के गांव में भी पीले चावल देकर सम्मेलन में शामिल होने का आमंत्रण दे रहे हैं।

कार्यक्रम की तैयारी करते हुए।

प्रभात फेरी निकालतीं महिलाएं।

नगर में हिंदू सम्मेलन को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। हिंदू सम्मेलन में धार्मिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक विषयों पर वक्ता चर्चा करेंगे।

घटना के बाद से आरोपी फरार, पुलिस गिरफ्तारी के लिए तलाश में जुटी

नशीला पदार्थ पिलाकर दुकानदार से मोबाइल लिया यूपीआई के माध्यम से निकाले 1 लाख 40 हजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छोला मंदिर पुलिस ने कॉस्मेटिक दुकान के संचालक की शिकायत पर उसके दोस्त के खिलाफ धोखाधड़ी व अमानत में खयानत की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने नशीला पदार्थ पिलाकर फरियादी से उसका मोबाइल हड़प लिया और फिर फोन-पे एप के माध्यम से दो अलग-अलग बैंक खातों से एक लाख 40 हजार 400 रुपए निकाल लिए। घटना के बाद से आरोपी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक नवजीवन कॉलोनी छोला निवासी महेश तिवारी (46) कॉस्मेटिक दुकान का संचालन करते हैं। वह ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीज भी हैं। दो गली छोड़कर उनका परिचित दीपक गौर उर्फ सीताराम कुर्मी रहता है। वह एमपी ऑनलाइन का काम करता है। बीते साल 27 नवंबर की सुबह सीताराम ने कॉल कर महेश तिवारी को भानपुर इलाके में मिलने के लिए बुलाया। दोस्त का कॉल आने पर महेश उससे मिलने चले गए। वहां कुछ देर बाद महेश को प्यास लगने लगी तो वह पानी पीने के लिए जाने लगे। इस पर सीताराम ने उसे अपने पास रखी बोतल का पानी पिला दिया। पानी पीते ही महेश की हालत बिगड़ने लगी। उन्हें लगा कि बीपी हाई हो रहा है। उन्होंने सीताराम से उसे घर छोड़ने के लिए कहा। सीताराम ने फरियादी को घर छोड़ दिया, लेकिन उसी समय उनका मोबाइल फोन सीताराम ने अपने पास रख लिया। बच्चों ने मोबाइल तलाशने के लिए कॉल किया तो सीताराम ने रिसीवी किया। वह मोबाइल देने में बहाने बनाने लगा।

फोन-पे से दो बैंक खाते ऑपरेट करते थे

एसआई महेश सरयाम ने बताया कि महेश तिवारी फोन-पे एम के माध्यम से बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा के दो खाते ऑपरेट करते थे। फरियादी का मोबाइल हासिल कर आरोपी सीताराम ने फोन-पे के माध्यम से 27, 28 और 29 नवंबर को अलग-अलग बार में कुल एक लाख 40 हजार 400 रुपए निकाल लिए। घटना के बाद से आरोपी फरार है। बताया जा रहा है कि आरोपी की लोकेशन खुरई आ रही है। पुलिस उसे गिरफ्तार करने रवाना हो गई है।

शाहजहांनाबाद थाना के बाग मुंशी हुसैन खां के पास काली बस्ती में हुई वारदात

बुटिक संचालक से मारपीट, चाकू की नोक पर 25 हजार 500 रुपए छीने

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सीसीटीवी के फुटेज चेक कर रही पुलिस

विरोध करने पर दोनों बदमाश झूमाझटकी कर मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान ही दोनों ने गाड़ी खरीदने के लिए जेब में रखे 25 हजार 500 रुपए छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश पास की गली में भाग निकले। घटना के बाद दोनों भाई फरियाद लेकर थाने पहुंचे। शाहजहांनाबाद पुलिस ने मेराज अली की शिकायत पर दोनों अज्ञात बदमाशों के खिलाफ झपटमारी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित बाग मुंशी हुसैन खां के पास काली बस्ती में शुक्रवार शाम दो अज्ञात बदमाशों ने बुटिक संचालक और उसके भाई के साथ मारपीट कर 25 हजार 500 रुपए छीन लिए। दोनों भाई सेकंड हैंड कार खरीदने के लिए निकले थे। सौदा निरस्त होने पर पैसे लेकर घर लौट रहे थे। पुलिस ने झपटमारी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि कुम्हारपुरा शाहजहांनाबाद निवासी मेराज अली (28) कुम्हारपुरा में मिन्हा लेडीज बुटिक चलाते हैं। गुरुवार शाम करीब पौने 7 बजे मेराज अली और उनका छोटा भाई मुजाहिद अली दोपहिया वाहन से पैसे लेकर अपने लिए सेकंड हैंड गाड़ी खरीदने जा रहे थे। बाग मुंशी हुसैन खां पहुंचने के बाद गाड़ी खरीदने का सौदा निरस्त हो गया और दोनों भाई लौटने लगे। तभी काली बस्ती की गली में दो अज्ञात लडकों ने रास्ता रोक लिया और चाकू अड़ाकर कहने लगे कि तुम्हारे पास रखे पैसे हमें दे दो। मेराज ने पैसे देने से इनकार कर दिया। इस पर दोनों लड़के गाली-गलौज करने लगे।

गारंटी पीरियड में होने के बाद भी निर्माण एजेंसी नहीं कर रही देख-रेख

जानलेवा हुआ मंडीदीप-मूडला-दाहोद रोड, सड़क पर बने बड़े और गहरे गड्ढे, प्रतिदिन हो रहे हादसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

औद्योगिक शहर को ग्रामीण क्षेत्रों से जोड़ने वाली मुख्य सड़क मंडीदीप, मूडला दाहोद रोड इन दिनों वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रही। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे और बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। बीती रात गैस एजेंसी के पास दाहोद निवासी उमर खान गड्ढे में फंसकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसके चलते उनके हाथ पैर और पसली में गंभीर चोटे लगी है। उमर ने बताया कि सड़क इतनी घातक हो चुकी है की यहां प्रतिदिन तीन से चार लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

शहर के वार्ड 23 रेलवे ओवर ब्रिज से शुरू होकर दाहोद जाने वाली मुख्य सड़क रखरखाव के अभाव में पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। सड़क पर

मंडीदीप मूडला दाहोद रोड पर हुए बड़े-बड़े गड्ढे।

गैस एजेंसी के पास पुलिया के दोनों ओर गहरे और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। वाहन चालक रात के समय में अक्सर इन गड्ढों में दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। इसके अलावा मूडला गांव में बेतवा नदी पुल पर भी बड़ा गैप होने के कारण वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं।

दो विभागों में उलझा रखरखाव

मंडीदीप से मूडला दाहोद रोड का निर्माण करीब 5 वर्ष पहले प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत किया गया था। विभाग की माने तो सड़क का 3.4 किलोमीटर का हिस्सा वर्ष 2022 में नगर पालिका मंडीदीप के हैंडओवर कर दिया गया है, इसके तहत अब इसके रखरखाव की जिम्मेदारी नगर पालिका की है, वहीं नगर पालिका अधिकारियों की माने तो सड़क अभी गारंटी पीरियड में है। इसके तहत इसका रखरखाव निर्माण एजेंसी को करना चाहिए। मामला जो भी हो दोनों विभागों की आपसी खींचतान के चलते सड़क का रखरखाव नहीं होने से इसका हरजाना वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है।

अनुमति के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी

सिएम मॉनिट योजना के तहत रोड निर्माण हुआ है, जिसमें नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत के कई गांव नगर से जोड़े जाने है। इसकी तकनीकी स्वीकृति हो चुकी है। कुछ माह बाद प्रशासन द्वारा अनुमति के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रशांत जैन, सीएमओ, नगर पालिका, मंडीदीप।

राजधानी स्थित गुलाब उद्यान में अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का विधायक रामेश्वर ने उद्घाटन किया

45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी शुरू, गुलाब उद्यान में खिले 600 किस्मों के गुलाब, महकी फिजा

करीब 3000 कट फ्लावर गुलाबों में से 15 उत्कृष्ट गुलाबों का चयन किया गया

अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन, गुलाब प्रजातियों को मिला राष्ट्रीय मंच

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गुलाब उद्यान में आयोजित अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी एवं गुलाब महोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने मध्य प्रदेश की स्थानीय गुलाब प्रजातियों को बढ़ावा देने और उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाने पर जोर दिया। मध्य प्रदेश के कोने-कोने से लाई गई गुलाब की विभिन्न प्रजातियों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। करीब 3000 कट फ्लावर गुलाबों में से 15 उत्कृष्ट गुलाबों का चयन किया गया, जिन्हें सरकारी उद्यानों, अस्पतालों एवं घरों में उगाया गया है।

गुलाबों को 'रॉयल फैमिली ऑफ द शो' का नाम दिया

प्रदर्शनी में गुलाबों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया, जिनमें किंग ऑफ द शो, क्वीन ऑफ द शो, प्रिंस ऑफ द शो, बेस्ट रोज और बेस्ट येलो रोज शामिल रहे।प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेताओं की सूची इस प्रकार रही-प्रेरणा प्रकाश -व्यक्तिगत उद्यान (प्रथम)भावना पांडे-लघुत्तम टैरिस उद्यान (प्रथम)लक्ष्मी मदान-लघु टैरिस उद्यान (प्रथम)मनोज जैन -मध्यम टैरिस उद्यान (प्रथम)शैलेन्द्र पारुलकर-बृहत्तम टैरिस उद्यान (प्रथम)गुलाब महोत्सव में शहरवासियों और बागवानी प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

गुलाब उद्यान में आयोजित अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का अवलोकन करते विधायक रामेश्वर व अन्य।

गुलाब प्रदर्शनी में आई युवती गुलाब को निहारती हुई।

किंग और क्वीन ऑफ शो का चयन

प्रदर्शनी में व्हाइट एवलांच को किंग ऑफ द शोडबल टॉक को क्वीन ऑफ द शोजिंजर ब्रेडमैन को प्रिंस ऑफ द शोशियर एलिगेंस को प्रिंसेस ऑफ द शो चुना गया। शांति का प्रतीक 'ऐन फ्रैंक' बना आकर्षणविश्व गुलाब महासंघ के अध्यक्ष सुशील प्रकाश ने जापान से लाई गई गुलाब की किस्म 'ऐन फ्रैंक' को प्रदर्शित किया। यह गुलाब 16 वर्ष की आयु में दिवंगत हुई ऐन फ्रैंक की स्मृति में विकसित किया गया है और इसे शांति का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने एक 100 वर्ष से अधिक पुरानी दुर्लभ हरे रंग की गुलाब प्रजाति 'विर्डी फ्लोरा' भी प्रदर्शित की, जिसने दर्शकों का विशेष ध्यान खींचा। 3000 प्रविष्टियां, 2028 में विश्व स्तरीय प्रदर्शनी का प्रस्ताव आयोजकों के अनुसार प्रदर्शनी के लिए लगभग 3000 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 600 से अधिक गुलाब की किस्मों को चयनित किया गया।

2028 में भोपाल में विश्व स्तरीय गुलाब प्रदर्शनी आयोजित करने का प्रस्ताव

उन्होंने बताया कि जनवरी 2028 में भोपाल में विश्व स्तरीय गुलाब प्रदर्शनी आयोजित करने का प्रस्ताव है। यह प्रदर्शनी 11 जनवरी तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। बॉक्स'चल धन्नो' को मिला पहला स्थानव्यक्तिगत श्रेणी में फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को समर्पित गुलाब 'चल धन्नो' को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसी श्रेणी में 'नौ शिखारा ऑन अपर लेक भोपाल' को दूसरा स्थान मिला। इस प्रविष्टि पर लिखा कैप्शन था 'भोपाल्स ज्वेलः फ्लोटिंग गार्डन एंड फ्लोरल ड्रीम्स, कैरिंग द फ्रेगरेंस ऑफ होम अक्रॉस द वाटर।'

ट्रॉफी के लिए चयनित नाम : सर्वोत्तम बृहत्तम उद्यान व्यतिगत-प्रेरणा प्रकाश, सर्वोत्तम बृहत्तम उद्यान व्यतिगत-सुधीर मंगल, सर्वोत्तम बृहत्तम उद्यान व्यतिगत-प्रकाश तरण पुष्कर, सर्वोत्तम टैरिस उद्यान व्यतिगत-नसीम यूसुफ, सर्वोत्तम लघु टैरिस उद्यान व्यतिगत -लक्ष्मी मदान, सर्वोत्तम लगुत्तम टैरिस उद्यान व्यतिगत-भावना पांडे, सर्वोत्तम लघु उद्यान व्यतिगत-ममता गुप्ता, गमलों में उद्यान व्यतिगत-नजीम।

गुलाब प्रदर्शनी में आईईएचई ने लगाए स्टॉल, नवाचारों की दी जानकारी

एआई आधारित मोबाइल एप्लिकेशन फसल केयर रहा आकर्षण का केंद्र

राजधानी स्थित गुलाब उद्यान में अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी और गुलाब महोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई)के कृषि विभाग द्वारा स्थापित कृषि कंसल्टेंसी टीम के स्टॉल ने नवाचार, तकनीक और जनसेवा का उत्कृष्ट समन्वय प्रस्तुत किया। विभाग द्वारा विकसित विभिन्न कृषि उत्पादों के स्टाल लगाकर किसानों, विद्यार्थियों सहित महोत्सव में आए लोगों को आधुनिक, वैज्ञानिक तथा व्यवहारिक कृषि तकनीकों से परिचित कराया गया। इसमें सिंदूर, शहद सरसों (हनी मस्टर्ड), जीवामृत, बीजामृत, रीसायकल कागज से बने बुकमार्क, बीएससी कृषि के विद्यार्थियों द्वारा तैयार मोबाइल एप्लिकेशन शामिल है।

इन गुलाबों को मिला पुरस्कार।

फसल की पत्ती का फोटो लेकर रोग की पहचान

आईईएचई के कृषि विभाग द्वारा विकसित एआई आधारित मोबाइल एप्लिकेशन फसल केयर आकर्षण का केंद्र बना रहा। यह एप किसानों को फसल की पत्ती का फोटो लेकर रोग की पहचान करने तथा सटीक कृषि परामर्श प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। इस एप की महोत्सव में आए विशेषज्ञों, अधिकारियों एवं आमजन द्वारा प्रसंशा की गई। इसके अलावा कृषि विभाग ने कट फ्लावर श्रेणी में अन्तरराष्ट्रीय गुलाब महोत्सव प्रतियोगिता में भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जिससे संस्थान की उद्यानिकी एवं पुष्प उत्पादन में दक्षता का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ।

गुलाब प्रदर्शन में आए दर्शकों ने कैमरे में कैद किए खूबसूरत फूलों के फोटो।

गुलाबों के साथ फोटो खिंचवाते और सेल्फी लेते नजर आए लोग

शहर के गुलाब उद्यान में शनिवार को गुलाबों की रंग-बिरंगी छटा देखने के लिए सभी आयु वर्ग के हजारों लोग उमड़ पड़े। प्रदर्शनी में आए लोग गुलाबों के साथ फोटो खिंचवाते और सेल्फी लेते नजर आए। मध्यप्रदेश रोज़ सोसायटी और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा आयोजित 45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी में लगभग 600 किस्मों के गुलाब प्रदर्शित किए गए। इनमें अधिकांश कट फ्लावर शामिल थे। प्रमुख किस्मों में डेविड ऑस्टिन, ऐन फ्रैंक, सन राइज, कार्टडोर, कार मूसिन, फोर्थ ऑफ जुलाई, डबल टॉक, वेरिज़ॉन क्रीम, सेलेस्टियल नाइट, माबेला, मारिया श्राइवर और सहस्त्रधारा शामिल रहीं।

एलबीटी के सभागार में किया गया प्रस्तुत

'रबीन्द्रनाथ टैगोर-कहानियों के तीन छोर' नाट्य का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एलबीटी सभागार में नाटक का मंचन करते कलाकार।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा 'रबीन्द्रनाथ टैगोर-कहानियों के तीन छोर' का नाट्य मंचन शनिवार को एलबीटी सभागार में सम्पन्न हुआ।

'एक रात' कहानी का नायक और सुरबाला दोनों बचपन के मित्र हैं। दोनों के बीच अदृष्य प्रेम है। नायक पढ़ाई में उलझ जाता है और सुरबाला का विवाह हो जाता है। संयोग से नायक की नियुक्ति सुरबाला के ही शहर में होती है। बाढ़ आने पर दोनों की मुलाकात होती है पर पूरी रात दोनों निर्जन में चुप्पी साधे खड़े रहते है पर कोई सामाजिक सीमा नहीं टूटती। सुबह होते ही पानी उतर जाता है और दोनों चुपचाप अलग हो जाते हैं। नायक समझ जाता है कि उसका जीवन असफलताओं से भरा हो, पर उस एक रात में उसने प्रेम और आत्मिक पूर्णता का शाश्वत अनुभव पा लिया।

दो दिवसीय प्रतिभा प्रोत्साहन स्पर्धा आयोजित

छात्रों के गायन एवं वादन की प्रस्तुतियों से गूंजा मानस भवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लालघाटी स्थित गुफामंदिर धाम मानस भवन में शनिवार को छोटे बच्चों और युवाओं को गायन एवं वादन का प्रशिक्षण देने के क्षेत्र में कार्यरत सरस्वती संगीत महाविद्यालय लालघाटी द्वारा दो दिवसीय प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास महाराज ने दीप प्रज्वल्लन कर किया। इस दौरान प्रतिभागियों को उन्होने अपना आषीर्वाद व शुभकामना दी। प्रतियोगिता में गायन, वादन, एकल, समूह एवं शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतिया देकर प्रतिभागियो ने श्रोत्राओं को मंत्रमुग्ध किया । इस प्रतियोगिता में इटारसी, देवास तथा भोपाल सहित 40 छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर सरस्वती संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.सविता रिछारिया कलामंदिर के अध्यक्ष डॉ.गौरीशंकर शर्मा आदि मौजूद थे।

राग भोपाली हाकर्स कार्नर में लगा मेला

महापौर राय ने किया स्वदेशी व्यापार मेले का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

महापौर मालती राय ने स्वदेशी व्यापार मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्षद शिखा गोहल व आयोजन समिति के पदाधिकारी मौजूद थे। महापौर मालती राय ने शनिवार को 10 नंबर मार्केट स्थित राग भोपाली हाकर्स कार्नर में स्वदेशी व्यापार मेले का शुभारंभ फीता काटकर किया।

महापौर ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहित करने के दृष्टिगत स्वदेशी व्यापार मेले के आयोजन को सराहनीय कदम बताते हुए आयोजकों एवं स्टॉल संचालकों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं।

गायत्री शक्तिपीठ पर युवा संवाद कार्यक्रम आज

भोपाल। स्वामी विवेकानंद जयंती एवं युवा दिवस के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ, भोपाल में युवा प्रकोष्ठ द्वारा रविवार को एक विशेष प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में मनुष्य में देवत्व का उदय एवं धरती पर स्वर्ग का अवतरण जैसी उच्च आध्यात्मिक भावना को जाग्रत करना है। इस अवसर पर आध्यात्मिक एवं नैतिक उत्थान, चरित्र निर्माण, परमार्थ व लोकसेवा तथा उच्च आदर्शों के प्रति प्रेरणा जैसे विषयों पर भोपाल के युवाओं के साथ युवा वक्ताओं द्वारा प्रेरक संवाद किया जाएगा।

भोपाल उत्सव मेले का समापन आज, उमड़ रही लोगों की भीड़

समापन की पूर्व संध्या पर भोपाल उत्सव मेला पहुंचे राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने उड़ाए बैलून, सामाजिक कार्यों की सराहना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल उत्सव मेले का समापन 11 जनवरी (रविवार) को होगा। समापन से पूर्व शनिवार शाम मध्यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री मंगुभाई पटेल ने मेला प्रांगण का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने आमजन और व्यापारियों से आत्मीय संवाद कर मेले की व्यवस्थाओं और गतिविधियों की जानकारी ली। राज्यपाल ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि भोपाल उत्सव मेला 'लोकल फॉर वोकल' की भावना को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रहा है, जिससे स्थानीय कारीगरों, व्यापारियों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिल रहा है।

भोपाल उत्सव मेले में पहुंचे राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने दुकानों का किया अवलोकन।

राज्यपाल का मंत्र उच्चारण और शंख ध्वनि से किया स्वागत

राज्यपाल पटेल, मेला समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रतीकात्मक रूप से रंग-बिरंगे बैलून उड़ाए। राज्यपाल ने मेला समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी सराहना की और कहा कि मेले के माध्यम से स्वास्थ्य, समाज सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना सराहनीय पहल है। भोपाल मेला समिति के महामंत्री सुनील जैनाविन ने बताया कि इससे पहले महामहिम राजपाल श्री मंगू भाई पटेल के भोपाल उत्सव मेला कार्यालय में पहुंचने पर 11 पंडितों ने मंत्र उच्चारण व शंख ध्वनि से उनका स्वागत किया। राजपाल ने भगवान श्री गणेश की पूजा कर मेला कार्यालय में प्रवेश किया। मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक भगवान दास सबनानी भी मौजूद थे।

राज्यपाल ने लोगों से की बात, बच्चों को दुलारा

राज्यपाल ने मेले में उपस्थित लोगों से बात की और बच्चों को प्यार दुलार किया। कश्मीरी वस्त्र की दुकान पर बैठी एक छोटी बच्ची से कहा कि पहले पढ़ाई करो फिर दुकान पर बैठो। उन्होंने एक बुजुर्ग माता से के पूछा कि क्या खरीदा आपने। उन्होंने जवाब दिया थोड़ा सा सामान लिया है। इस अवसर पर दुकानदारों ने राज्यपाल को फूल भेंट कर उनका स्वागत किया। भोपाल उत्सव मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, महामंत्री सुनील जैनाविन, कोषाध्यक्ष अशोक गुप्ता, डॉ. योगेंद्र मुखरैया, अजय सोगानी, राजकुमार जौहरी, नारायण सिंह कुशवाहा, प्रदीप अग्रवाल, पंडित यतेंद्र शर्मा, शैलेन्द निगम आदि उपस्थित थे।

रामानंदाचार्य का संदेश था कि मनुष्य की पहचान उसकी जाति से नहीं, उसके कर्म व भक्ति से होती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उज्जैन में रामानंदाचार्य जी महाराज की 726वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को भोपाल के राजकीय विमानतल से वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वामी श्री रामानन्दाचार्य जी मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन के ऐसे महान संत थे, जिन्होंने रामभक्ति को जन-जन तक पहुंचाया। उस समय समाज जाति, वर्ग और ऊंच-नीच के भेद से बंटा हुआ था, लेकिन रामानन्दाचार्य जी ने निर्भीक होकर कहा- भक्ति पर किसी एक वर्ग का अधिकार नहीं, राम सबके हैं।

स्वामी जी ने रामानंदी (वैरागी) संप्रदाय की स्थापना कर एक ऐसी परम्परा की नींव रखी, जिसने भक्ति को सरल, सहज और सर्वसुलभ बनाया। उनके शिष्यों में कबीरदास, रविदास, सेन नाई, धन्ना जाट और पीपा जैसे महान संत हुए, जिन्होंने समाज को नई दिशा दी। रामानन्दाचार्य का संदेश स्पष्ट था- भक्ति का मार्ग प्रेम का मार्ग है। राम नाम से सभी का उद्धार संभव है। मनुष्य की पहचान उसकी जाति से नहीं, उसके कर्म और भक्ति से होती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वामी रामानंदाचार्य जी महाराज की 726वीं जयंती पर उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम को भोपाल के राजकीय विमानतल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयंती के व्यवस्थित आयोजन के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
भोपाल, रविवार 11 जनवरी 2026

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

{ आवरण कथा }

यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

डॉ. संध्या पुरेचा अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

यूनेस्को द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

रोहित त्रिपाठी अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

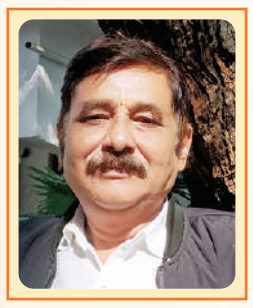

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

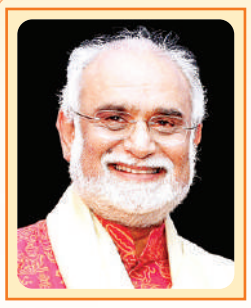

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

{ प्रेरक व्यक्तित्व }

शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

युवाओं के प्रेरणास्रोतः स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

{ व्यंग्य }

भूपेंद्र भारतीय

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

तपेली में तरी ही बची

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों।

मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

नई दिल्ली में 53वें विश्व पुस्तक मेले का प्रधान ने किया उद्घाटन

टैंबोरिन बजाकर की कार्यक्रम की शुरुआत, भारत को बताया दुनिया का एक प्रतिष्ठित व भरोसेमंद तीसरा बड़ा प्रकाशन केंद्र

भारत मंडपम में 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 की शुरुआत

रीडिंग कल्चर को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता

'पढ़ोगे, तो नेतृत्व करोगे' का किया उल्लेख

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत मंडपम में 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 का भव्य उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने टैम्बोरिन बजाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 53 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा दिल्ली पुस्तक मेला आज प्रकाशन जगत का एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद मंच बन चुका है।

यह देश की बौद्धिक -सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा प्रकाशन और पुस्तक व्यापार केंद्र बनकर उभरा है, जो देश की बौद्धिक और सांस्कृतिक शक्ति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं, पढ़ोगे, तो नेतृत्व करोगे। सरकार देश में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रीडिंग कल्चर को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

चाबिल साईं के बलिदान पर आधारित पुस्तक प्रकाशित

प्रधान ने बताया कि 19वीं सदी की शुरुआत में ओडिशा के संबलपुर में अंग्रेजों के खिलाफ हुए एक बड़े संघर्ष में वीर सुरेंद्र साईं के भाई चाबिल साईं ने कुडोपाली में अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस बलिदान की कहानी अब एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित की गई है, जिसका अनुवाद कई विदेशी भाषाओं में किया गया है।

ई-लाइब्रेरी से 23 भाषाओं में 6,000 मुफ्त ई-बुक्स होंगी

डिजिटल युग पर बात करते हुए प्रधान ने कहा कि आज सरकार का लक्ष्य ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाना है, जहां भाषा बाधा नहीं बल्कि सेतु बने। इसी सोच के तहत राष्ट्रीय ई-लाइब्रेरी जैसी पहलें डिजिटल इंडिया के विजन को साकार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इन प्लेटफॉर्म्स पर 23 से अधिक भाषाओं में 6,000 से ज्यादा मुफ्त ई-बुक्स उपलब्ध होंगी, जिनमें टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

'वंदे मातरम' को बताया भारत के जन्म का सांस्कृतिक उत्सव

कार्यक्रम में उन्होंने 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया रेडियो पर ओंकारनाथ ठाकुर द्वारा गाया गया वंदे मातरम केवल एक संगीत प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि स्वतंत्र भारत के जन्म का सांस्कृतिक उत्सव था। इस ऐतिहासिक विरासत को आज दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में प्रदर्शित किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में 'आप' के जेजे ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। यहां आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दो दिन पहले येंकी कालिया के इस्तीफा देने

के बाद शनिवार को जेजे सिंह ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सिंह आम आदमी पार्टी के शिकायत निवारण कमेटी के चेयरमैन थे। जेजे सिंह ने बताया कि आप में अब कुछ भी नहीं रह गया है। यह पार्टी नेतृत्व विहीन हो गई है। पार्टी में दम घुट रहा था।

टकराने के बाद हवा में उछली कार, हानि नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक कार सवार अचानक

अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसा। गनीमत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के समय कार चालक नशे में था, जिस वजह से यह हादसा हो गया। कार सवार बाईं मुड़ने की जगह सीधे आता है और डिवाजर से टकराकर हवा में उछलता है।

बेकाबू ऑडी कार ने ली 1 की जान

जयपुर। यहां के मानसरोवर इलाके में शुक्रवार की रात तेज रफ्तार कार कहर बनकर टूटी।

पत्रकार कॉलोनी के पास दो कारों की कथित रेसिंग में एक शख्स की जान चली गई। एक बेकाबू ऑडी कार ने सड़क किनारे खड़े ठेलों और लोगों को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

दक्षिण 24 परगना में धमाका, 4 घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में शनिवार को एक पटाखा बनाने की फैक्टरी

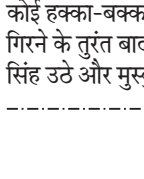

में जोरदार धमाका हो गया। इस हादसे में 4लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह विस्फोट दोपहर करीब 1 बजे चंपाहाटी इलाके में स्थित फैक्टरी में हुआ। धमाका इतना तेज था कि फैक्टरी की इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और आसपास के कई घर भी प्रभावित हुए।

बृजभूषण शरण अचानक मुंह के बल गिर पड़े

गोंडा। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंच पर अचानक मुंह के बल गिर गए और

गुलाटी खा गए। इस दौरान पास में खड़े सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते रह गए लेकिन उन्हें गिरने से रोक नहीं पाए। थोड़ी देर के लिए सुरक्षाकर्मियों के साथ-साथ हर कोई हक्का-बक्का रह गया लेकिन गिरने के तुरंत बाद बृजभूषण शरण सिंह उठे और मुस्कुराने लगे।

कोलकाता के आई- पैक मामले में बढ़ी रार, बंगाल सीएम ने किया पलटवार

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा, ममता ने कैविएट दायर की

ईडी ने कहा- ममता ने रेड के दौरान अधिकारियों से छीने सबूत, बाधा डाली

डायरेक्टर जैन के ठिकानों पर छापेमारी बनी वजह

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बंगाल के बवाल पर अब दिल्ली में सवाल

ममता बोलीं- राज्य सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश न दें

कैविएट इसलिए ताकि एकतरफा आदेश न हो

सुप्रीम कोर्ट

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार कोआई- पैक मामले में देश के सर्वोच्च न्यायलय में याचिका दाखिल कर दी है। ई डी ने सुप्रीम कोर्ट में दर्ज याचिका में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर एजेंसी की कार्रवाई में दखल देने का आरोप लगाया है. एजेंसी ने याचिका में कहा कि कोलकाता में आई- पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई के दौरान मुख्यमंत्री ममता ने ईडी के अधिकारियों से जरूरी फाइलें, हार्ड डिस्क और मोबाइल फोन छीन लिए थे। ईडी ने इस मामले में शुक्रवार को पहले कोलकाता हाई कोर्ट में भी याचिका दाखिल की थी, जिस पर बुधवार को सुनवाई होगी। ईडी ने अदालत का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया था कि उसकी जांच में जान-बूझकर बाधा बैदा की गई ताकि काम प्रभावित हो। ईडी की ओर से दायर याचिका में मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई। साथ ही, एजेंसी ने अदालत में आवेदन दाखिल कर इस संबंध में केस दर्ज करने की भी अनुमति मांगी।

दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ जारी खींचतान के बीच पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में कैविएट एप्लीकेशन दाखिल कर दी है। कैविएट दाखिल कर पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से स्पष्ट रूप से आग्रह किया है कि अगर इस मामले में कोई भी याचिका या अपील दायर की जाती है, तो राज्य सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। सरकार के इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अदालत किसी भी एकतरफा आदेश से पहले संबंधित पक्ष को सुनवाई का पूरा अवसर दे।

यह है पूरा मामला?

दरअसल, ईडी ने गुरुवार को कोयला घोटाला मामले को लेकर राजनीतिक कंसलटेंसी फर्म आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के आवास और ऑफिस पर छापेमारी की थी। ईडी की कार्रवाई के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य प्रशासन और पुलिस के सीनियर अधिकारियों के साथ प्रतीक जैन के घर और फिर ऑफिस पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर कुछ फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज निकालकर अपनी गाड़ी में रखवाए थे।

सिब्बल बोले

विपक्ष को डराने का औजार बनी एजेंसी

पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई को लेकर राज्य से लेकर देशभर की राजनीति में गरमाहट तेज है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है और इसका मकसद सिर्फ विपक्षी नेताओं को परेशान करना होता है। सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया।

कोयला घोटाला आरोप पर ममता को भेजा कानूनी नोटिस, 72 घंटे में सबूत दें

विपक्ष के नेता सुवेंदु ने की कार्रवाई

पश्चिम बंगाल की सियासत एक बार फिर उबाल पर है। इस बार मुद्दा है कोयला घोटाला, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई और मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के गंभीर आरोप। राज्य के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने ममता को कानूनी नोटिस भेजकर सीधा चुनौती दे दी है कि वे 72 घंटे के भीतर अपने दावों के सबूत पेश करें, वरना उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। यह पूरा विवाद उस बयान से भड़का है जिसमें ममता ने दावा किया था कि कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी के जरिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंचाया जाता है। 8 जनवरी को कोलकाता में आई- पैक कार्यालय पर ईडी की छापेमारी के विरोध में ममता एक रैली को संबोधित कर रही थीं।

राजस्थान दौरे पर गृह मंत्री शाह

माहेश्वरी समाज की महासभा में दिखी श्रद्धा-सांस्कृतिक एकता

- 27 देशों से यहां प्रतिनिधि आए
- 40 हजार माहेश्वरी समाजबंधु पहुंचे
- 12 विशाल डोम बनाए गए
- 750 स्टॉल्स लगाए गए

3 दिवसीय माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन

एजेंसी ⏭ जोधपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राजस्थान दौरे के दूसरे दिन जोधपुर और जयपुर में अहम कार्यक्रमों में शिरकत की। शनिवार को शाह जोधपुर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में माहेश्वरी समाज के ग्लोबल महाकुंभ में जनसभा को संबोधित किया। शाह शुक्रवार देर रात ही जोधपुर पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहे। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से यह दौरा अहम माना जा रहा है। एयरफोर्स स्टेशन से शाह सीधे बीएसएफ कैंप स्थित ऑफिसर्स मेस पहुंचे, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। यहांएक विशाल ग्लोबल एक्सपो भी लगाया गया है, जिसमें करीब 750 स्टॉल्स लगाए गए हैं। इन स्टॉल्स में उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और सामाजिक नवाचार से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित की जा रही हैं। देश-विदेश से आए समाजबंधु यहां आपसी संवाद किए।

माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ था। शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री शाह सम्मेलन की मुख्य जनसभा को संबोधित किया, जिसे लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह दिखा। इस सम्मेलन में भारत सहित दुनिया के 27 देशों से करीब 40 हजार माहेश्वरी समाजबंधु हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के लिए कॉलेज परिसर में लगभग 250 बीघा क्षेत्र में एक अस्थायी शहर बसाया गया है। यहां देश के 12 ज्योतिर्लिंगों के नाम पर 12 विशाल डोम बनाए गए हैं, जो श्रद्धा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बने हुए हैं।

पुलिस कॉन्स्टेबलों को 10 हजार नियुक्ति पत्र दिए

जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में वे राज्य के 10 हजार नव चयनित पुलिस कॉन्स्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। यह कार्यक्रम राज्य सरकार की भर्ती प्रक्रिया और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस प्रशासन के आला अफसर भी मौजूद रहे। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को लेकर अभ्यर्थियों और उनके परिवारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

मलयालम भाषा विधेयक पर सियासी रार

सीएम ने नए कानून को बताया समावेशी और अधिकारों का रक्षक, सभी आशंकाएं निरर्थक

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

केरल के मलयालम भाषा विधेयक 2025 को लेकर कर्नाटक समेत कई जगहों पर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है यह कानून दूसरी भाषाओं पर जबरन मलयालम थोपेगा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सभी दावों को खारिज करते हुए कहा,जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, वे तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। विधानसभा द्वारा पारित यह कानून पूरी तरह समावेशी है और इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की विशेष सुरक्षा की गई है।

संवैधानिक मूल्यों को पूरी मजबूती मिलेगी

केरल की प्रगति हमेशा समानता, भाईचारे की रही

एक्स पर पोस्ट में विजयन ने कहा कि केरल की प्रगति हमेशा समानता, भाईचारे और समग्र विकास पर आधारित रही है। राज्य सरकार धर्मनिरपेक्षता और बहुलतावाद जैसे संवैधानिक मूल्यों को पूरी मजबूती से बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

कन्नड़ और तमिल भाषी समुदायों का हित सुरक्षित रहेगा

विजयन ने स्पष्ट किया कि मलयालम भाषा विधेयक में एक साफ और मजबूत प्रावधान (धारा 7) शामिल है, जो भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करता है। कन्नड़ और तमिल भाषी समुदायों के हितों को सुरक्षित रखा गया है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का पैतृक गांव पेटवाड़ में भव्य सम्मान समारोह आयोजित

गांव का स्नेह और बुजुर्गों का आशीर्वाद उनके जीवन की बड़ी पूंजी: सीजेआई

बच्चे देश का भविष्य, इन्हें खूब पढ़ाएं, देश और तेजी से करेगा उन्नति, गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को मॉडल संस्कृति स्कूल बनवाया जाएगा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत शनिवार को अपने पैतृक गांव पेटवाड़, जिला हांसी पहुंचें। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद पहली बार पैतृक गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ उन्हें मुख्य मंच तक लाया गया, जहां ग्रामवासियों ने पगड़ी पहनाकर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने गांव, शिक्षकों, माता-पिता, बुजुर्गों और ग्राम वासियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने अपने विद्यार्थी

जीवन के संघर्षों को साझा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षकों की निष्ठा और बुजुर्गों के आशीर्वाद ने उन्हें आगे बढने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा निवेश है और प्रत्येक परिवार को बच्चों की पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली बच्चों को सामूहिक सहयोग से उच्च शिक्षा दिलाने का आह्वान किया तथा इसके लिए स्वयं आर्थिक सहयोग देने की भी घोषणा की।

उन्होंने आयोजन समिति, ग्रामवासियों और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव का स्नेह और आशीर्वाद उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। स्कूल के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इसी स्कूल में दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। स्कूल से हमेशा लगाव रहेगा। उन्होंने कहा कि बेशक उस समय स्कूलों में सुविधाएं अधिक नहीं होती थी, लेकिन अध्यापकों में पढ़ाने के प्रति समर्पण बहुत अधिक था।

वरिष्ठ पत्रकार ब्रह्मवीर सिंह के प्रकाशन की पहल

विश्व पुस्तक मेले में आज होगा 'प्रत्याघात' का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चित्रा मुद्गल

प्रताप सोमवंशी

पद्मश्री डॉ. सुनील

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

ब्रह्मवीर सिंह

प्रसिद्ध लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार ब्रह्मवीर सिंह के ख्यात प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित नव उपन्यास 'प्रत्याघात' का लोकार्पण 11 जनवरी 2026, को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 में किया जाएगा। लोकार्पण में सुप्रसिद्ध लेखिका चित्रा मुद्गल, प्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी, लेखक-कवि एवं हिंदुस्तान के प्रबंध संपादक, प्रताप सोमवंशी एवं डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्रधान संपादक, हरिभूमि समाचार पत्र समूह की विशेष उपस्थिति रहेगी। उपन्यास 'प्रत्याघात', ब्रह्मवीर सिंह की चर्चित कृति 'बुत मरते नहीं' का दूसरा भाग है। इससे पहले ब्रह्मवीर सिंह नक्सलवाद पर केंद्रित उपन्यास 'दंड का अरण्य' साहित्यिक जगत में चर्चा का विषय रहा है। उपन्यास पर अनेकों शोधकार्य हुए हैं, वहीं'बुत मरते नहीं' जातिवाद के भेद से उठकर मित्रता के चरम की कहानी है। इस तरह 'दंड का अरण्य', 'बुत मरते नहीं' और 'प्रत्याघात' लेखक की नियमित सशक्त रचनात्मक यात्रा के रूप में देखे जा रहे हैं।

उनके लिए जो टूटे हैं, पर मिटे नहीं हैं

लेखक ने प्रत्याघात को...उनके लिए, जो टूटे हैं पर मिटे नहीं है कि संवेदनात्मक टैगलाइन के साथ प्रस्तुत किया है। प्रत्याघात का केंद्रीय भाव हताशा से उपजा मौन और मौन से उपजे प्रतिरोध को रेखांकित करता है। प्रत्याघात हताश मनुष्य के फिर से उठ खड़े होने की कहानी है। बता दें, ब्रह्मवीर सिंह ढाई दशकों से पत्रकारिता में सक्रिय हैं। वर्तमान में हरिभूमि समाचार पत्र में संपादक, समन्वय के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

सोमनाथ के 1000 वर्षों की झलक

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पर सोमनाथ मंदिर परिसर में भव्यता और दिव्यता से भरा ड्रोन शो देखते हुए पीएम मोदी।

बांग्लादेश-चीन पर रहेगी पैनी नजर

पश्चिम बंगाल के हल्दिया में नेवी बेस बना रहा भारत, बढ़ेगी ताकत

हल्दिया बड़ा कमांड नहीं होगा, बल्कि छोटा बेस होगा। यहां पर फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 300 टन के न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की तैनाती की जाएगी। ये दोनों समुद्र में तेज गति से चलने वाली आक्रमणकारी क्राफ्ट है, जो 40-45 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकते हैं और मशीन गन से लैस हैं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत के पाकिस्तान के साथ तो तनाव दशकों पुराना है। चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से भी भारत को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसे में किसी भी खराब स्थिति से निपटने के लिए भारतीय सेना हर समय पूरी तरह से तैयार रहती है। समुद्री खतरों से भारत को सुरक्षित रखने के लिए भारतीय नौसेना पश्चिम बंगाल के हल्दिया में बंगाल की खाड़ी के उत्तर में एक नया बेस बनाने जा रही है।

चीन की नौसेना की बढ़ती गतिविधियों, बांग्लादेश से समुद्री घुसपैठ और पाकिस्तान के साथ बदलते क्षेत्रीय हालात के बीच यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है। नेवी बेस पर युद्धपोतों को तैनात किया जाएगा। बेस के जरिए भारत कभी भी चीन और बांग्लादेश की हरकतों को मुंहतोड़ जवाब दे सकेगा। इससे नेवी की ताकत में कई गुना इजाफा होने की संभावना है।

यह बेस भारत की समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा की क्षमताओं को और बढ़ाएगा

नौसेना के युद्धपोत पर उतरता युद्धक हेलिकॉप्टर

फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट होंगे तैनात

यह बड़ा कमांड नहीं होगा, बल्कि छोटा बेस होगा। यहां पर फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 300 टन के न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की तैनाती की जाएगी। ये दोनों समुद्र में तेज गति से चलने वाली आक्रमणकारी क्राफ्ट है, जो 40-45 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकते हैं और मशीन गन से लैस हैं। इंटरसेप्टर क्राफ्ट 100 टन के करीब होते हैं और 10-12 लोग चला सकते हैं। वहीं, न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स 300 टन के जहाज हैं जो सीआरएन-91 गन से लैस होंगे और नागास्त्र जैसे लूटरिंग मुनिशन (ड्रोन जैसी स्मार्ट मिसाइलें) से भी तैनात हो सकते हैं। ये निगरानी, हमला और सटीक स्ट्राइक के लिए हैं।

100 अधिकारी और नाविक रहेंगे

इस बेस पर 100 अधिकारी व नाविक ही तैनात होंगे, लेकिन इसपर सभी सुविधाएं मॉडर्न होंगी। साल 2024 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 31 न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स की खरीद को मंजूरी दी थी। ये जहाज तटीय सुरक्षा, घुसपैठ रोकने, बंदरगाह सुरक्षा और स्पेशल ऑपरेशंस के लिए हैं।

मौजूदा डॉक कॉम्प्लेक्स का उपयोग

हल्दिया, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 100 किमी दूर हुगली नदी पर स्थित है, जहां से बंगाल की खाड़ी में सीधा पहुंच है। मौजूदा हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (1970 से चल रहा) का इस्तेमाल किया जाएगा। शुरुआत में एक विशेष जहाज बांधने की जगह और शोर सपोर्ट सुविधाएं बनाई जाएंगी। इससे बेस जल्दी तैयार हो जाएगा, ज्यादा नए बुनियादी ढांचे की जरूरत नहीं पड़ेगी।

समुद्री मार्गों की सुरक्षा

इस बेस से हल्दिया से मलक्का स्ट्रेट तक निगरानी आसान होगी, जो वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण चोकपॉइंट है। यह बेस भारत को बंगाल की खाड़ी में तेज प्रतिक्रिया (क्विक रिस्पॉन्स) देने की क्षमता देगा। घुसपैठ, तस्करी, समुद्री डकैती और आपदा राहत में मदद मिलेगी।

चीन से सुरक्षा

यह बेस बंगाल की खाड़ी में चीनी जहाजों की निगरानी के लिए जरूरी है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी हिंद महासागर में ज्यादा सक्रिय हो रही है। चीन ने बांग्लादेश नेवी को दो पनडुब्बियां भी सौंपी हैं और चटगांव के पास एक बेस भी बना रहा है। पहले इसका नाम बीएनएस शेख हसीना था, लेकिन अब इसे बदल दिया गया है। ऐसे में बंगाल के हल्दिया का यह नया बेस चीन और बांग्लादेश के खिलाफ भारत की समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा की क्षमताओं को और बढ़ाएगा। भारत-बांग्लादेश सीमा पर पानी के रास्ते से अवैध घुसपैठ बढ़ रही है। उथले पानी और घने समुद्री यातायात में तेज जहाज बहुत उपयोगी हैं।

देशभर में कई बेस

अभी भारतीय नौसेना के देशभर में कई बेस मौजूद हैं। मुख्य बेस मुंबई, गोवा, कारवार, कोच्चि, चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में हैं। भारतीय नौसेना ने पूर्वी तट पर पहले से ही विशाखापत्तनम (ईस्टर्न नेवल कमांड) और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में बड़े बेस हैं। लेकिन उत्तरी बंगाल की खाड़ी में मजबूत मौजूदगी की जरूरत इसलिए है क्योंकि भारत से खराब होते संबंधों के बीच चीन और बांग्लादेश करीब जा रहे हैं।

'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के उद्घाटन समारोह में एनएसए डोभाल की सीख

आत्मविश्वास नहीं, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार, आप शक्तिशाली हैं तो स्वतंत्र रह सकेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शनिवार को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अजीत डोभाल ने युवाओं से संवाद किया। डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में चल रहे सभी संघर्ष और युद्ध इसलिए हैं क्योंकि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं और इसके लिए अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार हैं।

आज हमारे देश में ऐसा नेतृत्व होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत हम सभी के लिए प्रेरणा है। जैसा कि नेपोलियन ने एक बार कहा था कि मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1000 शेरों से नहीं डरता, बल्कि एक शेर के नेतृत्व में 1000 भेड़ों से डरता हूं।

- आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे
- दुनिया के देश अपनी इच्छा थोप रहे हैं

एनएसए अजीत डोभाल

भारत विकसित होगा, यह निश्चित है

अजीत डोभाल ने कहा कि आज इतना कुछ बदल गया है कि मुझे सब कुछ पता नहीं है। लेकिन एक बात समान है, चाहे आप इसे महसूस करें या न करें - एक छोटी सी बात जो आपके जीवन की दिशा तय करती है: निर्णय लेने की क्षमता। आप सभी हर दिन छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे।

स्वतंत्रता के लिए कई लोगों ने जान दी

एनएसए ने कहा कि यह भारत वैसा स्वतंत्र नहीं था जैसा आप आज देखते हैं। हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिए, अपमान सहे और कई लोगों को फांसी दी गई। भगत सिंह को फांसी दी गई, सुभाष चंद्र बोस ने जीवन भर संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग प्रशस्त किया।

राष्ट्रवाद और राष्ट्र को निरंतर मजबूत करना होता है

एनएसए ने युवाओं को बताया कि भारत ने कई सफलताएं देखी हैं। हम कभी विज्ञान, अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी के शिखर पर थे, लेकिन हमारा पतन हुआ क्योंकि कुछ भी स्थायी नहीं है। यह एक निरंतर संघर्ष है। राष्ट्रवाद और स्वयं राष्ट्र को मजबूत बने रहने के लिए निरंतर कोशिश की जरूरत होती है, और यह संघर्ष कभी समाप्त नहीं होता।

1700 वर्षों तक भारत की अर्थव्यवस्था अच्छी रही

डोभाल ने कहा कि पश्चिम में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि क्या कोई एशियाई देश पश्चिम से आगे निकल सकता है। कैम्ब्रिज के एक प्रोफेसर को इस पर अध्ययन करने के लिए कहा गया और बाद में उन्होंने 'विश्व अर्थव्यवस्था का इतिहास' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें पहली से उन्नीसवीं शताब्दी तक का इतिहास शामिल है। इसमें 1700 वर्षों तक की भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख है।

मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी

एनएसए डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि 'मेरा कार्यक्षेत्र अलग है, मेरा अनुभव अलग है, और युवाओं के साथ उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। आपमें से अधिकांश मुझसे 60 वर्ष से अधिक छोटे हैं, इसलिए मैं थोड़ा असमंजस में था कि आऊं या नहीं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पूर्व भारत में हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को सख्त चेतावनी

प्रदर्शनकारियों को कुछ न करें वहीं मारेंगे जहां ज्यादा दर्द होगा

एजेंसी ▶▶ तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के हालात पर बहुत करीब से नजर रखी जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि देश में प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहेंगे। वहीं उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया, तो अमेरिका दखल देगा और वहीं हमला करेगा, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबिया ने एक्स पोस्ट में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के बहादुर लोगों का समर्थन करता है। मार्को रुबियो का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान सरकार को खुली चेतावनी के बाद आया है। तेहरान के एक डॉक्टर ने बताया कि राजधानी तेहरान के सिर्फ 6 अस्पतालों में ही कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकतर मौतें गोलियां लगने से हुई हैं, क्योंकि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। बता दें, ईरान इस समय गंभीर आर्थिक संकट के बीच देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और डॉलर के मुकाबले कमजोर होती मुद्रा (ईरानी रियाल) ने आम जनता के गुस्से को और भड़का दिया है।

सड़कों पर प्रदर्शनकारी

'एक्स' ने बदला ईरान का झंडा

ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने एक महत्वपूर्ण डिजिटल बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत ईरान के आधिकारिक झंडे के प्रतीक को बदल कर उसमें 1979 की इस्लामिक क्रांति से पहले इस्तेमाल होता था शाही प्रतीक 'लायन एंड सन' को शामिल किया गया है। यह प्रतीक सदियों तक ईरान के झंडे पर शाही शासन के दौरान रहा है और इसे ईरान की पारंपरिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा जाता है। इस बदलाव का असर पूरे प्लेटफॉर्म पर दिख रहा है, यहां तक कि ईरान सरकार और उससे जुड़े मीडिया संस्थानों, जैसे तसनीम न्यूज़ के अकाउंट्स पर भी अब यही पुराना शाही प्रतीक नजर आ रहा है। हिंसक प्रदर्शनों की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस बीच ईरान में जारी आंदोलन का एक नया चेहरा भी सामने आया है, जहां युवतियां खामेनेई की जलती हुई तस्वीरों से सिगरेट जलाती नजर आ रही हैं। दूसरी ओर ईरान ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अपनी धमकियां और तेज कर दीं और अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी कि विरोध-प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वाले किसी भी व्यक्ति को 'अल्लाह का शत्रु' माना जाएगा, जो मृत्युदंड योग्य अपराध है।

खबर संक्षेप

अमेरिका में गोलाबारी 6 लोगों की मौत

वेस्ट प्वाइंट। अमेरिका के पूर्वी मिसिसिपी में गोलीबारी की घटनाओं में छह लोगों की मौत के बाद शनिवार को एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि अलबामा सीमा के पास वेस्ट प्वाइंट कस्बे में हिंसा के कारण कई निर्दोष लोगों की जान गईं। शेरिफ ने बताया कि तीन स्थानों पर छह लोगों की मौत हुई। एक संदिग्ध हिरासत में है और लोगों को कोई खतरा नहीं है।

आग लगने से परिवार के 3 सदस्यों की मौत

मुंबई। मुंबई के उपनगर गोरेगांव के भगत सिंह नगर इलाके में शनिवार तड़के एक आवासीय इमारत में आग लग जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। यह एक मंजिला इमारत राजाराम लेन में स्थित है। दमकलकर्मियों ने बताया कि परिवार के तीनों सदस्यों को ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया, मृतकों की पहचान हर्षदा पावस्कर (19), कुशल पावस्कर (12) और संजोग पावस्कर (48) के रूप में हुई है।

ओडिशा में विमान हादसा

6 घायल, पायलट गंभीर रूप से जख्मी, डीजीसीए ने शुरू की जांच

हवाई पट्टी के पास क्षतिग्रस्त विमान

एजेंसी ▶▶ राउरकेला

ओडिशा के राउरकेला में शनिवार को एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान प्राइवेट एयरलाइन का बताया जा रहा है, जिसमें छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में पायलट को गंभीर चोंटे आई हैं। राज्य के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बी बी जेना ने बताया कि प्राइवेट एयरलाइन के छोटे विमान की क्रैश लैंडिंग में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए। मंत्री जेना ने बताया कि यात्रियों को ले जा रहा एक ए-1 नौ सीटर प्राइवेट विमान हादसे का शिकार हो गया है। यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है।

यह घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जल्दा में हुई। हादसे में घायल यात्रियों को बचाकर पास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

'लॉलीपॉप स्टार': खाते ही बजने लगेगा संगीत

लास वेगास। अमेरिका के लास वेगास में आयोजित कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईसी 2026) टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के मामले में काफी शानदार रहा। इस साल एक उत्पाद 'लॉलीपॉप स्टार' पेश किया गया है। ये एक ऐसी कैंडी है जो आपके मुंह को छोटे हेडफोन में बदल देती है और ये बिना स्पीकर या ईयरफोन के, सीधे आपके कानों तक म्यूजिक पहुंचाने के लिए एक क्लेवर साइंस ट्रिक का इस्तेमाल करती है। ये बस एक नॉर्मल लॉलीपॉप है जो एक स्टिक पर लगी है। लेकिन स्टिक के अंदर एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो हवा में आवाज के बजाय वाइब्रेशन के रूप में आवाज भेज सकता है।

लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने किया आगाह

दुश्मन भारत में धर्म के नाम पर फूट डालने के प्रयास में जुटा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना के वेस्टर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने आगाह करते हुए कहा कि दुश्मन (पाकिस्तान) की एक साजिश हमारे देश में धर्म के नाम पर फूट डालने की भी है।

वेस्टर्न कमांड की इन्वेस्टिचर सेरेमनी (अलंकरण समारोह) में उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन की किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए तैयारी जारी रखनी है। दुश्मन की एक साजिश हमारे देश में धर्म के नाम पर फूट डालने की भी है। जरूरी है कि हम सावधान रहें। हमारी सेना में देश के कोने-कोने से आए लोग हैं, हर धर्म और हर जाति के सैनिक हैं। हम विविधता में एकता की मिसाल हैं। हमें अपनी इस विशेषता को कायम रखना है। आर्मी कमांडर ने कहा कि आर्मी कैंट में हमारे सर्व धर्म स्थल हैं जहां मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारे और चर्च एक ही प्रांगण में होते हैं। हमको ये सीख देते हैं कि ईश्वर अल्ला तेरे नाम।

भारतीय उच्चायुक्त वर्मा ने तारिक रहमान से शिष्टाचार भेंट की

ढाका। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने शनिवार को बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा 12 फरवरी को होने वाले चुनावों से पहले उन्हें आधिकारिक तौर पर इस पद के लिए चुने जाने के एक दिन बाद यह मुलाकात हुई। बीएनपी के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रवक्ता सैरुल कबीर खान ने बताया कि लगभग 40 मिनट तक यह बैठक हुई। उन्होंने इसे शिष्टाचार भेंट बताया। बांग्लादेश की राजनीति में बीएनपी अग्रणी दल के रूप में उभरी है, जबकि कभी उसकी महत्वपूर्ण सहयोगी रही जमात-ए-इस्लामी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग चुनावों में हिस्सा नहीं ले रही।

नौसेनाप्रमुख एडमिरल डीके त्रिपाठी कल करेंगे उद्घाटन

अगले सप्ताह नौसेना लक्षद्वीप में करेगी संयुक्त सैन्य चिकित्सा शिविर का आयोजन, 16 को होगा समापन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से हजारों किलोमीटर दूर केंद्रशासित प्रदेश 'लक्षद्वीप' में अगले सप्ताह भारतीय नौसेना एक अनोखे संयुक्त सेवा बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर का आयोजन करेगी। जिसमें तीनों सशस्त्र सेनाएं (सेना, वायुसेना, नौसेना) संयुक्त रूप से भागीदारी करेंगी। शिविर की कुल अवधि पांच दिवसीय होगी। जिसकी शुरुआत 12 जनवरी को नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी करेंगे और समापन 16 जनवरी को होगा।

लक्षद्वीप में कई स्वास्थ्य केंद्र

नौसेना ने कहा, ये शिविर लक्षद्वीप के अगाटी, कवरत्ती, एंड्रोथ, अमिनी और मिनिकॉय द्वीपों में आयोजित किया जाएगा। लक्षद्वीप में एक सुस्थापित सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली है। जिसमें जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं मुख्य रूप से शामिल हैं।

तीनों सेनाओं के विशेषज्ञ देंगे सलाह

तीनों सेनाओं के अनुभवी चिकित्सा अधिकारियों, विशेषज्ञों वाला एक संयुक्त सेवा चिकित्सा दल शिविर का संचालन करेगा। दंत शल्य चिकित्सा के साथ ही कई बुनियादी विशिष्टताओं, कार्डियोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी जैसी कुछ अति-विशिष्टताओं में चिकित्सा परामर्श भी प्रदान किए जाएंगे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के समन्वय से बाह्य रोगी परामर्श के अलावा शिविर के दौरान शल्य चिकित्सा दल द्वारा मोतियाबिंद की सर्जरी और चुनिंदा सामान्य शल्य चिकित्सा की जाएंगी।

भविष्य में भी जारी रहेगा मार्गदर्शन

इस शिविर की पांच दिनों की अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी उपचार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अनुवर्ती देखभाल संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उपचारात्मक, शल्य चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ निवारक स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष बल दिया जाएगा। इसके साथ ही चिकित्सा अधिकारी जीवनशैली समस्याओं, मातृ-शिशु संबंधी स्वास्थ्य मुद्दों, पोषण और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर चर्चा करने के लिए समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगे। शिविर के उद्घाटन अवसर पर नौसेनाध्यक्ष के अलावा बल की दक्षिणी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, नौसेना चिकित्सा सेवा महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय और यूटीएल के प्रशासक के सलाहकार-लक्षद्वीप प्रशासन व सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। वहीं शिविर की मदद से देश की समुद्री सेना द्वीपीय भूभाग में अपने नियमित प्रयासों, सहयोग के माध्यम से मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देना चाहती है। साथ ही लक्षद्वीप के लोगों के बीच साझा विश्वास और सद्भावना को अत्यधिक बढ़ावा देना भी बल का उद्देश्य है।

सबालेंका ने मुचोवा को हराया, फाइनल में बनाई जगह

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

विश्व नंबर एक एरीना सबालेंका ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने पैट राफ्टर एरिना में खेले गए मुकाबले में चौथे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। सबालेंका के सामने रविवार को होने वाले फाइनल में मार्ता कोस्तयुक की चुनौती होगी। मार्ता ने चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-0, 6-3 से हराकर रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले शुक्रवार को सबालेंका ने मैडिसन कीज को 6-3, 6-3 से मात दी थी। कीज ने पिछले साल मेलबर्न पार्क में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सबालेंका को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम महिला एकल खिताब जीता था। ब्रिसबेन में चल रहे पुरुष वर्ग के टूर्नामेंट में अमेरिका के दो खिलाड़ियों के बीच हुए सेमीफाइनल में ब्रैंडन नकाशिमा ने एलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6 , 6-4 से हराया।

एलिना स्वितोलिना की फाइनल में एंट्री, अब शिंजु से मुकाबला

ऑकलैंड टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने अमेरिकी युवा इवा जोविक को 7-6 (5), 6-2 से हराकर दूसरी बार ऑकलैंड डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना इससे पहले 2024 में भी इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं, जिसमें उन्हें अमेरिकी स्टार कोको गॉफ से हार का सामना करना पड़ा था। अब रविवार को होने वाले फाइनल में स्वितोलिना का मुकाबला चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त वांग शिंजु से होगा। वांग ने दूसरे सेमीफाइनल में फिलीपींस की चौथी वरीय एलेक्जेंड्रा ईला को 5-7, 7-5, 6-4 से हराया।

बेलिंडा का शानदार प्रदर्शन, पहली बार फाइनल में स्विट्जरलैंड

यूनाइटेड कप

एजेंसी ▶▶| सिडनी

बेलिंडा बेनसिच ने सप्ताह का अपना आठवां मुकाबला जीतते हुए निर्णायक मिश्रित युगल में याकूब पॉल के साथ मिलकर बेल्जियम की एलिस मर्टेंस और जिजू बर्न्स की जोड़ी को 6-3, 0-6, 10-5 से हराकर स्विट्जरलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचा दिया। इस टीम स्पर्धा में बेनसिच ने इस सप्ताह अपने चारों एकल मुकाबले और चारों मिश्रित युगल मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। बेनसिच ने इससे पहले मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र की अपनी अपराजेय एकल जीत का सिलसिला बरकरार रखा और स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। सत्र के अंत में संन्यास लेने जा रहे स्टान वावरिंका को बर्न्स ने 6-3, 6-7 (4), 6-3 से हराकर मुकाबला मिश्रित युगल तक पहुंचा दिया। रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में स्विट्जरलैंड के सामने अमेरिका और पोलैंड के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी।

खबर संक्षेप

कोच जेलेज्नी से अलग हुए चोपड़ा, करार किया खत्म

नई दिल्ली। भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच जान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी को एक ही सत्र के बाद समाप्त करने की घोषणा की। चोपड़ा ने जेलेज्नी के साथ करार खत्म करने का कारण नहीं बताया लेकिन कहा कि यह सफर 'प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव' से भरा रहा। जेलेज्नी के नाम इस खेल का विश्व रिकॉर्ड है और इस प्रतिष्ठित दिग्गज के मार्गदर्शन में चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का थ्रो फेंका था। चोपड़ा ने अपने अनुभव पर बात करते हुए कहा कि बचपन से जिस एथलीट को वह आदर्श मानते थे, उन्हीं से खेल के गुर सीखना उनके लिए सपना पूरा होने जैसा था और इससे उन्हें 'अभ्यास, तकनीकी विचार और ताजा दृष्टिकोण' का बिलकुल नया टूलबॉक्स मिला।

गेंदबाजी एक्शन को लेकर जमां खान जांच के दायरे में

कराची। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज जमां खान बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मैच के दौरान अपने 'स्लिंगशॉट' गेंदबाजी एक्शन को लेकर जांच के दायरे में आ गए। सिडनी थंडर के लिए 82 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड

वॉर्नर को बार बार जमां के गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठाते और इस गेंदबाज का सामना करने के बाद मैदानी अंपायर से इस मुद्दे को उठाते देखा गया। पाकिस्तान के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी की जगह ब्रिस्बेन हीट से जुड़े जमां सत्र के अपने पहले मैच में संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने तीन ओवर में 32 रन लुटा दिए। जमां की गेंदबाजी पर चिंता व्यक्त करने के बावजूद ब्रिस्बेन हीट ने सात विकेट से जीत दर्ज की। यह घटना पाकिस्तान के एक अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद हसनैन से जुड़े पुराने विवाद की याद दिलाती है।

ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार डब्ल्यूपीएल से बाहर

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार

हैमर्स्ट्रिंग (मांसपेशियों) की चोट के कारण मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से कम से कम दो सप्ताह के लिए बाहर हो गई हैं। इस 26 साल की खिलाड़ी ने अपना पिछला प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2024 में टी20 विश्व कप में खेला था।

दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट और 18 जनवरी को इंदौर में तीसरा वनडे

न्यूजीलैंड टीम में नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार

रो-को से बड़ी पारी की आस, आज से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

एजेंसी ▶▶| वडोदरा

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में रविवार 11 जनवरी को खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिए से श्रृंखला अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे श्रृंखला की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

जडेजा ने किया पूरे दमखम के साथ अभ्यास

रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारुप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नए स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे श्रृंखला की मेजबानी कर चुका है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे , मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

खिलाड़ियों ने नेट में बहाया पसीना

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले शनिवार को रोहित शर्मा से बल्लेबाजी के टिप्स लिए जबकि ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद थोड़ी देर के लिए उपचार लेने की जरुरत पड़ी। रोहित तब नेट के बाहर इंतजार कर रहे थे जब जल्दी बल्लेबाजी करने के लिए उतरे सिराज गेंद को जोर से मारने की कोशिश में चूक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फिर तेज गेंदबाज को कुछ टिप्स दिए।

सैंटनर इंजरी के कारण श्रृंखला से बाहर

नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। पूर्व कप्तान केन विलियमसन दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 लीग में अपनी टी20 प्रतिबद्धताओं को निभा रहे हैं। रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है। पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 श्रृंखला पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। जेडन लेनॉक्स को सैंटनर के समान विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड टीम में कई नए और अनुभवहीन चेहरों के बीच डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल यंग और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाडियों की मौजूदगी से बल्लेबाजी मजबूत है।

तकदीर में जो होगा उसे कोई मुझसे छीन नहीं सकता: गिल

वडोदरा। टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी मौका मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे। गिल को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया लेकिन 26 साल का यह खिलाड़ी खेल के दो अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में भारत का नेतृत्व करता रहेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे से पहले गिल ने कहा, ' मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। मैं हमेशा वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं, इससे जीवन आसान हो जाता है।' भारत टी20 विश्व कप से पहले तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलेगा। विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से होगी। गिल ने कहा, जब हमने पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे खेले थे तब मेरा पदार्पण हुआ था और मैं हमेशा उस दिन को संजोकर रखता हूं।' उन्होंने कहा, 'किसी भी प्रारुप को आसान नहीं मानना चाहिए। अगर आप देखें, तो भारतीय टीम ने 2011 के बाद कोई वनडे विश्व कप नहीं जीता है।

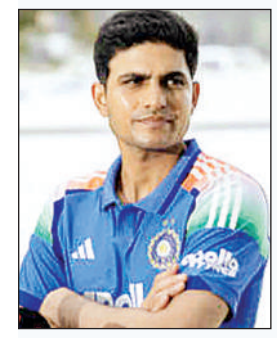

अफ्रीका कप : मोरक्को की सेमीफाइनल में एंट्री, कैमरुन को 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| रबात

ब्राहिम डियाज के लगातार पांचवें मैच में गोल से मेजबान मोरक्को ने कैमरुन को 2-0 से हराकर 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' के सेमीफाइनल में जगह बना ली। डियाज ने 27वें मिनट में कॉर्नर से

आयूब एल काबी के हेडर को गोल में बदला जबकि इस्माइल सैबरी ने 74वें मिनट में दूसरे गोल के साथ टीम की जीत पक्की कर दी। इससे पांच बार के चैंपियन कैमरुन का सफर सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले ही खत्म हो गया। मोरक्को के सामने बुधवार को सेमीफाइनल में नाइजीरिया और अल्जीरिया के बीच खेले जाने वाले अंतिम आठ मैच के विजेता की चुनौती होगी। क्वार्टर फाइनल के अन्य मुकाबले में सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही माली की टीम को 1-0 से हराया। इस मैच का इकलौता गोल इलिमन नदिये ने 27वें मिनट में किया।

अंडर19 : सूर्यवंशी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ वॉर्म अप मुकाबले में लगाए 9 चौके और 7 छक्के

वैभव ने 192 की स्ट्राइक रेट से जड़े 96 रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी का अंडर 19 वर्ल्ड कप से पहले जबरदस्त खेल जारी है। उन्होंने टीम इंडिया के पहले वॉर्म अप मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 96 रन की आतिशी पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने ओपन करते हुए 50 गेंद का सामना किया और नौ चौके व सात छक्के उड़ाए। उनकी स्ट्राइक रेट 192 की रही। सूर्यवंशी का यह लगातार तीसरा फिफ्टी प्लस स्कोर रहा। इससे पहले साउथ अफ्रीका

दौरे पर तीन वनडे की सीरीज में भी उन्होंने धूम मचाई थी। सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने भारत के लिए ओपनिंग की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए सात ओवर में 70 रन की साझेदारी हुई। कलाई की चोट से उबर कर लौटे म्हात्रे ने 19 गेंद खेली और चार चौकों से 22 रन बनाए। सूर्यवंशी ने छक्का लगाकर 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उनके और एरॉन वर्गीज के बीच दूसरे विकेट के लिए 78 रन की पार्टनरशिप हुई। मनु सारस्वत की गेंद को उड़ाने की कोशिश में सूर्यवंशी आउट हुए।

वर्गीज,मल्होत्रा और कुंडु ने लगाए अर्धशतक

सूर्यवंशी के अलावा वर्गीज (61), विहान मल्होत्रा (77) और अभिज्ञान कुंडु (55) ने भी अर्धशतक लगाया। इससे टीम इंडिया ने 350 रन का आंकड़ा पार किया और आठ विकेट पर 374 रन का स्कोर बनाया। भारत का अगला वॉर्म अप मुकाबला 12 जनवरी को न्यूजीलैंड के साथ है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930